सर्व शिक्षा अभियान (एस0एस0ए0)

जनपद – पौड़ी गढ़वाल

कार्य योजना एवं बजट

2001–2007

सर्वशिक्षा अभियान के उद्देश्य

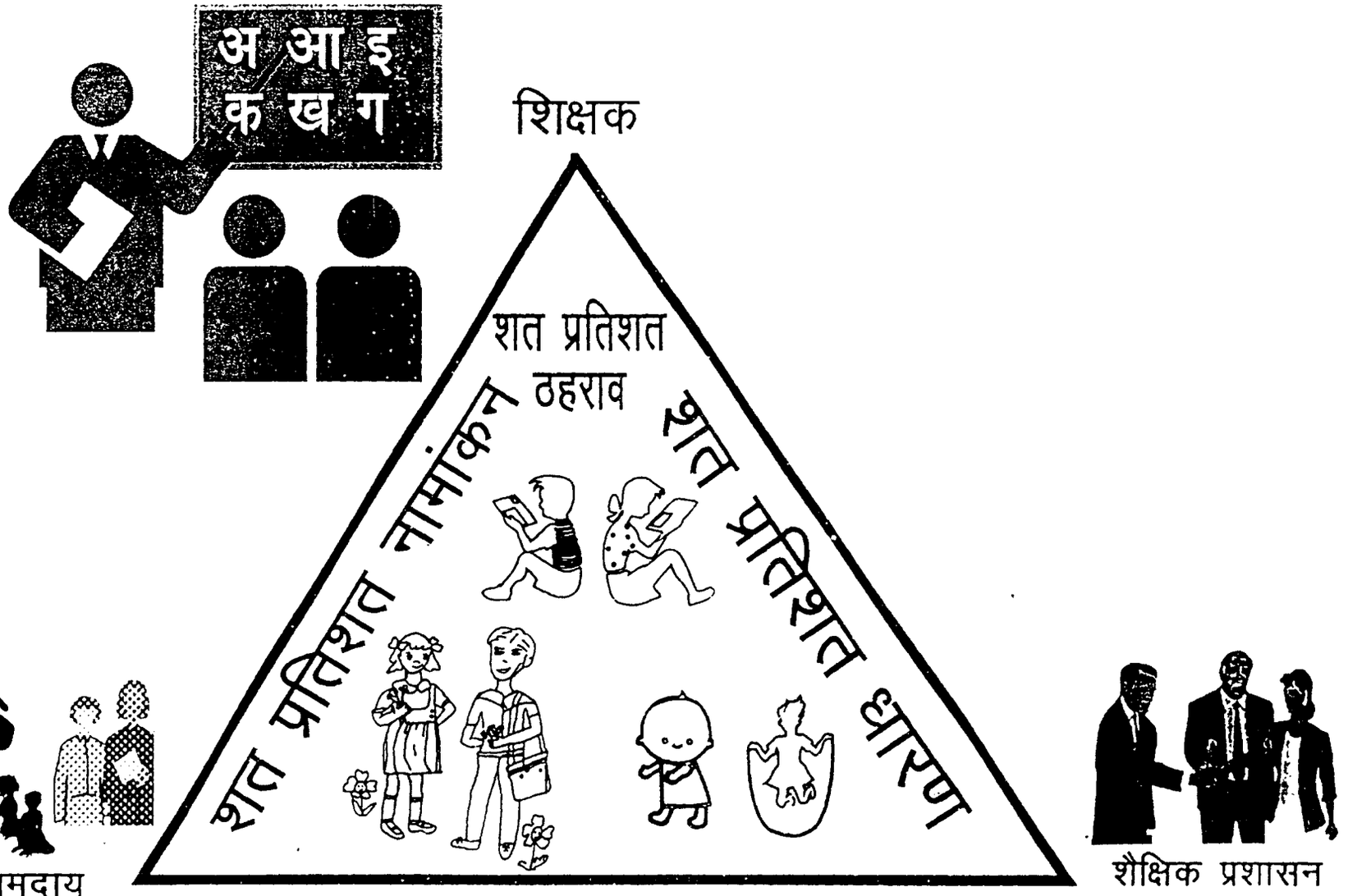

जनपद पौड़ी गढ़वाल

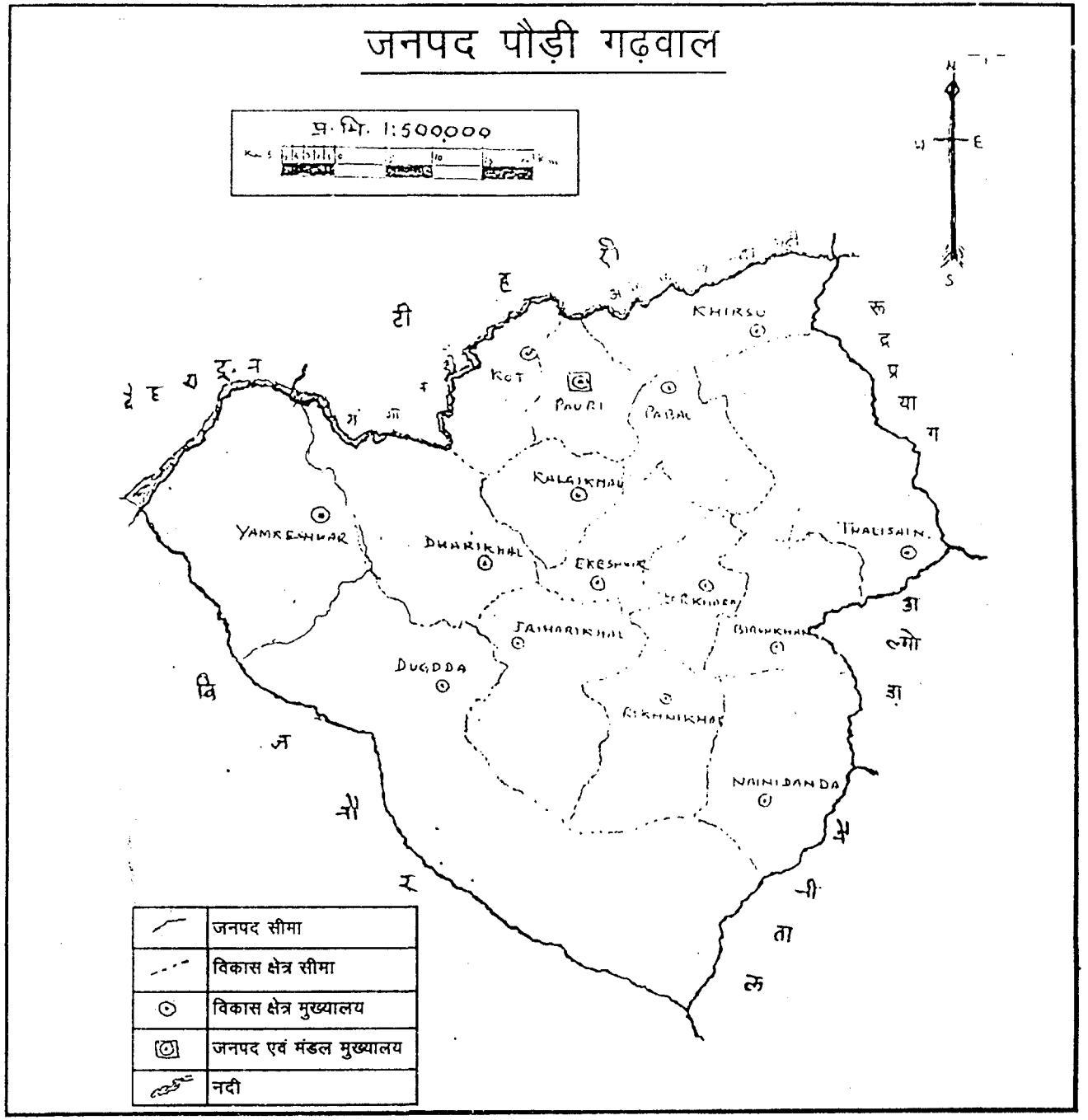

प्र. मि. 1:500000
N
E
S
KHIRSU
KOT
PAURI
PABAU
KALJIKHAL
YAMKESHWAR
DHARIKHAL
EKESHWR
THALISAIN.
JAIHARIKHAL
DUGDDA
NAINIDANDA
रुद्रप्रयाग
टीहरी
जनपद सीमा
विकास क्षेत्र सीमा
विकास क्षेत्र मुख्यालय
जनपद एवं मंडल मुख्यालय
नदी

सर्व शिक्षा अभियान (एस0एस0ए0)

जनपद पौड़ी गढ़वाल

कार्य योजना एवं बजट

वर्ष 2001–2007

अनुक्रमणिका

क्र0सं0	अध्याय
1	परिचय
2	शैक्षिक परिदृश्य
3	बे0शि0 परियोजना द्वारा किये गये कार्यो का विवरण
4	सर्व शिक्षा अभियान के उद्देश्य एवं लक्ष्य
5	नियोजन प्रक्रिया
6	क्रियान्वयन की कठिनाईयां एवं उनके निराकरण
7	संगठनात्मक ढांचा– निर्धारण
8	वार्षिक कार्ययोजना हेतु प्रस्ताव एवं बजट
9	संलग्नक

अध्याय – 1

जनपद पौड़ी गढवाल – एक परिचय

- भौगोलिक एवं ऐतिहसिक परिचय – गढवाल जनपद के नाम से पौड़ी गढवाल के उत्तर एक ओर हिमाच्छादित गगनचुम्बी चोटियां है वहीं दक्षिण में 79.2 यमुना द्वारा निर्मित मैदान मध्य हिमलय की पहाडियो मे स्थित यह जनण्द उत्तरी अक्षांश 29.2 से उत्तरी अक्षांश 30 15 व पूर्वी देशान्तर 78.12 पूर्वी देशान्तर 79.2 के मध्य स्थित है इस जनपद के उत्तर मे अलकनन्द (गंगा नदी) इसे टिहरी से पृथक करती है। जनपद के उत्तर पूर्व में टिहरी एंव रूदप्रयाग उत्तर में चमोली पूर्व में अल्माड़ा, दक्षिण पूर्व
  में नैनीताल, दक्षिण उत्तर प्रदेश दक्षिन पश्चिम में हरिद्वार जनपद, पश्चिम में जनपद देहरादून स्थित हैं उत्तरांचल के मण्डल गढ़वाल के सम्पूर्ण भाग पर गोरखों ने तत्कालीन पंवार वश के शासक को अपदस्थ कर आधिपत्त्य कर लिया था। सन् 1815 में अंग्रेजों ने गोरखों से गढवाल को मुक्ति दिलाई और इसके एवज में गड़वाल के आधे भाग को अपनी साम्राज्य का एक अंग बना लिया, स्वतंत्रता प्राप्ति केपश्चात सन 1962 में इस जनपद को दो भागों में बांटा गया पौड़ी और चमोली ने विभाजित किया गया। जनपद का क्षेत्रफल 5440 वर्ग कि. मी. है, भूक्षेत्र की स्थिति के आधार पर जनपद को सामान्य रूप से तीन भागों में बाटते है लघु हिमालय जिसमें शीत काल मे बर्फ पड़ती रहती है। शिवालिक पहाडियां तथा पहाड़ो की तलहटी पर भावर क्षेत्र हैं। कोटद्वार से भनोरी तक के भावर की पट्टी शिवालिक श्रंखला के बीच में आ जाने के कारण मैदान से पृथक हो गयी है
- जलवायु :– जनपद में ऊँचाई के अनुसार भिन्न 2 स्थानों की जलवायु भिन्न–भिन्न हैं नदी घाटियों और भावर की जलवायु जहॉ अत्यधिक गर्म हैवही दूसरी ओर अधिक ऊँचाई वाले स्थान ठंडे है यहां का सामान्यत तापमान 15 से 35 तक रहता हैं। मुख्यत: जलवायु को पूरे जनपद में तीन हिस्सों में बांटा जा सकता है।
  ग्रीष्म :– मध्य फरवरी से मध्य जून
  बरसात :– मध्य जून से मध्य अक्टूबर
  शीत :– मध्य अक्टूबर से मध्य फरवरी
- समाज एंव सस्कृति :– यहां की अधिकांश जनसंख्या गांवो में निवास करती हैअधिकांश संख्या (63) कृषि कार्य करती है कृषि योग्य भूमि कम होने के कारण जनपद सक आजीविका हेतु लोग प्रवजन करते हैं

  विभिन्न धर्मों और जाति के लोग एक दूसरे से जुड़े है और विवाह एंव सास्कृतिक पार्टी आदि में एक दूसरे की उपस्थिति अपरिहार्य समझी जाती है। मेले एंव उत्सव लोक जीवन का अभिन्न अंग हैं जिसमे लोग उत्साह एंव उमंग से भाग लेते हैं।

- पर्यटक एंव तीर्थस्थल :– प्राचीन काल से ही सम्पूर्ण उत्तरांचल केदारखण्ड अथवा उत्तराखण्ड अथवा उत्तरापथ के नाम से ऋषिमुनियों की तपस्थली रही है जिससे यहां पर बहुत से तीर्थस्थल व पर्यटन केन्द्र है जिसमें प्रसिद्ध अंग्रेजी शिकारी जिम कार्बेट नाम से 1935 में स्थापित कार्बेट नेशनपार्क जो पशुविहार एंव उद्यान के लिए प्रसिद्ध है। प्रसिद्ध महर्षि कण्व का सुविख्यात विश्व विद्यालय से विख्यात तथा शकुन्तला और भरत जन्म स्थान से प्रचलित कण्व आश्रम, कोटद्वार से 15 कि.मी. सिद्धबली आश्रम जो कोटद्वार मार्ग पर मॉ दुर्गा का ज्वाल्पा देवी मन्दिर श्रीनगर से 12 कि.मी. दूर रिवर्स मार्ग पर राजराजेश्वरी का प्रसिद्ध मन्दिर देवलगढ, ऋषिकेश लक्ष्मण झूला से 15 कि.मी. दूर नीलकण्ठ महादेव का विशाल नीलकण्ठ मन्दिर ऋषिकेश लक्ष्मण झूला से पार का स्वर्गाश्रम, उत्तराखंड के दूर नामी अल्मोड़ा से जुड़ा क्षेत्र थलीसैण में बिन्देश्वर मन्दिर, पैठाणी शिवमन्दिर, श्रीनगर, रूद्रप्रयाग मार्ग पर धारी देवी मन्दिर, श्रीनगर खिर्सू चौरी रोड पर डांडानागुर्जा लैन्सडाउन रिखणी खाल मार्ग पर ताड़केश्वर महादेव जैसे दर्शनीय व पर्यटन स्थल है

- ऐतिहासिक व्यक्तित्व :– गढो का जिला पौड़ी ने कई गढ़ नरेश हुए जिसमें श्रीनगर राज्य के प्रतापी नरेश फतेशाह (1700ई0) के समय तीलागंना तीलू रौतेली ने गढ़सेना का नेतृत्व किया और युद्ध में वीरगति को प्राप्त हुई इसीतरह अंग्रजी के वीर सैनिक वीर चन्द्रसिंह गढ़वाली तथा गढवाल राइफल के मुख्यालय होने के कारण वीर सपूत देश को दिये जनपद पौड़ी के बुघाणी ग्राम में जन्मे हेमवती नन्दन बहुगुणा जिन्होंने उ0प्र0 के मुख्य मंत्री तथा केन्द्र में केन्द्रीय मंत्री के पद को सुशोभित किया।

- भौतिक एंव मानवीय संसाधन :–

- वन सम्प्रदा :– प्रचुर मात्रा में जलाऊ लकड़ी, इमारती लकड़ी उपलब्ध है। पौड़ी जनपद का 59.24 भाग मात्र वनाच्छादित है। इसके दक्षिण भाग में जिम कार्बेट राष्ट्रीय पार्क स्थित है। यहां पर साल, खैर, शीशम, बांझ, बुरांस चीड़ आदि पाये जाते हैं।

- जल संसाधन :– जनपद में अलकनन्दा–गंगा, पं0 रामगंगा पूर्वी और पश्चिमी नयार खोर मालिनी आदि नदियॉ है। यहां पर रामनगर से 10 कि.मी. कालागढ़ में पं0 रामनगर पर कालागढ ऋषिकेश से 10 कि.मी. दूर गंगा पर चीला बाध तथा पौड़ी मुख्यालय से 30 कि.मी. दूर कोट ब्लाक में मेठी चोड़ा स्थान पर रादी व सिलिंग नदी पर मेठी चोड़ा बांध बना है जिनसे विद्युत के साथ साथ सिंचाई का कार्य लिया जाता है। यहां की भौगोलिक स्थिति को इन नदियों पर अनेक छोटे–बड़े बॉध बनाकर सिंचाई तथा विद्युत उत्पादन किया जा सकता है

- खनिज सम्पदा :– इस जनपद के कई भागों में लोहा तांबा आदि की खाने थी जिनमें खनन कार्य कई वर्षो पूर्व बन्द हो गया है।

- प्रशासनिक व्यवस्था :– पौड़ी जनपद में 6 तहसीलें पौड़ी,लैन्सडाउन धूमाकोट, थलीसैण, कोटद्वार और श्रीनगर तथा 15 विकास खंड– पौड़ी, कोट, खिर्सू, पावों कल्जीखाल, थलीसैण, दुगड्डा, यमकेश्वर, द्वारीखाल, जहरीखाल एकेश्वर, पोखड़ा, रिखणीखाल, वीरोंखाल, नैनीडांडा है।

तालिका से स्पष्ट हैकि जनपद में महिला जनपसंख्या का प्रशित 50.57 है, जो पुरुष जनसंख्या से थोडी अधिक है दुगड्डा विकास खण्ड में जनपद की सबसे अधिक जनसंख्या (13.63)निवास करती है। जबकि पोखडा विकास खण्ड में जनपद की सबसे कम जनसंख्या (4.41)निवास करती है। खिर्सू और जहरीखाल में अनुसूचित जाति की जनसंख्या सबसे अधिक है। पौड़ी कोट व पावों में भी अनुसूचित जाति की संख्या ज्यादा है।

तालिका :

प्रशासकीय संरचना

जनपद मुख्यालय	तहसील	विकास खण्ड	ग्राम पंचायत	आबाद	गैर आबाद	वन ग्राम	योग	नगर पालिका परिषद्	नगर पंचायत	छावनी बोर्ड
पौडी	06	15	1178	3137	342	26	3505	04	01	01

स्रोत जिला अर्थ एंव सख्याधिकारी कार्यालय

तालिका 1.1

विवरण	पुरुष	महिला	योग
कुल	365713	331138	696851
अनु0	41868	42941	84509
अनु0जन जाति	859	641	1500

विकास खण्ड स्रोत जनगणना 2001

तालिका 1.2

जनसंख्या

जनसंख्या	पुरूष	महिला	योग
ग्रामीण जनसंख्या	315059	28535	6000384
शहरी जनसंख्या	48072	44856	92928
वन क्षेत्र	2582	957	3539
योग	365713	331138	696851

विकास खण्ड स्रोत जनगणना 2001

तालिका 1.3

पौड़ी जनसंख्या एक परिदृश्य जनगणना 2001

क्र0स0	विवरण	कुल	प्रतिशत
1	कुल जनसंख्या	696331	100
क	ग्रामीण जनसंख्या	603923	86.66
ख	नगरीय जनसंख्या	92923	13.33
ग	वनक्षेत्र की जनसंख्या	3539	.51
2	जनसंख्या की दशकीय वृद्धि	33135	7
3	लिंगानुपात प्रति 1000 पुरूषों पर स्त्रियां	1104	–
4	अनुसूचित जाति की संख्या	93375	13.40
5	जन जाति की संख्या	1508	.22.
6	मुस्लिम जनसंख्या	15495	2.27
7	जनसंख्या का घनत्व प्रति वर्ग कि0मी0	129	8रैंक
8	कुल साक्षरता	507305	72.8
9	महिला जनसंख्या	287880	84.01
10	पुरूष जनसंख्या	219428	60.26

स्रोत :- सहायक बैसिक शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से विकास खण्डों से प्राप्त

तालिका 1.4

पौड़ी जनसंख्या एक परिदृश्य जनगणना 2001

	वर्ष 2001 अनुमानित					
	कुल जनसंख्या			अनुसूचित जाति जनसंख्या		
	पुरूष	महिला	योग	पुरूष	महिला	योग
1 पौड़ी	18151	15679	33830	3150	3400	6550
2 कोट	15919	13934	29930	2830	2963	5793
3 खिसू	11818	9741	21559	2530	2433	5023
4 पावों	20095	15783	35878	2953	3170	6123
5 कल्जीखाल	19436	17150	36586	3980	4530	8510
6 थलीसैंण	28391	25655	54047	3292	3415	6707
7 दुग्डा	41919	40331	82250	3620	3210	6900
8 यमकेश्वर	20855	18668	39523	2110	2030	4140
9 द्वारीखाल	24707	23334	48041	2325	2280	4605
10 जहरीखाल	17767	14430	32197	1780	1395	2875
11 एकेश्वर	18357	14323	32680	2510	2800	5310
12 पोखडा	14430	11613	26043	2005	2330	4325
13 रिखणी खाल	17228	16561	33839	2185	2260	4445
14 वीरौंखाल	26081	31535	57616	3042	3805	6847
15 नैनीडांडा	19855	16537	36392	3201	2965	5891
वन ग्राम	2582	957	3539	280	170	450
नगर क्षेत्र	48072	44856	92928	41568	42941	84509

स्रोत – खण्ड विकास अधिकारी/सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी

तालिका 1.5

जनसंख्या विकास खण्डवार (1991) की जनगणना के अनुसार

क्रम संख्या	विकास खण्ड	कुल जनसंख्या	जनपद की जनसंख्या में विकास खण्ड का प्रतिशत	जनपद की कुल जनगणना महिला का प्रतिशत	विकास खण्ड की जनगणना में महिला का प्रतिशत	विकास खण्ड की अनुसूचित जाति की संख्या का प्रतिशत
1	पौड़ी	35763	5.63	2.50	51.55	18.31
2	कोट	31836	5.01	2.55	50.90	18.21
3	च्विर्सू	23492	3.70	1.91	51.52	21.40
4	पावों	37811	5.95	3.21	53.90	16.21
5	कल्जीखाल	38519	6.07	3.10	51.20	22.09
6	थलीसैंण	55980	8.81	4.52	51.56	11.98
7	दुग्ड्डा	84183	13.26	6.65	50.13	08.19
8	यमकेश्वर	41456	6.53	3.33	50.99	9.99
9	द्वारीखाल	49974	7.87	3.94	50.01	9.21
10	जयहरीखाल	34130	5.38	2.84	52.89	8.42
11	एकेश्वर	34613	5.45	2.94	53.86	15.34
12	पोखड़ा	27976	4.41	2.32	52.59	15.46
13	रिखणी खाल	35772	5.63	2.77	49.09	12.43
14	वीरौंखाल	59549	9.38	4.15	44.28	11.49
15	नैनीडांडा	38325	6.04	3.17	52.55	15.37
	वन ग्राम	5456	0.86	0.45	52.71	8.29
	नगर क्षेत्र	634853	100.00	50.75	50.75	13.31

तालिका 1.6

विकास खण्डवार : जनसंख्या के अनुसार वर्गीकृत ग्राम

क्रम संख्या	विकास खण्ड का नाम	200 से कम	200 से 499	500 से 999	1000 से 1999	2000 से अधिक	योग
1	पौड़ी	121	40	9	2	–	172
2	कोट	170	38	5	–	–	213
3	खिर्सू	111	29	3	3	–	146
4	पावों	66	65	13	1	–	145
5	कल्जीखाल	178	54	5	–	–	237
6	थलीसैण	105	76	19	1	–	201
7	दुगड्डा	178	70	26	7	5	286
8	यमकेश्वर	153	64	3	1	1	222
9	द्वारीखाल	145	73	5	1	1	225
10	जहरीखाल	161	46	4	1	–	212
11	एकेश्वर	169	56	4	–	–	229
12	पोखड़ा	88	43	5	1	1	138
13	रिखणी खाल	117	61	5	–	–	138
14	वीरौंखाल	246	96	17	–	–	183
15	नैनीड़ाडा	138	29	2	–	–	169
	योग	2146	840	125	18	8	3137

स्रोत – साख्यिकी पत्रिका 1991

- वर्तमान जनसुविधाऐं :- निम्न सारणियों से स्पष्ट हैं

आर्थिक परिदृश्य

(क) व्यवसायिक संरचना :- जनपद की आर्थिकी का मुख्य आधार कृषि है। जनपद की कुल कार्य शील जनसंख्या को 63.0 प्रतिशत कृषि कार्यों से प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ा है। कृषि श्रमिक के रूप में 1.8 व पशुपालन व जंगल लगाना वृक्षारोपण आदि में 21.0 जनसंख्या लगी है। यह निम्नवत् श्रेणी के स्पष्ट है।

तालिका 1.7

कुल मुख्य कर्म कारें का प्रतिशत

क्र0स0	जनपद के कर्मकार	प्रतिशत
1	कृषक	63
2	कृषि श्रमिक	1.8
3	पशुपालन जंगल लांभाश, वृक्षारोपण	21
4	पारिवारिक उद्योग	.4
5	गैर पारिवारिक उद्योग	2.1
6	निर्माण कार्य	2.6
7	व्यापार एंव वाणिज्य	4.3
8	यातायात सग्रंहण एंव संचार	1.9
9	अन्य	21.9
		100

(ख) भूमि का उपयोग :– जनपद का आधे से अधिक भाग वन क्षेत्र के अन्तर्गत आता है। कुल क्षेत्र का59.24 प्रतिशत भाग पर वन हैं मात्र 11.26 प्रतिशत भाग पर कृषि कार्य होता है। 8.36 प्रतिशत भाग उद्यान वृक्षों का है। निम्नांकित तालिका से भूमि का उपयोग स्पष्ट है।

तालिका 1.8

भूमि उपयोगता

क्र0स0	वर्ग	प्रतिशत कुल क्षेत्रफल
1	वनक्षेत्र	59.24
2	कृषि कार्य	11.26
3	उद्यान वृक्षों का क्षेत्र	8.36
4	कृषि योग्य बंजर भूमि	5.89
5	उद्यान और कृषि अयोग्य	4.64
6	कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग	2.32
7	चरागाह	5.33
8	परती भूमि	2.96

स्रोत सांख्याकी पत्रिका 1999 पौड़ी

(ग) जनपद में कृषि :– जनपद का मुख्य व्यवसाय कृषि है। गेहूँ चावल मडुंवा व जौ यहाँ की मुख्या फसलें है। आलू व मक्का, सांवा भी यहाँ उगाया जाता है। दलहन में उड़द गहथ, तोर, लोबिया, सोयाबीन, राजमा, रयांस, सब्जियों में बन्दगोभी सेम मूली टमाटर मटर आलू तथा फलों में सेब अमरूद नाशपाती तथा आम सामान्य होते है। शुद्ध बोए गये क्षेत्रफल 84000 हैक्टयर की तुलना में 7000 हैक्टयर सिंचित क्षेत्रफल के अन्तर्गत है।

(घ) परिवहन एंव संचार सुविधाएं :– वर्ष 1997–98 में जनपद में कुल 2845 कि.मी. पक्की सड़क उपलब्ध थी। 1948 ग्राम सड़को से जुड़े थे। तीन विकास खण्ड मुख्यालय– नैनीडांडा कोट रिखणीखाल अभी तक भी कच्चे मार्ग से जुड़े है। रेलवे स्टेशन मात्र कोटद्वार मे है। वर्ष 1997–98 तक 426 डाकघर व 10 टेलीग्राफ आफिस थे। टेलीफोन 8400 थे

(ड) विद्युत व्यवस्था :– जनपद में वर्ष 1997–98 तक कुल 2189 ग्राम व नगर विद्युतीकृत हो चुके थे। अनुसूचित जाति की 1392 बस्तियां विद्युतीकृत हैं।

विविध विकास योजनाएं :–

1. समन्वित विकास परियोजना:– जनपद में विकास खंडों पौड़ी खिर्सू कोट कल्जीखाल मग समन्वित बाल विकास परियोजना संचालित है।
2. मध्याह्न पोषाहार योजना :– जनपद के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में1 से 5 तक अध्ययनरत इन सभी छात्रों के लिए यह योजना संचालित है, जिनकी मासिक उपस्थिति 80 प्रतिशत से अधिक रहती है। इस योजना के अन्तर्गत प्रत्येक छात्र को प्रतिमाह 3 किग्रा0 चावल वितरित किया जाता है।
3. छात्रवृत्ति योजना :– जनपद में सभी विद्यालयों में अ0जा0,अ0 जन जा0 व पि0जा. के सभी छात्रों के लिए समाज कल्याण विभाग एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा छात्रवृत्ति की व्यवस्था हैं। प्रत्येक छात्र के प्रतिमाह रू. 25 – की दर से एक वर्ष की छात्र वृत्ति रू0 300/ – मिलती है।
4. महिला समाख्या :– जनपद पौड़ी में महिला समाख्या के द्वारा महिलाओं केउत्थान केहेतु विविध कार्यक्रम संचालित किए जाते है जो मुख्यत: ग्रामीण महिलाओं के स्वास्थ्य एंव शिक्षा पर आधारित है।
5. आपरेशन ब्लैक बोर्ड :– जनपद में वर्ष 1990–91 में आपरेशन ब्लैक बोर्ड योजना संचालित है। इस योजना के तहत सभी प्राथमिक विद्यालय लाभान्वित हो रहे है।
6. उत्तर साक्षरता अभियान :– जनपद में वर्तमान में गढ़ ज्योति सम्पूर्ण साक्षरता अभियान की सफलता के उपरान्त जनपद में वर्तमान में उत्तर साक्षरता कार्यक्रम संचालित हो रहा है।
7. जिला ग्राम्य विकास अभिकरण :– इसके तहत जे.आर.वाई0 एस0आर0वाई0 पी0एम0आर0वाई0 से भी विद्यालयों के निर्माण एंव नव निर्माण हेतु सहायता राशि उपलब्ध कराई जाती है।

अध्याय – 2

जनपद का शैक्षिक परिदृश्य

जनपद पौड़ी गढवाल में 1737 प्राथकि विद्यालय / मान्यता प्राप्त 446 पू0 मा0 वि0 मान्यता प्राप्त सहित 89 हाईस्कूल 157 इण्टर कॉलेज 07 डिग्री कॉलेज 08 तकनीकी संस्थान 182 आंगनवाड़ी केन्द्र 03 संस्कृत पाठशालायें तथा 01 जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान है । जनपद में 1994 से 2000 बेसिक शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत 15 ब्लाक संसाधन केन्द्रों एवं 120 न्याय पंचायत संसाधन केन्द्रों की स्थापना की गयी जिनमें से 02 केन्द्र रूद्र प्रयाग में चले गये है, शेष 118 केन्द्र गुणात्मक सुधार हेतु कियाशील है।

तालिका 2.0

जनपद की शिक्षा / प्रशिक्षण संस्थयें

		परिषदीय / शासकीय			मान्यता प्राप्त			कुल			गैर मान्यता प्राप्त		
		ग्रामीण	नगरीय	योग	ग्रामीण	नगरीय	योग	ग्रामीण	नगरीय	योग	ग्रामीण	नगरीय	योग
1	प्राथमिक विद्यालय	1629	30	1659	80	40	120	1709	70	1779	32	3	35
2	मा0 वि0 से सम्बद्ध प्राइमरी अनुभाग	-	4	4	-	-	-	-	4	4	-	-	-
3	उच्च प्राथमिक विद्यालय	404	4	408	38	11	49	430	16	446	4	-	4
4	मा0 वि0 से सम्बद्ध उच्च प्राथमिक अनुभग	20	4	24	14	2	16	34	6	40	-	-	-
5	केन्द्रीय विद्यालय	-	2	2	-	-	-	-	2	2	-	-	-
6	हाईस्कूल	70	2	72	16	1	17	86	3	89	1	3	4
7	इण्टर कॉलेज	91	9	100	54	5	59	145	14	159	-	-	-
8	डिग्री कॉलेज	04	-	4	-	-	-	4	4	4	-	-	-
9	स्नातकोत्तर महाविद्यालय	-	1	1	-	2	2	-	3	3	-	-	-
10	विश्व विद्यालय	-	1	1	-	1	1	-	1	1	-	-	-
11	तकनीकी संस्थान (आई.टी. आई. / पॉली. टे0)	3	4	7	1	-	1	4	4	8	-	-	-
12	आंगनवाड़ी केन्द्र	338	-	338	-	-	-	338	-	338	-	-	-
13	मकतब / मदरसे	-	6	6	-	-	-	-	6	6	-	-	-
14	संस्कृत पाठशालायें	-	-	-	3	1	4	3	1	4	-	-	-
15	ब्लाक संसाधन केन्द्र	15	-	15	-	-	-	15	-	15	-	-	-
16	न्याय पंचायत संसाधन केन्द्र	118	-	118	-	-	-	118	-	118	-	-	-
17	जि.शि. एवं प्रशि. संस्थान	1	-	1	-	-	-	1	-	1	-	-	-

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

तालिका 2.1

छात्र संख्या वार विद्यालयों की संख्या ग्रामीण क्षेत्र

क्र सं	विकास खण्ड	20 से कम	20 से 50	50 से 100	101 से 140	141 से 180	181 से 220	221 से 260	261 से 300	300 से 350
1	पौड़ी	18	43	14	2	1	–	–	–	–
2	कोट	38	50	10	2	1	–	–	–	–
3	खिर्सू	17	38	3	3	–	–	–	–	–
4	पाबौ	7	58	38	4	1	–	–	–	–
5	कल्जीखाल	26	61	25	2	–	–	–	–	–
6	थलीसैण	13	54	42	22	5	1	–	–	–
7	दुगड्डा	12	62	25	9	4	4	1	2	2
8	यमकेश्वर	30	49	37	5	1	–	1	–	–
9	द्वारीखाल	31	83	19	1	2	–	–	–	–
10	जहरीखाल	26	56	18	2	–	–	–	–	–
11	एकेश्वर	20	61	18	2	1	–	–	–	–
12	पोखड़ा	22	44	11	1	–	1	–	–	–
13	रिखणीखाल	12	50	36	3	–	1	–	–	–
14	बीरोंखाल	23	85	33	5	–	–	–	–	–
15	नैनीड़ांड़ा	18	73	26	–	–	–	–	–	–
	योग	313	867	355	63	16	7	2	2	2
	नगर क्षेत्र पौड़ी	1	8	5	1	–	–	–	–	–
	" श्रीनगर	–	1	–	–	1	–	–	–	–
	" दुगड्डा	–	1	1	–	–	–	–	–	–
	" कोटद्वार	–	1	4	–	4	–	1	1	–
	योग–	1	11	10	1	5	–	1	1	–
	महायोग	314	878	365	64	21	7	3	3	2

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

साक्षरता – किसी भी क्षेत्र का विकास उसकी साक्षरता पर निर्भर करती है। जनपद की साक्षरता जिसमें पुरूषों का साक्षरता प्रतिशत 52.26 है तथा महिला साक्षरता प्रतिशत 41.2 है।

तालिका 2.2

जनपद की साक्षरता विभिन्न आयाम

क्र0 सं0	विवरण	साक्षरता प्रतिशत
1	कुल	54.09
2	ग्रामीण	52.56
3	नगरीय	65.25
4	कुल पुरूष	67.7
5	कुल महिला	41.7
6	ग्रामीण पुरूष	67.43
7	ग्रामीण महिला	39.25
8	शहरी पुरूष शहरी महिला	69.05 59.85

विकास खण्ड बार साक्षरता दर – विकास खण्ड बार साक्षरता दर तालिका में दी गयी है। जनपद में थलीसैंण में महिला साक्षरता दर न्यूनतम है। रिखणीखाल, नैनीडांडा, खिर्सू, कोट, बीरोंखाल, पोखड़ा तथा यमकेश्वर में भी साक्षरता दर न्यून है। 1991 की जनगणना के अनुसार साक्षरता प्रतिशत तालिका 2.3 से स्पष्ट है,

तालिका 2.3

1991 की जनगणना के अनुसार साक्षरता प्रतिशत

क्र0 स0	विकास खण्ड	पुरूष	महिला	योग	पुरूष	महिला	योग
1	पौड़ी	10266	7356	17622	84.6	51.5	66.8
2	कोट	8900	6060	14960	82.0	45	61.5
3	खिर्सू	7201	4969	12170	71.0	42.5	69.1
4	पाबौ	11455	7468	18923	81.6	52.0	66.7
5	कल्जीखाल	11078	8548	19723	85.5	22.4	46.1
6	थलीसैण	13853	4767	18620	72.4	55.0	73.5
7	दुगड्डा	29891	19911	49802	87.9	48.2	65.8
8	यमकेश्वर	13741	8400	22141	84.8	52.0	67.6
9	द्वारीखाल	14744	10214	24958	85.3	53.8	69.4
10	जहरीखाल	11262	7377	19239	87.4	54.7	70.9
11	एकेश्वर	11379	8714	20093	90.1	47.9	64.6
12	पोखड़ा	8787	6008	14795	86.9	40.1	58.2
13	रिखणीखाल	10269	5993	1622	79.3	42.9	59.5
14	बीरोंखाल	14112	9576	23688	82.3	42.2	56.2
15	नैनी डांड़ा	11267	7218	18485	79.7	56.1	59.2
	योग ग्रामीण नगर क्षेत्र	187992 32884	122311 20091	310303 52975	67 43 78.8	39.25 72.5	52.7 76.1
	कुल योग	220876	142402	363278	67.7	41.2	54.9

स्रोत – सांख्यिकी पत्रिका पौड़ी 1999

3. शैक्षिक संस्थान – जनपद में वर्तमान में 07 डिग्री कॉलेज, 159 इण्टर कॉलेज, 89 हाईस्कूल, 457 उ0प्रा0वि0 तथा 1769 प्राथमिक विद्यालय संचालित है। इसके अतिरिक्त 182 आंगनबाड़ी भी संचालित है।

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

तालिका 2.4

विकास खण्डवार शैक्षणिक संस्थयें

क0 स0	विकास खण्ड	नगर क्षेत्र	प्राथमिक विद्यालय				उच्च प्राथमिक विद्यालय				माध्यमिक विद्या से सम्बद्ध उच्च	हाईस्कूल			इण्टर कालेज			डिग्री कॉलेज एवं स्नातकोत्तर महर्षि	आगन्बाड़ी
			परिषदीय शासकीय नगर क्षेत्र सहित	मान्यता प्राप्त	गैर मान्यता प्राप्त	कुल	परिषदीय शासकीय	मान्यता प्राप्त	गैर मान्यता प्राप्त	कुल		राजकीय	अर्द्ध शासकीय मान्यता प्राप्त	योग	शासकीय	अर्द्ध शासकीय मान्यता प्राप्त	योग		
1	पौड़ी	15	78	12	2	107	25	2		27		6		6	5	4	9	1	52
2	कोट		103	3	3	108	28		1	29	11	2		2	8	2	10		50
3	खिर्सू	2	61	12		75	16	7		3		5	1	6	7	5	12	1	60
4	पाबौ		108	8		116	32	2		33		5		5	5	3	8		
5	कल्जीखाल		114	4	2	120	25		2	27		3	1	4	6	3	9		60
6	थलीसैण		137	8		145	34	4		38	16	6		6	8		8	1	
7	दुगड्डा	13	121	30	8	172	38	15		53		7	3	10	11	2	13	1	111
8	यमकेश्वर		123	5	3	131	28	4		32	4	1	5	4	5	9	14		
9	द्वारीखाल		136	6	2	135	34	4	1	38		7		11	7	4	11		
10	जहरीखाल		102	8		110	25			23		4		4	9	4	13	1	
11	एकेश्वर		102	4	11	117	22	2		23		4	2	6	6	6	12		
12	पोखड़ा		79	5	4	83	18	3		20		1	1	2	3	6	9	1	
13	रिखणीखाल		102	4		109	24			24		2	2	4	7	2	9		
14	बीरोंखाल		146	7		156	28	4		32		9	1	10	8	7	15	1	
15	नैनीडांड़ा		117	4		121	29	2		28		4	4	8	3	6	9		
	योग	30	1629	120	35	1814	406	49	4	450	31	67	16	89	100	59	159	7	333

स्रोत – बे शि0 अ0 पौड़ी

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

4. भवनों के आधार पर विद्यालय – जनपद के कुल 1659 प्रा0 विद्यालय हैं। जिनमें से 6 भवनहीन हैं। 42.11 प्रतिशत भवनों में तुरन्त अतिरिक्त कक्षा कक्षों की आवश्यकता है।

तालिका 2.5

भवनों के आधार पर विद्यालय

क0 सं0	विवरण	विद्यालयों की संख्या	प्रतिशत
1	भवनहीन विद्यालय	6	0.37
2	एक कक्षीय विद्यालय	5	0.31
3	दो कक्षीय विद्यालय	795	47.92
4	तीन कक्षीय विद्यालय भवन	478	28.81
5	चार कक्षीय विद्यालय भवन	269	16.21
6	पांच कक्षीय विद्यालय भवन	68	4.09
7	पांच कक्षों से अधिक वाले भवन	38	2.29

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय

तालिका 2.6(अ)

भौतिक सुविधाओं व विद्यालय के अनुसार प्रा0 विद्यालयों की संख्या

क्र0 सं0	विकास खण्ड	कक्षाहीन विद्यालय	एक कक्षीय विद्यालय	दो कक्षीय विद्यालय	तीन कक्षीय विद्यालय	चार कक्षीय विद्यालय	5 कक्षीय विद्यालय	5 से अधिक	कक्ष योग्य वि
1	पौड़ी	-	-	69	4	5	-	-	78
2	कोट	-	-	6	73	21	1	2	102
3	खिर्सू	-	-	10	45	6	-	-	61
4	पाबौ	-	-	88	17	3	-	-	108
5	कल्जीखाल	-	-	7	58	37	8	4	114
6	थलीसैण	-	-	49	48	14	21	5	137
7	दुगड्डा	-	-	72	31	12	2	4	121
8	यमकेश्वर	-	4	104	11	4	-	-	123
9	द्वारीखाल	-	-	27	48	50	6	5	136
10	जहरीखाल	-	1	31	56	13	1		102
11	एकेश्वर	-	-	21	26	47	6	2	102
12	पोखड़ा	-	-	52	24	3	-	-	79
13	रिखणीखाल	-	-	82	16	4	-	-	102
14	बीरोखाल	-	-	8	50	57	20	11	146
15	नैनीड़ांडा	-	-	87	21	9	-	-	117
	योग	-	5	782	474	267	65	36	1629
नगर क्षेत्र	पौड़ी	6	-	7	-	-	-	1	15
	खिर्सू	-	-	2	-	1	-	-	2
	दुगड्डा	-	-		1		-	-	2
	कोटद्वार	-	-	4	3	1	3	1	11
	योग	6	-	13	4	2	3	2	24
	महायोग	6	5	795	478	269	68	38	1653

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

तालिका 2.6(ब)

भौतिक सुविधाओं व विद्यालय के अनुसार प्रा0 विद्यालयों की संख्या

मरम्मत योग्य विद्यालय	शौचालय युक्त वि0	शौचालय विहीन वि0	चाहरदीवारी युक्त	चाहरदीवारी विहीन वि0	पेय जल	फर्नीचर विहीन	पुनर्निर्माण वांछित	अतिरिक्त कक्ष वांछित
70	67	11	31	47	61	17	8	2
85	98	4	27	73	62	39	15	6
53	57	4	2	59	50	11	8	3
98	95	13	20	88	51	57	10	28
102	102	12	21	93	49	65	12	6
122	91	46		137	90	47	15	6
107	100	21	16	105	81	40	14	8
105	119	4	3	120	24	99	18	9
121	115	21	8	128	80	56	15	7
92	86	16	7	95	77	25	10	3
83	92	9	10	91	56	45	18	1
65	76	2	4	74	49	29	13	2
93	86	15	2	99	43	58	8	8
136	120	26	58	88	121	25	10	
99	101	16		117	58	59	19	4
1431	1405	220	209	1414	952	672	193	93
	9	6	2	13	9	6	2	
		1		1				1
	2		2		2		1	1
1431	9	2	6	5	5	6	4	2
	20	9	10	19	16	12	7	4
	1425	229	219	1433	968	684	200	97

तालिका 2.7 – भवनों के आधार पर विद्यालय (उच्च प्राथमिक)

क्र0 सं0	विवरण	संख्या	प्रतिशत
1	भवहीन	2	.48
2	दो कक्षीय भवन	1	.24
3	तीन कक्षीय भवन	44	10.70
4	चार कक्षीय भवन	246	59.85
5	पांच कक्षीय भवन	118	28.71

तालिका 2.8 – भवनों के आधार पर उच्च प्राथमिक विद्यालयों की स्थिति (परिषदीय)

क्र0 सं0	विकास खण्ड	कुल विद्यालय	भवनयुक्त	भवनहीन विद्यालय	जर्जर भवन (नवनिर्माणापेक्षि)	मरम्मत योग्य वि0	दो कक्षीय विद्यालय	तीन कक्षीय योग्य	चार कक्षीय योग्य	5 कक्षीय योग्य
1	पौड़ी	23	23	-	2	21	-	-	23	-
2	कोट	28	28	-	2	26	-	-	19	9
3	खिर्सू	15	15	-	1	14	-	-	15	-
4	पाबौ	30	30	-	-	30	-	-	20	10
5	कल्जीखाल	25	25	-	1	24	1	-	24	-
6	थलीसैण	34	34	-	2	32	-	2	20	12
7	दुगड्डा	36	36	-	1	25	-	9	22	5
8	यमकेश्वर	32	32	-	11	21	-	-	31	1
9	द्वारीखाल	36	36	-	8	28	-	-	6	30
10	जहरीखाल	25	25	-	1	24	-	12	13	-
11	एकेश्वर	22	22	1	-	21	-	-	4	17
12	पोखड़ा	20	20	-	1	19	-	10	10	-
13	रिखणीखाल	24	24	-	1	23	-	-	13	11
14	बीरोंखाल	28	28	-	1	27	-	-	9	19
15	नैनीडांडा	26	25	-	-	25	-	9	13	4
	योग	404	403	1	32	370	1	42	242	117
नगर	पौड़ी क्षेत्र	1	1	-	-	1	-	-	1	-
	खिर्सू	1	-	-	-	-	-	-	-	-
	दुगड्डा	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कोटद्वार	2	1	1	-	1	-	1	1	-
	योग	4	2	2	-	2	-	1	2	-
	राजकीय कुल	3	3		-	3	-	1	2	-
	महायोग	411	408	2	32	375	1	44	246	117

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

5. जर्जर एवं मरम्मत योग्य विद्यालय – जनपद में काफी बड़ी संख्या में विद्यालय जर्जर एवं मरम्मत योग्य हैं। जनपद में 310 प्रा0वि0 तथा 15 उ0 प्रा0 वि0 विद्यालय ऐसे हैं जिन्हे ध्वस्त करके नये भवनों का निर्माण किया जाना है। 1448 विद्यालय भवनों में विशेष मरम्मत की आवश्यकता है।

विकासखण्डवार भवन के आधार पर विद्यालय – जनपद में अधिकांश प्राथमिक विद्यालय दो कक्षा कक्षीय हैं। विकासखण्डवार विद्यालयों की स्थिति निम्नवत् है।

तालिका 2.9 – विकासखण्डवार भवन के अनुसार विद्यालयों की संख्या

क0 स0	विकास खण्ड	पुनिर्माण योग्य विद्यालय भवन की सं0					
		भवनहीन		जर्जर		विशेष मरम्मत योग्य विद्यालय भवन	
		प्रा0 वि0	उ0 प्रा0 वि0	प्रा0 वि0	उ0 प्रा0 वि0	प्रा0 वि0	उ0 प्रा0 वि0
1	पौड़ी	-	-	15	1	70	22
2	कोट	-	-	22	1	85	27
3	खिर्सू	-	-	15	1	53	14
4	पाबौ	-	-	17	-	98	30
5	कल्जीखाल	-	-	19	1	102	24
6	थलीसैण	-	-	22	1	122	33
7	दुगड्डा	-	-	21	1	107	25
8	यमकेश्वर	-	-	25	3	105	29
9	द्वारीखाल	-	-	22	2	121	34
10	जहरीखाल	-	-	17	1	92	24
11	एकेश्वर	1	-	30	-	83	22
12	पोखड़ा	1	-	14	1	65	19
13	रिखणीखाल	-	-	15	1	93	23
14	बीरोंखाल	-	-	17	1	136	27
15	नैनीडांड़ा	-	1	26	-	99	25
	योग	2	1	303	15	1431	388
नगर	क्षेत्र वि0	6	1	7	-	17	2
	राजकीय वि0	-	-	-	-	-	3
	महायोग	8	2	310	15	1448	393

तालिका 2.10 – प्राथमिक विद्यालयों का आबादी व दूरी के आधार पर विवरण

प्राथमिक विद्यालय				
		300 या से ऊपर आबदी वाले गांव बस्तियों की संख्या को उपलब्ध प्राथ0 विद्यालय		
क0 स0	विकास खण्ड	1 किमी. से अधिक दूरी पर उपलब्ध विद्यालय	1 किमी. से 1.5 किमी.	1.5 किमी. से अधिक
1	पाबौ	157	-	15
2	कोट	213	-	-
3	खिर्सू	146	-	-
4	पाबौ	114	30	1
5	कल्जीखाल	237	-	-
6	थलीसैण	201	-	-
7	दुगड्डा	286	-	-
8	यमकेश्वर	218	4	-
9	द्वारीखाल	225	-	-
10	जहरीखाल	212	-	-
11	एकेश्वर	229	-	-
12	पोखड़ा	133	3	2
13	रिखणीखाल	172	11	-
14	बीरोंखाल	359	-	-
15	नैनीडांडा	157	12	-
	योग	3059	60	18

तलिका 2.11

छात्र नामांकन सम्बन्धी सूचना –

कुल छात्र संख्या			कुल छात्र संख्या ने अ0 ज0			कुल छात्र संख्या अनु0 जन0 जा0			कुल छात्र संख्या पि0जा0			कुल छात्र संख्या अ0स0		
बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
जूनियर हाई स्कूल /हाई स्कूल/इंटर कालेजों की छात्र संख्या														
21542	21476	43018	3972	3640	7612	42	21	63	126	131	257	82	61	143
प्राथमिक विद्यालयों की छात्र संख्या														
33498	36948	70446	8443	9000	17443	141	123	264	584	544	1128	573	536	1109

च प्राथमिक विद्यालयों में कुल छात्र संख्या में अनुसूचित जाति का प्रतिशत 17.69 अनु जन जाति का 0.14 पिछड़ी जाति का प्रतिशत .59 है।
ा प्राथमिक विद्यालयों में कुल छात्र संख्या में अनुसूचित जाति का प्रतिशत 24.76 अनु जन जाति का 0.37 पिछड़ी जाति का प्रतिशत 1.60 है।

स्कूल के अनुसार गॉव – जनपद के 3137 आबाद ग्रामों में 1659 विद्यालय स्थित हैं। जनपद में 2915 गॉवों में प्राथमिक विद्यालय 1 किमी0 की परिधि में उपलब्ध हैं। 222 गॉवों में प्राथमिक विद्यालय 1 किमी0 से अधिक ी पर स्थित हैं।

छात्र अध्यापक अनुपात – जनपद में प्रा0वि0 के 1568प्रधान अध्यापक के पद सृजित हैं। सहायक अध्यापक के 2704 पद सृजित हैं। उ0प्रा0वि0 में 353 प्र0अ0 व 1557 स0अ0 के पद पर सृजित हैं। शिक्षा मित्र के 259 पद सृजित हैं।

तालिका 2.12

कुल सृजित पद							
प्राथमिक			उच्च प्राथमिक		प्राथमिक में		उच्च प्राथमिक में
प्र0 अ0	स0अ0	शि0 मि0	प्र0 अ0	स0अ0	कुल शिक्षक	शि0 मि0	कुल शिक्षक
1568	2704	529	353	1557	3110	116	1642

स्त्रोत – जिला बेसिक शिक्षा आधिकारी पौड़ी

तालिका 2.13(ब)

शिक्षकों की उपलब्धता उच्च प्राथमिक स्तर

क्र0सं0	विकास खण्ड	विद्यालयों की संख्या	छात्र संख्या	स्वीकृत पद			कार्यरत पद		
				प्र0अ0	स0अ0 तथा उर्दू	योग	प्र0अ0	स0अ0	योग
1	पौड़ी	23	1017	21	85 (1urdu)	106	20	85	105
2	कोट	28	976	24	100	124	14	101	115
3	खिर्सू	15	623	13	52	65	9	52	61
4	पाबौ	30	1293	26	104	130	19	103	122
5	कल्जीखाल	25	1159	23	92	115	18	92	110
6	थलीसैण	34	2420	29	95	124	15	95	110
7	दुगड्डा	36	1279	31	137(5urdu)	168	31	150	181
8	यमकेश्वर	32	1509	26	104	130	17	106	123
9	द्वारीखाल	36	995	31	123	154	17	124	141
10	जहरीखाल	25	1004	22	88	110	19	88	107
11	एकेश्वर	22	923	18	72	90	14	67	81
12	पोखड़ा	20	1399	16	64	80	13	60	73
13	रिखणीखाल	24	1228	21	84	105	15	75	90
14	बीरोंखाल	28	1504	25	100	125	20	95	115
15	नैनीड़ांडा	26	38	23	92	115	17	80	97
	नगर क्षेत्र पौडी	1	44	1	4	5	1	4	5
	खिर्सू	1	0	1	6	7	-	6	6
	कोटद्वार	2	166	2	10	12	-	5	5
	योग	404	17577	353	1412	1765	259	1383	1642

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

छात्र अध्यापक अनुपात – निम्नांकित तालिका से वि0 ख0 वार छात्र– अध्यापक अनुपात की स्थिति आंकित है। जनपद में अनुपात 1 : 23.78 है।

		तालिका 2.14 छात्र अध्यापक अनुपात (ग्रामीण क्षेत्र)					
क0 स0	विकास क्षेत्र	परिषदीय प्राथमिक विद्यालय			परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालय		
		छात्र संख्या	कार्यरत शिक्षकों की संख्या	PTR छात्र शिक्षक अनुपात	छात्र संख्या	कार्यरत शिक्षकों की संख्या	PTR छात्र शिक्षक अनुपात
1	पौड़ी	3121	153	20.39	1017	105	9.68
2	कोट	2989	190	15.73	976	115	8.48
3	खिर्सू	1887	120	15.72	579	61	9.49
4	पाबौ	4830	189	25.55	1293	122	10.59
5	कल्जीखाल	4089	194	21.07	1159	110	10.53
6	थलीसैण	8586	235	36.53	2155	110	19.59
7	दुगड्डा	7466	280	26.66	2420	181	13.37
8	यमकेश्वर	4588	224	20.48	1279	123	10.39
9	द्वारीखाल	4747	226	21	1509	141	10.70
10	जहरीखाल	3387	190	17.82	995	108	9.21
11	एकेश्वर	4226	173	24.42	1004	81	12.39
12	पोखड़ा	2709	121	22.38	923	73	12.64
13	रिखणीखाल	4655	178	26.15	1399	90	15.54
14	बीरोंखाल	5809	194	29.94	1228	115	10.67
15	नैनीड़ांड़ा	4843	223	21.71	1504	96	15.66
नगर	क्षेत्र श्रीनगर	206	8	25.75	49	6	7.33
	दुगड्डा	117	5	23.4	-	-	-
	पौड़ी	661	27	24.48	38	5	7.60
	कोटद्वार	1530	33	16.36	166	5	33.2
	महायोग	70446	2962	23.78	19688	1642	11.99

स्त्रोत – जिला बेसिक शिक्षा आधिकारी पौ

तालिका 2.15 : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान

क्र0 स0	पदनाम	पद स्वीकृत	कार्यरत पद	रिक्त पद
1	प्राचार्य	1	–	1
2	उप प्राचार्य	1	–	1
3	वरिष्ठ प्रावक्ता	6	6	–
4	प्रवक्ता	17	17	–
5	कार्यानुभव शिक्षक	1	1	–
6	सांख्यिकीकार	1	1	–
7	पुस्तकालयाध्यक्ष	1	–	1
8	तकनीकी विशेषज्ञ	1	–	1
9	कार्यालय अधीक्षक	1	--	1
10	लेखा सहायक	1	1	–
11	आशुलिपिक	1	1	–
12	कनिष्ठ लिपिक	9	9	–
13	प्रयोगशाला सहायक	1	1	–
14	चतुर्थ श्रेणी	5	5	–

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

तालिका 2.16

0 स0	विकास क्षेत्र	6–11 वर्ग के बच्चों की संख्या			मान्यता प्राप्त / गैर मान्यता / राजकीय / प्राथमिक विद्या. में छात्र नामांकन			प्राथमिक में GER	11–14 वर्ग के बच्चों की संख्या			उच्च प्राथमिक कक्षाओं में नामांकन			GER
		बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग		बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	
1	पौड़ी	1792	1840	3632	1791	1837	3628	99.8	1131	1204	2335	1129	1198	2327	99 65
2	कोट	1686	1776	3462	1686	1775	3461	99.9	1087	1101	2188	1084	1093	2477	99.49
3	खिर्सू	2239	2754	5293	2538	2752	5290	99.8	1410	1455	2865	1403	1433	2836	98.98
4	पाबौ	1466	1572	3038	1463	1571	3034	99.9	1071	1111	2182	1071	1109	2180	99.90
5	कल्जीखाल	2057	2014	4071	2056	2013	4069	99.9	1492	1564	31056	1491	1563	2054	99.93
6	थलीसैण	1621	1637	3258	1621	1634	3255	99.9	931	965	1896	929	960	1879	99.10
7	दुगड्डा	2223	2321	4544	2221	2320	4541	99.9	1087	1128	2215	1082	1118	2200	99.32
8	यमकेश्वर	2720	2560	5280	2720	2560	5280	100	1532	1568	3100	1532	1568	3100	100
9	द्वारीखाल	2110	2195	4305	2110	2194	4304	99.9	1201	1263	2464	1199	1263	2462	9991
10	जहरीखाल	6165	5510	11675	6141	5484	11625	99.5	4108	4151	8592	4087	4112	8199	99.27
11	एकेश्वर	4710	4537	9247	4689	4512	9201	99.5	2820	2961	5433	2790	2553	5343	98.34
12	पोखड़ा	2603	3737	5340	2603	2737	5340	100	571	704	1275	572	704	1275	100
13	रिखणीखाल	2728	2761	5489	2696	3735	5431	98.9	808	791	1599	793	773	1566	97.93
14	बीरोंखाल	2308	2305	4613	2308	2385	4613	100	1551	1390	2941	1551	1390	2941	100
15	नैनीड़ांड़ा	2236	2258	4494	2233	2256	4489	99.8	1579	1451	3030	1578	1448	3026	99.89
	योग	38964	38777	77741	38876	38685	77561	99.76	22379	22459	44838	22290	22285	44575	99.41
नगर	क्षेत्र कोटद्वार	1332	1151	2483	1332	451	2483	100	283	200	483	283	200	483	100
	दुगड्डा	22	62	117	55	62	117	100	131	280	471	131	280	411	100
	पौड़ी	1523	1397	2920	1523	1397	2920	100	872	835	1707	871	834	1705	99.88
	खिर्सू	822	718	1540	822	718	1540	100	607	556	1163	607	555	1162	99.91
	योग	3732	3328	7060	3732	3328	7060	100	1893	1871	3764	1892	1869	3761	99.92
	महायोग	42696	42105	84801	42608	42013	84621	99.78	24272	24330	48602	24182	24154	48336	99.45

अध्याय–3

बेसिक शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत जनपद की प्रगति

I. सभी के लिये शिक्षा परियोजना परिषद के अन्तर्गत वर्ष 1993–94 से वर्ष 2000 तक यह जनपद बेसिक शिक्षा परियोजना से आच्छादित रहा. परियोजना से पूर्व जनपद में 1435 प्राथमिक विद्यालय एवं 223 उच्च प्राथमिक ालय थें, परियोजना की अवधि में जनपद में 1 डायट, 15 विकास खण्डों में 15 बी.आर.सी 120 एन.पी.आर.सी., 186 उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं 264 प्राथमिक विद्यालयों की स्थापना की गई. जनपद रूद्रप्रयाग के सृजन के रान्त 2 एन.पी.आर.सी. 12 उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं 40 प्राथमिक विद्यालय जनपद रूद्रप्रयाग के सृजन में सम्मिलित हो गये हैं। वर्तमान में जनपद पौड़ी में 1 डायट 15 बी.आर. सी 118 एन.पी.आर.सी. 397 उच्च प्राथमिक ालय एवं 1659 प्रथमिक विद्यालय हैं।

तालिका–3.1

	प्राथमिक विद्यालय	उच्च प्रा. वि.	कक्षा–कक्ष	शौचालय	पेयजल सुविधा	अनौ. शिक्षा केन्द्र	नामुदायिक पुस्तकालय	महिला समाख्य	B.R.C	N.P.R C
बी.ई.पी. के पूर्व (वर्ष 1993–94 से पूर्व) जनपद की स्थिति	1435	223	---	---	---	5 विकास खण्ड	---	---	---	---
बी.ई.पी. के किये गये कार्यों का विवरण	264	186	---	1260	828	5 विकास खण्ड	90	3	15	120
रूद्रप्रयाग में गये संस्थसयें	40	12	10	40	10	---	---	---	---	2
20 वर्तमान में	1659	397	371	1220	816	15	90	3	15	118

इस बेसिक शिक्षा परियोजना की अवधि में ग्राम शिक्षा समितियों को सुदृिड किया गया। ग्राम शिक्षा समितियों की प्रोत्साहन योजना के तहत 13 ग्राम शिक्षा समितियों को उनके कार्यों के लिये प्रथम पुरस्कार, 12 ग्राम ा समितियों को द्वितीय पुरस्कार दिया गया, धारण क्षमता में वृद्धि के लिये 1608 विद्यालयों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें दी गयी।

बेसिक शिक्षा परियोजना अवधि में डायट द्वारा संचालित प्रशिक्षण:

,णवत्ता परक शिक्षा देने के लिये जनपद के सेवारत शिक्षकों को बेसिक शिक्षा परियोजना अवधि में विभिन्न विषयों के प्रशिक्षण दिये गए सेवारत शिक्षकों के प्रशिक्षण के साथ-साथ सन्दर्भ व्यक्तियों, ग्रामशिक्षा समितियों, ांगनवाडी कार्यकत्रियों को भी प्रशिक्षण दिया गया जिसकी तालिका निम्नवत है :-

तालिका-3.2

क.सं.	प्रशिक्षण का नाम	उद्देश्य
1.	अभिगम प्रशिक्षण	सक्रिय अधिगम, बहुश्रेणी शिक्षण, बालकेंद्रित शिक्षा गुणवत्ता सम्वर्धन हेतु
2.	सेवारत प्रशिक्षण	
	(1) दक्षता धारिता प्रशिक्षण	शिक्षण की दक्षताओं का विकास
	(2) भाषा दक्षता, अनुदेशक, पुनरबोधात्मक प्रशिक्षण	भाषा की दक्षताओं, विधाओं नवाचारों, सहा. सामग्री का विकास हेतु
	(3) प्रा. वि. गणित प्रशिक्षण	गणित की दक्षताओं तथा नवाचार विधाओं हेतु
	(4) उच्च प्रा. वि. गणित	गणित की दक्षताओं तथा नवाचार विधाओं हेतु
	(5) हाईस्कूल / इण्टरमीडिएट कालेजों में जूनियर कक्षाओं में गणित पढाने वाले अध्यापक	गणित की दक्षताओं तथा नवाचार विधाओं हेतु
	(6)प्रा. स्तर पर पर्यावरणीय/सा. मा. अ. प्रशिक्षण	पर्यावरण निर्मूल्य अथवा अल्प मुख्य शिक्षण सामग्री के माध्यम से विज्ञान तथा सामाजिक विषय पढाने की दक्षता का विकास
	(7) उच्च प्रा. वि. विज्ञान / पार्य. प्रशिक्षण	पर्यावरण निर्मूल्य अथवा अल्प मुख्य शिक्षण सामग्री के माध्यम से विज्ञान तथ सामाजिक विषय पढाने की दक्षता का विकास

3.	सेवा पूर्वागम प्रशिक्षण	नव नियुक्त अध्यापकों का विद्यालय अभिन्यास शिक्षण विधाओं तथा नामांकन धारण एवं गुणवत्ता की सम्प्राप्ति हेतु
4.	ग्राम शिक्षा समिति प्रशिक्षण	ग्राम शिक्षा समिति के कार्य सक्रियता, उन्मुखीकरण तथा अभिभावकों को शिक्षा के प्रति अभिप्रेरित करना
5.	शिशु शिक्षा केन्द्र (आंगनबाडी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं सुपरवाजारों का प्रशिक्षण तथा पुनर्बलात्मक प्रशिक्षण)	प्रभावी तथा नई शिक्षण विधायें, सहायक सामग्री निर्माण समस्याओं का निराकरण तथा स्वास्थ्य निरीक्षण प्रशिक्षण शैक्षिक तकनीकियों का बोध
6.	वैकल्पिक शिक्षाधरों, अनोपचारिक अनुदेशकों, वी. एस. समन्वयकों	प्रभावी तथा नई शिक्षण विधायें, सहायक सामग्री निर्माण, समस्याओं का निराकरण तथा स्वास्थ्य निरीक्षण प्रशिक्षण शैक्षिक तकनिकियों का बोध,
7.	बिजनिग कार्यशाला	खेल–खेल के माध्यम से शिक्षण कार्य को रुचिपूर्ण बनाना
8.	समर्थन माड्यूल प्रशिक्षण	संस्थागत सम्वर्धन हेतु
9.	कार्यनुभव प्रशिक्षण	कियात्मक कार्य, सहायक सामग्री निर्माण एवं कढाई बुनाई आदि की जानकारी
10.	शैक्षिक तकनीकी कार्यशाला	प्राथमिक / उ0प्रा. स्तर पर विज्ञान किट / गणि किट, विभिन्न विषयों की सहायक सामग्री का निर्माण तथा शिक्षण में प्रयोग

		सन्दर्भों का निर्माण तथा शिक्षण में प्रयोग
11.	शिक्षण एवं पर्यवेक्षण हेतु सम्प्रेक्षण कार्यशाला	विद्यालयों को शैक्षिक सपोर्ट एवं अनुश्रवण का सुदृढीकरण हेतु, ए. वी. एस. ए., एस. डी. आई. समन्वयक, सहसमन्वयकों से विशेष विमर्श
12.	जनप्रतिनिधियों शिक्षाविदों की सार्वभौमिकरण हेतु गोष्ठी– शैक्षिक मुल्यांकन, प्रबन्धन एवं नियोजन पर गोष्ठी	प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण सन्दर्भगत नामांकन हेतु विचार विमर्श एवं सहयोग हेतु विद्यालयों के प्रबन्धन नियोजन तथा शैक्षिक मुल्यांकन की जानकारी तथा मार्गदर्शक
13.	क्रियात्मक शोध	विद्यालय के शिक्षण में सुधार हेतु स्वयं अध्यापकों द्वारा समस्याओं का निराकरण
14.	नामांकन गोष्ठी	समन्वयक सहायक समन्वयक को सन्दर्भगत नामांकन की रूपरेखा, सम्भावित तथा क्रियान्वयन सम्बन्धित
15. से	आकर्षक विद्यालय, कार्यशाला	विद्यालय का सौन्दर्यीकरण तथा छात्रों का विद्यालय एक आकर्षक का केन्द्र बनें
16.	गढवाली भाषा, कार्यशाला	भौगोलिक परिस्थिति के अनुसार गढवाली अनुपूरक साहित्य का निर्माण किया गया,
17.		जिसका अनमोदन हेतु निदेशालय को प्रेषित है

स्त्रोत जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान चडीगांव पौडी गढवाल

आधरभूत मूल्यांकन अध्ययन :

बेसिक शिक्षा परियोजना के लक्ष्यों एवं उद्देश्यों की प्राप्ति के मूल्यांकन हेतु परियोजना के कियानवयन के पूर्व वर्ष 1994–95 में निम्न कारकों का मूल्यांकन प्रथम बेस लाइन सर्वे द्वारा किया गया।

1. नामांकन, प्रारंभक शिक्षा की पूर्णतया
2. संस्थागत क्षमता
3. गुणवत्ता में सुधार
4. पहुंच

जनपद के 15 विकास खण्डों में से 4 विकास खण्डों कोट, जयहरीखाल, दुगड्डा, यमकेश्वर एवं नगर क्षेत्र श्रीनगर का चयन यादृच्छया (रेण्डम) किया गया। पुनः उक्त विकास खण्डों में से 43 एवं नगर क्षेत्र में से प्राथमिक विघालयों का यादृच्छया चयन किया गया।

इन्हीं विकास खण्डों के उन्हीं विघालयों में मध्यावधि मूल्यांकन अध्ययन एवं अन्तिम मूल्यांकन अध्ययन किये गये। अन्तिम मूल्यांकन अध्ययन डायट द्वारा करवाया गया, इनमें निम्न उपकरणों का प्रयोग किया गया :-

1. कक्षा एक भाषा तथा गणित उपकरण
2. कक्षा चार भाषा उपकरण
3. कक्षा चार गणित उपकरण
4. कक्षा चार साक्षात्कार (एस.पी.)
5. अध्यापक साक्षात्कार (एस.टी.)
6. विघालय छोडनें वाले छात्रों का साक्षात्कार (एस.डी.)
7. विघालय रिकार्ड विवरण (एस.आर.)
8. फील्ड नोट (एफ.आई.द्वारा)

तालिका 3.3

आधारभूत मूल्यांकन अध्ययन (BAS) एवं आन्तरिक मूल्यांकन अध्ययन (FAS) की तुलना

कक्षा व विषय	BAS% बेस लाइन सर्वेक्षण			FAS अन्तिम मूल्यांकन अध्ययन			माध्य अन्तर	CR-Value
	संख्या N	स. माध्य%	मानक विचलन	संख्या N	स. माध्य %	मानक विचलन		
कक्षा 1 भाषा	421	65	31.25	353	80.95	15.54	15.95	9.20
कक्षा 1 गणित	421	प्राप्त नहीं	प्राप्त नहीं	353	79.31	14.72	----	----
कक्षा 4 भाषा	349	45.86	16.31	338	77.70	11.04	31.84	30.05
कक्षा 1 गणित	349	33.50	13.25	338	77.99	10.99	43.59	46.99

तालिका 3.4

लिंगानुसार सम्प्राप्ति की तुलना

कक्षा व विषय	सर्वे	बालक			बालिका			मध्य अन्तर	CR-Value
		संख्या N	स. मध्य%	मानक विचलन SD	संख्या N	स. माध्य%	मानक विचलन SD		
कक्षा 1 भाषा	BAS	226	66.10	30.10	135	63.70	32.55	2.40	0.78
	FAS	164	80.80	15.40	139	81.10	15.70	.30	0.18
कक्षा 1 गणित	BAS	प्राप्त नहीं	प्राप्त नहीं	प्राप्त नहीं	प्राप्त नहीं	प्राप्त नहीं	प्राप्त नहीं	----	-----
	FAS	164	80.00	15.10	139	79.60	14.40	0.4	0.25
कक्षा 4 भाषा	BAS	186	49.35	16.03	133	41.86	15.94	7.49	1.53
	FAS	152	78	11	136	77.4	11.1	0.60	0.07
कक्षा 1 गणित	BAS	186	35.07	13.32	133	31.75	13.05	3.32	0.93
	FAS	152	77.2	9.8	136	77	11.9	0.20	0.02

अध्याय 4

सर्व शिक्षा अभियान के उद्देश्य एवं लक्ष्य

राष्ट्रीय स्तर पर सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत समुदाय आधारित शिक्षा को मिशन के रूप में प्रदान करने का प्रयास है। इसके अन्तर्गत निम्ननिखित रूप में प्रदान करने का प्रयास है। इसके अन्तर्गत निम्नलिखित लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं –

1. सभी बच्चों का 2003 तक स्कूल शिक्षा गारन्टी केन्द्र, वैकल्पिक स्कूल, बैक टू स्कूल में प्रवेश हो।
2. सभी बच्चे 2007 तक पांच वर्ष की प्राथमिक शिक्षा पूर्ण करें।
3. सभी बच्चे 2010 तक आठ वर्ष की प्रारम्भिक शिक्षा पूर्ण करें।
4. सनतोषजनक शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित हो जिसमें जीवन के लिए शिक्षा पर बल हो।
5. स्त्री– पुरूष सभी अन्तर तथा सामाजिक ऊँच–नीच के भेदभाव को वर्ष 2007 तक प्राथमिक स्तर तथा 2010 तक प्रारम्भिक स्तर पर दूर करना।
3. सभी बच्चों को 2010 तक स्कूलों में अनिवार्य रूप से बनाये रखना।

सर्व शिक्षा अभियान की राष्ट्रीय स्तर पर जो लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं उनके अनुसार जनपद पौडी की वर्ष 2002–2003 के अन्त तक 6–11 वय वर्ग के शतप्रतिशत छात्रों का प्राथमिक स्तर पर नामांकन करने का लक्ष्य है। 2003 के अन्त तक प्राथमिक स्तर पर सकल नामांकन अनुपात 110 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है क्योंकि प्राथमिक स्तर में न्यून आयु और अधिक आयु के बच्चों को प्रवेश की सम्भावना बनी रहती है।

उच्च प्राथमिक स्तर पर वर्ष 2007 तक शत प्रतिशत नामांकन का लक्ष्य रखा गया है।

सर्व शिक्षा अभियान पाठ्यचर्या में सुधार करने तथा बालकेन्द्रित कार्यकलापों और प्रभावी शिक्षण पद्धतियों को अपनाकर प्रारम्भिक स्तर तक शिक्षा की उपयोगी औरी प्रासंगिक बनाने पर विशेष बल देता है इस अभियान में लक्ष्य को पूरा करने के लिए ब्लॉक संसाधन केन्द्र, न्याय पंचायत संसाधन केन्द्रों की स्थापना उनका सुदृढीकरण करना सुनिश्चित किया जायेगा। विघालयों के स्तर में वृद्धि, रख रखाव, मरम्मत तथा अध्ययन– अध्यापन

उपस्करों तथा स्थानीय समुदाय की सहभागिता सम्बन्धी सभी बातें अपनायी जायेंगी गुणवत्तापरक शिक्षा के लिए उपयोगी पाठ्यक्रम विकास नवीन तकनीक आधारित शिक्षक प्रशिक्षण तथा अनुश्रवण कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

ठहराव में वृद्धि हेतु विद्यालयों को आकर्षक बनाया जायेगा। विद्यालयों में उचित वातावरण सृजन के लिए ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों अभिभावकों तथा स्थानीय समुदाय के जागरूक सदस्यों के सहयोग से विद्यालय व गरीब बच्चो के लिए गणवेश की व्यवस्था की जायेगी जिससे बच्चे आकर्षक लगें और अन्य बच्चे भी उन्हें देखकर विद्यालय जाने के लिए प्रेरित हो सकें।

वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र (A.I.E.) जो बच्चे अपने घरेलू कार्यों से जुड़े होने के कारण किसी प्राकृतिक बाधा के विद्यालय नहीं जा पाते उनकी शिक्षा के लिए वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र(A.I.E.) की व्यवस्था की जायेगी।

शेष वर्ग की शिक्षा :– (समेकित शिक्षा)

शिक्षा के सार्वभौमिकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विद्यालयों में लाना आवश्यक है। विशेष वर्ग के बच्चों को जो विभिन्न विकलांगता से ग्रसित है, ऐसे बच्चों को विकलांगता के आधार पर श्रेणीबद्ध किया जायेगा यथा श्रवण एवं वाणी विकलांगता, अस्थिविकार विकलांगता, दृष्टि विकलांगता अधिगम मन्दता आदि। इन बच्चों के लिये समेकित अथवा व्यक्तिगत शिक्षा की व्यवस्था की जायेगी तथा मेडिकल एसेसमेन्ट कराने के बाद बच्चों को उपस्कर यथा चश्मा, श्रवण यंत्र, वैसाखी आदि दिये जायेंगे।

लिका शिक्षा :

राष्ट्र का विकास महिला साक्षरता पर बहुत निर्भर करता है। अतः बालिका शिक्षा एक महत्वपूर्ण लक्ष्य है। सर्वशिक्षा अभियान के अर्न्तगत सभी वर्गों की बालिकाओं के नामांकन शत प्रतिशत कराया जाना है। बालिका शिक्षा को बढावा देने के लिए सर्व शिक्षा अभियान के अर्न्तगत निम्न योजना प्रस्तावित है।

प्रत्येक विद्यालय में बालिकाओं के ठहराव हेतु शौचालय एवं पेयजल की व्यवस्था की जायेगी।

प्रत्येक प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय में कम से कम 50 प्रतिशत महिला शिक्षिकाओं की व्यवस्था का प्रयास किया जायेगा।

माता शिक्षक संघ तथा महिला प्रेरक समूहों का गठन किया जायेगा।

बालिका शिक्षा की देखरेख के लिये जनपद में एक समन्वयक की नियुक्ति नियमानुसार की जायेगी।

बालिकाओं को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें वितरित की जायेंगी।

ऐसी बालिकायें जो किन्ही कारणों से विद्यालयों में नहीं जाती हैं उनके लिये वैकल्पिक शिक्षा केन्द्रों की (A.I.E.) व्यवस्था की जायेगी।

ग्राम शिक्षा समितियों को बालिकाओं को विद्यालय भेजने के लिये प्रोत्साहित किया जायेगा।

अध्याय 5

नियोजन प्रकिया

सर्व शिक्षा अभियान के तहत विद्यालय न जाने वाले बच्चों को 2003 तक विद्यालय में पहुचाना है। उसके उपरान्त उनका विद्यालय में ठहराव और ड्राप-आउट को शून्य करना तथा गुणवत्तापरक शिक्षा की व्यवस्था ना मुख्य उद्देश्य है। इस योजना को पूर्ण रूपेण लागू करने हेतु ग्राम स्तर पर विकासखण्ड स्तर पर नियोजन कर जिला स्तरीय योजना तैयार की गई है।

इको प्लानिंग : जनपद पौड़ी के दिसम्बर 2000 तक बी0 आई0 पी0 के कार्यक्रम संचालित होने के कारण इस जनपद में माइक्रोप्लानिंग की व्यवस्था पूर्व से ही कम्प्यूटरीकृत होती आयी है। इसी के आधार पर जो बच्चे धारा से नहीं जुड पाये हैं उनके लिये निम्न योजनायें प्रस्तावित की जा रही हैं। सर्वेक्षण के आधार पर जनपद में यह पाया गया कि 18 बच्चे 1.5 कि0 मी0 दूर से विद्यालय आते हैं किन्तु ये बस्तियों विद्यालय खोलने मानक में न आने के कारण इनके लिये भी निम्न योजना प्रस्तावित की जा रही है।

ई0 जी0 एस0

वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र

जनपद विद्यालय में लाने हेतु ग्राम स्तर से जनपद स्तर तक विभिन्न क्रिया कलापों का संचालन किया गया।

ल चलो अभियान : जनपद में 1 जुलाई 2001 से 15 जुलाई 2001 तक घर-घर जाकर अध्यापकों द्वारा अभिभावकों से सम्पर्क कर 6-11 वय वर्ग के बच्चों को स्कूल में लाने का प्रयास किया गया जिसके तहत बाल ना कर प्रत्येक विद्यालय में बाल गणना पंजिकायें तैयार की गयी तथा ग्राम पंचायत और ब्लाक स्तर पर गोष्ठियां कर बच्चों के माध्यम से जन जागरण रैली निकाली गयी तथा अभिभावकों में बच्चों को विद्यालय भेजने चेतना जागृत की गयी। सर्व शिक्षा अभियान के तहत जनपद स्तर पर बी0 एस0 ए0, ए0 बी0 एस0 ए0, डायट में कार्यरत वरिष्ठ प्रवक्ता, प्रवक्ता की एक कोर टीम गठित की गयी। जिनके द्वारा निम्नांकित स्तरों पर ों का आयोजन किया गया। उनके द्वारा विचार विमर्श से जो बिन्दु उभर आये उनका विवरण निम्न भारणी में दिया जा रहा है।

दिनांक	सीन	प्रतिभागी विवरण	विचार विमर्श के बिन्दु
5.7.2001 – 7.7.20001	राज्य संसाधन केन्द्र, देहरादून	डायट प्राचार्य, बी0 एस0 ए0, वरिष्ठ प्रवक्ता, ए0 बी0 एस0 ए0	क) बच्चों का स्कूल में नामांकन ख) गुणवत्तापरक शिक्षा ग) आकर्षक विद्यालय
1 8.2001	डायट, चड़ीगांव पौड़ी	डायट प्राचार्य, वरिष्ठ प्रवक्ता, प्रवक्ता, जि0 बे0 शि0 अ0, स0 बे0 शि0 अ0	क) प्रस्पैक्टिव प्लान के अर्न्तगत घर-घर सर्वेक्षण कार्य ख) अध्यापकों की नियमित उपस्थिति पर विचार-विमर्श
2.8.2001	जि0 बे0 शि0 अ0 कार्यालय, पौड़ी	स0बे0शि0अ0 / एस0डी0आई0	क) ग्राम शिक्षा समितियों को सक्रिय कराने हेतु ख) बच्चों का नामांकन कराने के लिये
9.8.2001	बे0 शि0 अ0 कार्यालय, पौड़ी	जनपदीय कोर ग्रुप के समस्त सदस्य	क) प्रस्पेक्टिव प्लान के तहत स्कूल न जाने वाले बच्चों के सम्बन्ध में विचार विमर्श तथा निर्धन बच्चों के सम्बन्ध में विचार विमर्श ख) बालिकाओं के लिये विशेष व्यवसायिक कार्यक्रम पर विचार विमर्श तथा सिलाई, कढाई ग) कक्षा 6 से कृषि शिक्षा पर विशेष बल।
10.8.2001	एन0पी0 आर0 सी0 स्तर	एन0पी0आर0सी0 स्तर के शिक्षक तथा ग्राम पंचायत प्रधान	टनुसूचित जाति, जनजाति के बच्चों तथा बालिकाओं को विद्यालय में लाने के लिये विचार विमर्श
6.9.2001	बी0 आर0 सी0 स्तर	एन0पी0आर0सी0 समन्वयक	ध्वस्त हुए शौचालय समस्त योग्य भवनों की जानकारी के लिए
11.9.2001-15.9.2001	एन0 सी0 डी0 ए0 आर0 टी0, मसूरी	बे0शि0अ0, स0बे0शि0अ0, डायट के वरिष्ठ प्रवक्ता, प्रवक्ता, जिला कार्यक्रम अधिकारी (7)	क) प्रस्पेक्टिव प्लान तैयार करने हेतु प्रशिक्षण।
9.4.2002	रा0प0का0 देहरादून	बे0शि0अ0,डायट प्र0	वार्षिक कार्य योजना एवं बजट निर्माण कार्यशाला
25.5.2002	डायट चडीगांव पौड़ी	बे0शि0अ0,स0बे0शि0अ0,डायट प्र0	सर्वेक्षण सम्बन्धी ब्रीफिंग
16.8.2002	रा0प0का0 देहरादून	डायट प्र0,बे0शि0अ0	पर्सपेक्टिव प्लान तैयार करने हेतु कार्यशाला
3.10.2002 – 6.10.2002	रा0प0का0 देहरादून	डायट प्र0,,बे0शि0अ0स0बे0शि0अ0 कम्प्यूटर सहायक,	पर्सपेक्टिव प्लान निर्माण कार्यशाला
17.10.2002-18.10.02	का0बे0शि0अ0पौड़ी	डायट प्र0,स0बे0शि0अ0,समन्वयक,कम्प्यूटर सहायक,सह0समन्वयक	प्लान निर्माण हेतु कार्यशाला

D.P.O.PAURI(GARHWAL)

उपर्युक्त गोष्ठियों, कार्यशालाओं के सम्पादन के बाद निम्नलिखित कार्यों को सम्पादित किया जायेगा। जिससे छात्र नामांकन के साथ-साथ गुणात्मक शिक्षा के लिए प्रयास किया जायेगा।

1 ग्राम शिक्षा समितियों का प्रशिक्षण।
2 माइक्रोप्लानिंग।
3 विद्यालय भवनों की स्थिति की जानकारी।
4 विद्यालय के शैक्षिक उन्नयन में समुदाय की सहभागिता।
5 बालिका शिक्षा प्रोत्साहन योजना।
6 असेवित बस्तियों में ई0जी0 एस0 तथा वैकल्पिक शिक्षा केन्द्रों की पहचान।
7 विद्यालयों में अध्यापक-अभिभावक संघ का गठन।

D.P.O.PAURI(GARHWAL)

अध्याय 6

क्रियान्वयन की कठिनाइयाँ एवं उनके निराकरण

प्राथमिक शिक्षा को सर्वशुलभ बनाने के लिए सर्व शिक्षा अभियान एक क्रान्तिकारी कदम है। इस लक्ष्य को पाने के लिए भले ही अनेक कठिनाइयाँ आ सकती हैं किन्तु समुदाय का सहयोग लेकर तथा कारगर रणनीति बनाकर आने वाली कठिनाइयों का निराकरण किया जा सकता है। सर्व शिक्षा अभियान से जुड़े यदि दृढ़ इच्छाशक्ति से कार्य करें तो निश्चित ही लक्ष्यों को हासिल किया जा सकता है।

पहुँच

कठिनाइया

1. जनपद में 222 अनावेत बस्तियां हैं जहाँ वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र खोलने की आवश्यकता है।
2. जनपद में 2 उ0प्रा0वि0 भवनहीन हैं और 8 प्राथमिक भवनहीन हैं।
3. जनपद में 377 प्राथमिक विद्यालय एवं 32 उच्च प्राथमिक विद्यालय ध्वस्त हैं।
4. निरक्षरता के कारण ग्रामीण क्षेत्र में महिलाएं शिक्षा की जरूरत की जानकारी नहीं रखती। फलतः व अपने बच्चों को विद्यालय में नहीं भेजती हैं।
5. जनपद में 97 प्राथमिक विद्यालय ऐसे हैं जिनके पास कक्षा–कक्षों की कमी है।
6. अधिकांश विद्यालयों में चारदीवारी नहीं है। जिससे मवेशी आकर विद्यालय की सुन्दरता का नुकसान करते हैं।
7. गरीबी के कारण कतिपय अभिभावक अपने बच्चों को घरेलू कार्य यथा खेती, जानवर चुगाना आदि में लगा देते हैं।
8. कुछ विद्यालयों में शौचालयों की कमी है।
9. बहुत से विद्यालयों में पेयजल उपलब्ध नहीं है।

निराकरण

1. सर्व शिक्षा अभियान के अर्न्तगत असेवित बस्तियों के बक्खें के लिए प्राथमिक स्तर के वैकल्पिक / ई0जी0सी0 खोले जाने हैं।
2. परियोजना में जर्जर व जीर्णशीर्ण विद्यालय भवनों के स्थान पर 310 नवीन विद्यालय भवन, 1448 विद्यालय भवन भवनों की हल्की मरम्मत, मरम्मत की जायेगी।
3. शौचालय विहीन विद्यालयों में शौचालय की व्यवस्था की जायेगी।
4. सर्व शिक्षा अभियान के वर्ष 2002 से 2007 में एक कक्षीय विद्यालय में एक और कक्षा-कक्ष बनाया जायेगा।
5. जनपद में स्कूल चलो अभियान चलाकर समुदाय की सहभागिता से विद्यालय न आने वाले बच्चों का नामांकन कराया जायेगा।
6. गरीबी के कारण जो बच्चे विद्यालय नीं आ पाते उन्हें निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध करायी जायेंगी।
7. जनपद में उत्तर साक्षरता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम को सुदृढकर साक्षरता बढ़ायी जायेगी।

नामांकन

कठिनाइयॉ

1. कुछ ग्रामीण बस्तियों में जिनमें आबादी बहुत कम है मूल गांव से दूर होती है इनके बच्चे पशुपालक, कृषि आदि कार्यों में संलग्न रहते हैं विद्यालयों में पढ़ने नहीं आते।
2. कुछ बच्चे जिनकी आयु कुछ अधिक हो जती है वे विद्यालय में छोटी कक्षा में नामांकित होने में हिचकिचाते हैं।
3. कई अभिभावक अपने बच्चों को घरेलू कार्य करवाते हैं और बच्चों को विद्यालय नहीं भेजते।
4. पिछड़े और दूरस्थ क्षेत्रों में बालिकाओं को विद्यालय में भेजने के प्रति अभिभावक जागरूक नहीं होते।
5. आर्थिक कठिनाइयों के कारण बच्चे विद्यालय नहीं भेजे जाते।
6. अनुसूचित जाति के बच्चों का नामांकन कम होता है।
7. शारीरिक एवं मानसिक रूप से अक्षम बच्चों को विद्यालय में कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए वे विद्यालय में नामांकित नहीं होते।

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

निराकरण

1. गॉव से दूर बिखरी हुयी छोटी बस्तियों के लिये उन्हीं परिवारों / समुदाय में से पढे लिखे युवक अथवा महिला को पारश्रमिक देकर बच्चों को पढने की सुविधा दी जायेगी
2. 10से 20 बच्चों वाली बस्ती के लिये ई0जी0एस0 या वैकल्पिक शिक्षा घर खोला जायेगा।
3. क) घर–घर सर्वेक्षण कर विद्यालय का नजरी नक्शा तेयार किया गया है।

   ख) जिन घरों के बच्चे विद्यालय आते हैं, नहीं आते हैं, विद्यालय छोड़ देते हैं उन घरों को विभिन्न रंगो से चिन्हाकित किया जायेगा।

   ग) समुदाय की सहायता से विद्यालय न जाने वाले बच्चों का नामांकन करवाया जायेगा।
4. ग्राम शिक्षा समिति के सहयोग से गरीब बच्चों को आर्थिक सहायता देने का प्रयास किया जायेगा।
5. ग्राम शिक्षा समितियों को सकिय किया जायेगा जिससे गांव में शैक्षिणिक वातावरण सृजन किया जा सके।

धारण

कठिनाइयॉ

1. विद्यालय वाह्य एवं आन्तरिक रूप से आकर्षक नहीं है।
2. विद्यालयों में शिक्षण रूचिपूर्ण नहीं है।
3. विद्यालयों में शौचालय, पेयजल, क्रीडास्थलों की कमी है।
4. अभिभावक बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने में रूचि नहीं रखते।
5. शिक्षक विद्यालयों में प्राप्त प्रशिक्षणों का उपयोग शिक्षण कार्य में नहीं करते हैं।
6. शिक्षण बाल केन्द्रित नहीं होता है।

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

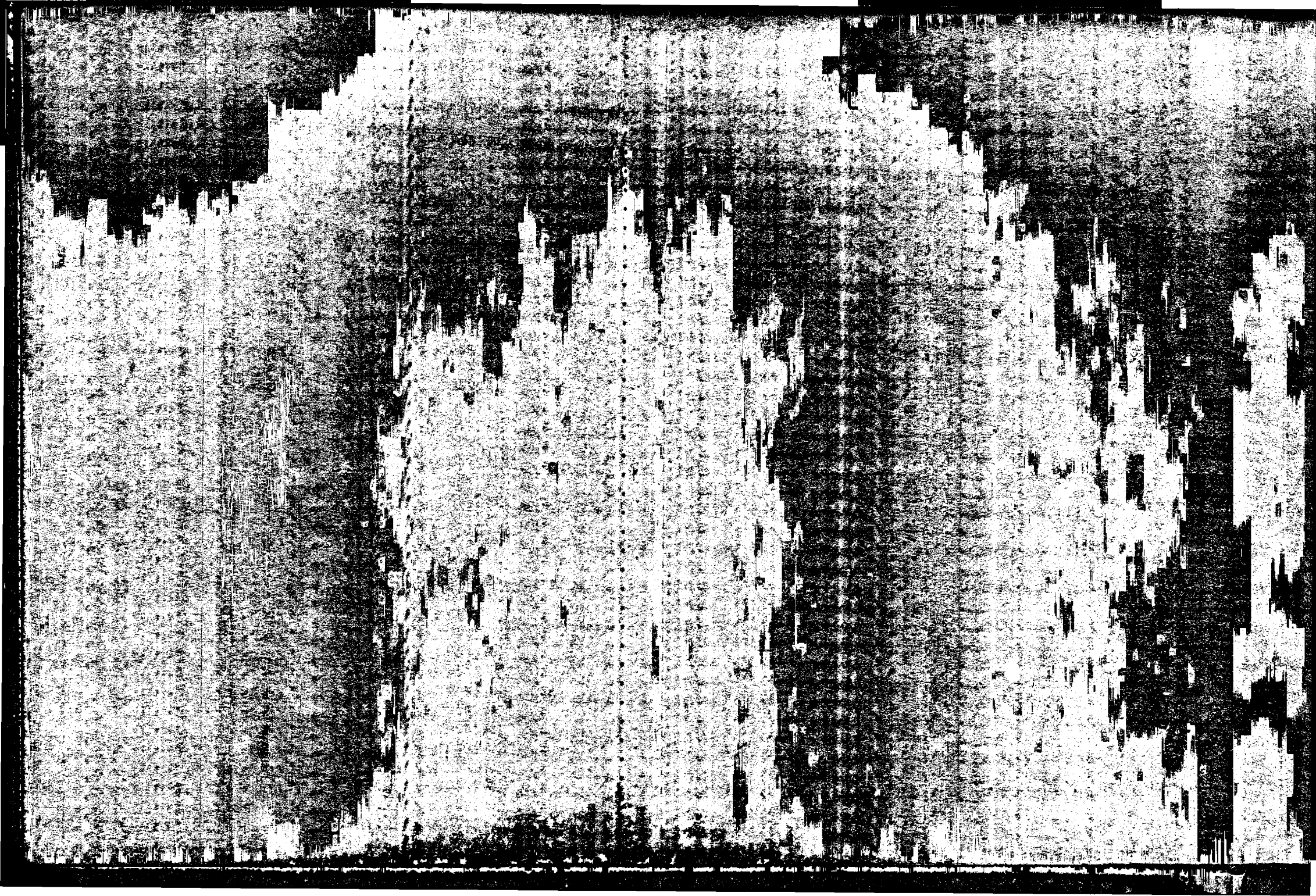

निराकरण

1. विद्यालयों को भौतिक रुप से आकर्षक बनाने के लिए प्रतिवर्ष रु 2000 दिया जायेगा ।
2. शिक्षकों को रुचिपूण शिक्षण हेतु प्रशिक्षण दिया जायेगा ।
3. विद्यालयों में शौचालय पेयजल तथा क्रीड़ा स्थल की व्यवस्था की जायगी।
4. विद्यालयों का निरीक्षण/अनुश्रवण नेयमित रुप से किया जायेगा।
5. सर्व शिक्षा अभियान के प्रथम वर्ष में कुछ शिक्षकों को स्वंय सेवा संस्थाओं द्वारा चलाया जा रहे नवाचार शिक्षण कार्य करने वाले विद्यालयों का भ्रमण कराया जायेगा।
6. विद्यालयों में छात्रो को लिखने के लिए कक्षा–कक्षों में लेखन बही बनवायी जायेगी।
7. विद्यालयो का आकर्षण बनाने एवं बनाये रखने हेतु चारदिवारी का निर्माण कराया जायेगा ।
8. ग्राम शिक्षा समितियों के सदस्यों को प्रशिक्षण दिया जायेगा ।

गुणवत्ता सम्बर्द्धन

कठिनाइयॉ

1. सर्व शिक्षा अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा देना है। किन्तु समुदाय, शिक्षकों, प्रशिक्षकों को बहुआयामी प्रशिक्षण की व्यवस्था नहीं है।
2. छात्र–छात्राओं का न्यूनतम अधिगम स्तर अपेक्षित नहीं है।
3. ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों को दायित्वों की जानकारी नहीं होती है।
4. शिक्षक के लम्बे अवकाश पर जाने पर वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होती है।
5. दूर–दराज के विद्यालयों में शिक्षकों की कमी है।
6. ग्राम शिक्षा समिति तथा समुदाय विद्यालय को शैक्षिक उन्नयन में सकिय सहयोग नहीं देते हैं।
7. स्थानीय आधारित एवं बाल केन्द्रित रूचिकर पाठ्यक्रम का अभाव है।
8. विशिष्ठ समूह के बच्चों के लिए शिक्षण एवं प्रशिक्षण सामग्री का अभाव है।
9. शिक्षण अधिगम सामग्री का उपयोग नहीं किया जाता है।

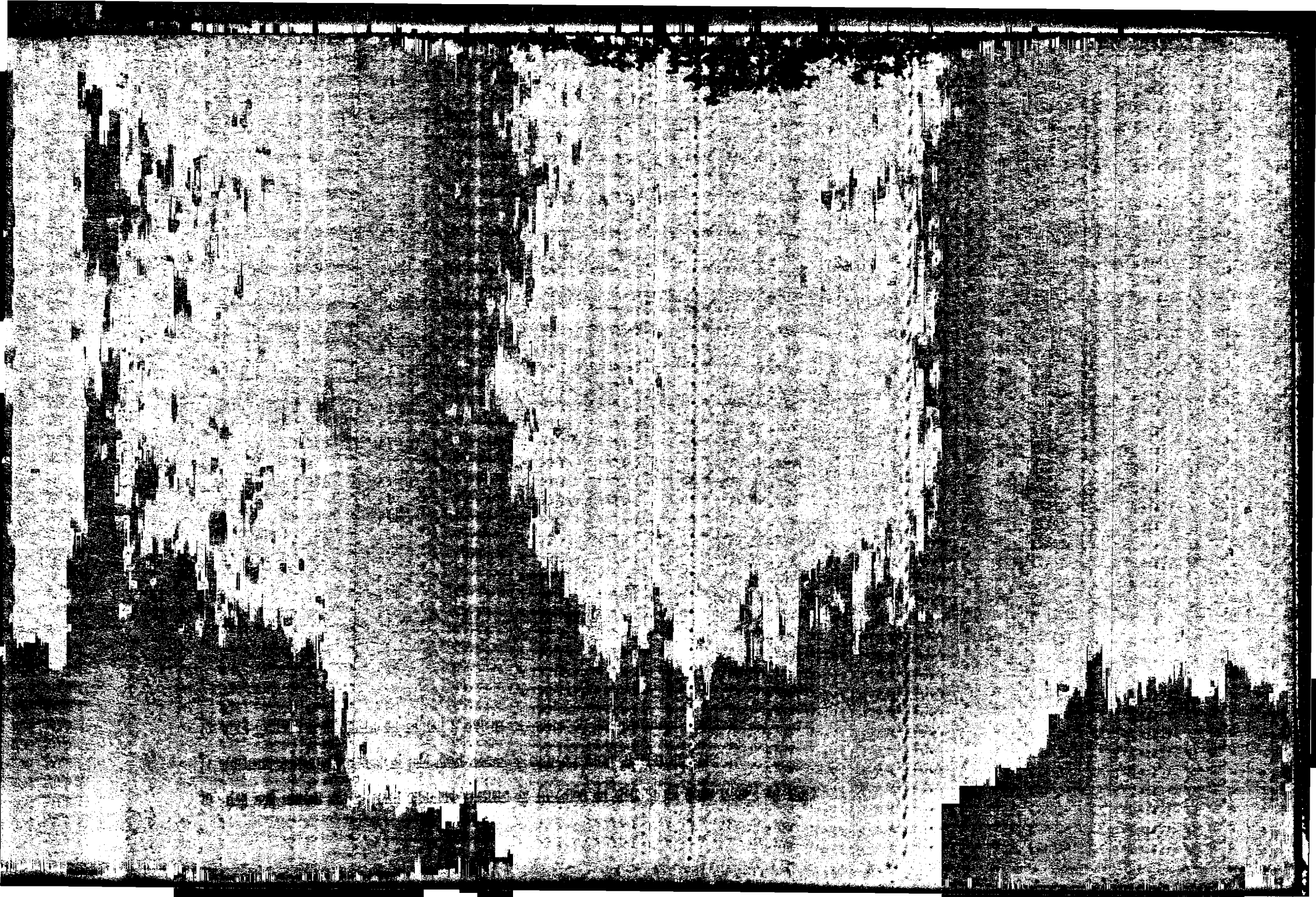

(ख) सेवारत प्रशिक्षण

कठिनाइयाँ	निराकरण
1. शिक्षकों का नवीन शिक्षण प्राविधियों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण।	1. शिक्षकों के दृष्टिकोण बदलने के लिए विजनिंग कार्यशालाओं का आयोजन।
2. शिक्षकों की नवीन शिक्षण तकनीकियों की जानकारी की कमी।	2. प्रा0 वि0 के शिक्षकों का विभिन्न बिषयों का नवीन तकनीकी आधारित प्रशिक्षण।
3. शिक्षकों में बिषयवस्तु की जानकारी की कमी।	3. बिषयवस्तु की जानकारी सम्बन्धी प्रशिक्षण।
	4. नव नियुक्त शिक्षकों का 30 दिन का अभिमुखीकरण प्रशिक्षण।
	5. उच्च प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों का विभिन्न बिषयों में नवीन तकनीकी आधारित प्रशिक्षण।

(ग) ग्राम शिक्षा समिति एवं सामुदायिक सहभागिता :

कठिनाइयॉ

1. ग्राम शिक्षा समितियों के सदस्य सक्रिय नहीं है।
2. ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों, अध्यापकों तथा पर्यवेक्षक, अधिकारियों के रचनात्मक सम्बन्ध नहीं रहते।
3. दूरस्थ क्षेत्रों की जनता प्राथमिक शिक्षा की उपयोगिता नहीं समझती।
4. समुदाय विद्यालय के प्रबन्धन में रूचि नहीं रखता।

निराकरण

1. ग्राम शिक्षा समितियों के सदस्यों को सक्रिय बनाने के लिए प्रशिक्षण।
2. ग्राम शिक्षा समिति की मासिक बैठकों का आयोजन।
3. अध्यापक अभिभावक संघ का गठन।
4. जनजागरण अभियान।
5. शिक्षकों अभिभावकों एवं ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों के मध्य समन्वय सीापित किया जायेगा।
6. निरीक्षण / अनुश्रवण पर जाने वाले अधिकारी समुदाय तथा ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों से सम्पर्क करेंगे।

(घ) नवाचार :

कठिनाइयाँ

1. शारीरिक रूप से अक्षम बच्चों का नामांकन नहीं हुआ तथा उनकी धारणा क्षमता में कठिनाई।
2. 11–14 वय वर्ग वाली अनुसूचित जाति तथा जनजाति की बालिकाओं में धारणा क्षमता में कमी।

निराकरण

1. जनपद स्तर पर शारीरिक रूप से अक्षम बच्चों के लिए आवश्यकतानुसार सामग्री जैसे श्रवण यन्त्र उपलब्ध कराना।
2. जनपद के प्रत्येक विकास खण्डों में बालिकाओं की शिक्षण धारण क्षमता के विकास व प्रोत्साहन हेतु दो जू0हा0स्कूलों में कम्प्यूटर शिक्षा की व्यवस्था की जायेगी।

(ड) बी0आर0सी0, एन0पी0आर0सी0 समन्वयकों, संदर्भदाताओं का प्रशिक्षण:

कठिनाइयाँ

1. बी.आर.सी. एन.पी.आर.सी. समन्वयकों तथा संदर्भदाताओं के लिए उचित साहित्य का न होना।
2. समन्वयकों तथा संदर्भदाताओं का विभिन्न विषयों में तकनीकी प्रशिक्षण का अभाव।
3. बी.आर.सी., एन.पी.आर.सी. समन्वयकों का अनुश्रण के लिए 8 किमी. से बाहर न जाने पर यात्रा भत्ता न दिए जाने की कठिनाई।

निराकरण

1. बी.आर.सी., एन.पी.आर.सी. समन्वयकों तथा संदर्भदाताओं के प्रशिक्षण के लिए उचित साहित्य की व्यवस्था की जायेगी।
2. विभिन्न विषयों के नवीन शिक्षण विध्यालयों की जानकारी के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था की जायेगी।
3. बी.आर.सी., एन.पी.आर.सी. समन्वयकों को शैक्षिक सपोर्ट तथा अनुश्रण करने सम्बधी प्रशिक्षण की व्यवस्था की जायेगी।
4. बी.आर.सी., एन.पी.आर.सी. समन्वयकों को 8 किमी. से बाहर जाने पर यात्रा भत्ता की व्यवस्था की जायेगी।

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

(य) ए.बी.एस.ए./एस.डी.आई. प्रशिक्षण :

कठिनाइयाँ

1. ए.बी.एस.ए./एस.डी.आई. को शैक्षिणिक सम्बधी प्रशिक्षण न दिए जाने से विध्यालयों का सही पर्यवेक्षण न करने सम्बधी कठिनाई।
2. शिक्षण की नई विध्यालयों की जानकारी प्रशिक्षण के अभाव में न होना।

निराकरण

1. ए.बी.एस.ए./एस.डी.आई. के विध्यालयों का पर्यवेक्षण सम्बधी प्रशिक्षण की व्यवस्था की जायेगी।
2. शिक्षण की नई विध्यालयों की जानकारी के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था की जायेगी जिससे ए.बी.एस.ए./एस.डी.आई. विध्यालयों का शैक्षिक सपोर्ट दे सकें ।

(र) प्रधान अध्यापकों का प्रशिक्षण :

कठिनाइयाँ

1. प्रा.वि. तथा उ. प्रा. वि. प्रधान अध्यापकों
2. प्रा.वि. तथा उ. प्रा. के प्रधान अध्यापकों में नेतृत्व क्षमता की कमी।

निराकरण

1. प्रा. वि. तथा उच्च प्रा. वि. के प्रधानाध्यापकों को नियोजन एवं प्रबन्धन सम्बन्धी प्रशिक्षण दिया जायेगा।
2. प्रधानाध्यापकों को नेतृत्व क्षमता सम्वर्द्धन सम्बधी प्रशिक्षण दिया जायेगा।

(ल) शिक्षा मित्रों का प्रशिक्षण :

कठिनाइयाँ

1. शिक्षा मित्रों को शिक्षण सम्बधी तकनीक की जानकारी का अभाव।
2. विषयवस्तु की जानकारी की कमी।

निराकरण

1. शिक्षा मित्रों के शिक्षण का नवीन विधाओं का प्रशिक्षण दिया जायेगा।
2. शिक्षा मित्रों को विषयवस्तु सम्बधी जानकारी बढ़ाने के प्रशिक्षण की व्यवस्था।

(ब) आंगनबाड़ी प्रशिक्षण :

कठिनाइयाँ

1. आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को शैक्षणिक अनुभव न्यून होना।
2. कार्यकत्रियों को कार्यानुभव की जानकारी की कमी।

निराकरण

1. आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को शैक्षिणिक अनुभव की जानकारी बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण।
2. कार्यानुभव की जानकारी सम्बधी प्रशिक्षण की व्यवस्था।

(ट) शिक्षण अधिगम सामग्री की व्यवस्था एवं प्रशिक्षण :

कठिनाइयाँ

1. शिक्षण अधिगम सामग्री की कमी।
2. शिक्षण अधिगम सामग्री का अभाव।

निराकरण

1. शिक्षण अधिगम सामग्री के लिए प्रत्येक शिक्षक को रू. 500 दिया जायेगा।
2. स्थानीय स्तर पर उपलब्ध अधिगम सामग्री का विकास और प्रयोग सम्बधी प्रशिक्षण शिक्षकों को दिया जायेगा।

(ठ) शिक्षकों की कमी :

कठिनाइयाँ

1. जनपद में कई विद्यालय एकल चल रहें हैं जिससे बच्चों का पठन-पाठन कार्य प्रभावित हो रहा है।
2. दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षकों का ठहराव कम रहता है।

निराकरण

1. नय शिक्षकों की भर्ती कर शिक्षकों की कमी को पूरा किया जायेगा।
2. शिक्षा मित्रों की व्यवस्था की जायेगी।

अध्याय–7

कियान्वन एवं अनुश्रवण

सर्व शिक्षा अभियान की परियोजना वर्तमान व्यावस्था की सम्पूरक व्यवस्था के रूप में संचालित की जायेगी । इसकी अवधि वर्ष 2002 से 2010 तक की होगी । इस अवधि में 6–14 आयु के सभी बालक /बालिकाओं का गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान की जायेगी तथा सभी कार्यक्रम एवं उनका प्रबंधन उत्तरांचल सभी के लिए शिक्षा परिषद द्वारा किया जायगा । इस अवधि में पर्याप्त क्षमता एवं प्रबंधन कौशल विकसित कर लियें जाने का प्रस्ताव है ।

प्रबंधन टीम भावना पर आधारित होगा और इसमें व्यक्तिगत पहल के लिये पर्याप्त अवसर उपलब्ध होगें । प्रबंधन लोकतांत्रिक होगा और इससे यह उपेक्षा होगी कि यह अधिकतम जन सहभागिता सुनश्चित करें । समय –समय समीक्षा और रणनीतियों के परिवर्तन के लिये इसे तत्पर रहना होगा और यह पहरवर्तन भी सहभागिमा पर आधारित होगें । इससे हनचले स्तर पर जवाबदेी दिन –प्रतिदिन कार्यकमों का अनुश्रवण किया जायेगा । अघ्यापकों व छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित की जायेगी ।

प्रबंध तन्त्र : संवेदशील और लचीली प्रणाली :–

सर्व शिक्षा अभियान की समस्त प्रकियाओं में सामुदयिक सहभागिता प्राप्त करते हुये विकेन्द्रित शैक्षिक प्रबंधन प्रणाली स्थापित कर प्रारम्भिक शिक्षा के सार्वजनिकरण के लक्ष्य का प्राप्त किया जाना है । इस व्यापक कार्य के सम्पादन के लिये प्रशासनिक कार्यो के निष्पादन में उच्च कोटि का लचीलापन लाने ज्वाबदेी सुनिश्चित करने की प्रकिया स्थापित करने वित्तीय निवेशी को अवाध प्रवी प्रदान करने और नवचारात्मक विधियें के साथ प्रयोग की सुविधा निर्मित करने के साथ सर्व शिक्षा अभियान ने एक प्रबंध तन्त्र तैयार किया है जो निम्नवार दर्शाया जा सकता है –

निर्णयकर्ता समितियां	सर्व शिक्षा अभियान की प्रबंधन पंक्ति	सहायक अकादमिक संस्थायें
साधारण सभा और कार्य कारणी समिति यू0पी0ई0एफ0ए0पी0वी0	राज्य परियोजना कार्यालय	एस0सी0ई0आर0टी0 एस0 आई0ई0, सीमैट एस0आई0ई0टी0 एन0जी0ओ0 आदि
जिला शिक्षा परियोजना समिति	जिला परियोजना कार्यालय	डायट एन0 जी0 ओ0 आदि
क्षेत्र विकास समिति	ब्लाक शिक्षा अधिकारी	ब्लाक संसाधन केन्द्र
ग्राम शिक्षा समिति	विद्यालय प्रधानाध्यापक /अध्यापक	सकुल ससाधन केन्द्र

संगठानात्पक ढांचा–निर्धारण

ग्राम शिक्षा समिति :

ग्राम स्तर पर बेसिक शिक्षा सम्बन्धी समस्त कृत्यों के सम्पादन हेतु बेसिक शिक्षा अधिनियम 1972 सशोधित वर्ष 2000 के अन्तर्गत ग्राम समिति की स्थापना की गयी है । जिसमें निम्नलिखित सदस्य समिति का स्वरूप निम्नवत है :–

1 ग्राम पंचायत प्रधान : अध्यक्ष

2 ग्राम पंचायत में स्थित बेसिक स्कूल का मुख्य अध्यापक और यदि वहां 1 से अधिक स्कूल हों तो उनके मुख्य अध्यापकों में से ज्येष्टतम सदस्य सचिव ग्राम शिक्षा समिति होगा ।

3 बेसिक स्कूलों के छात्रों के तीन संरक्षक (जिसमें एक संरक्षक महिला होगी) जो सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा नाम निर्दिष्ट किये जायेगं । : सदस्य

4

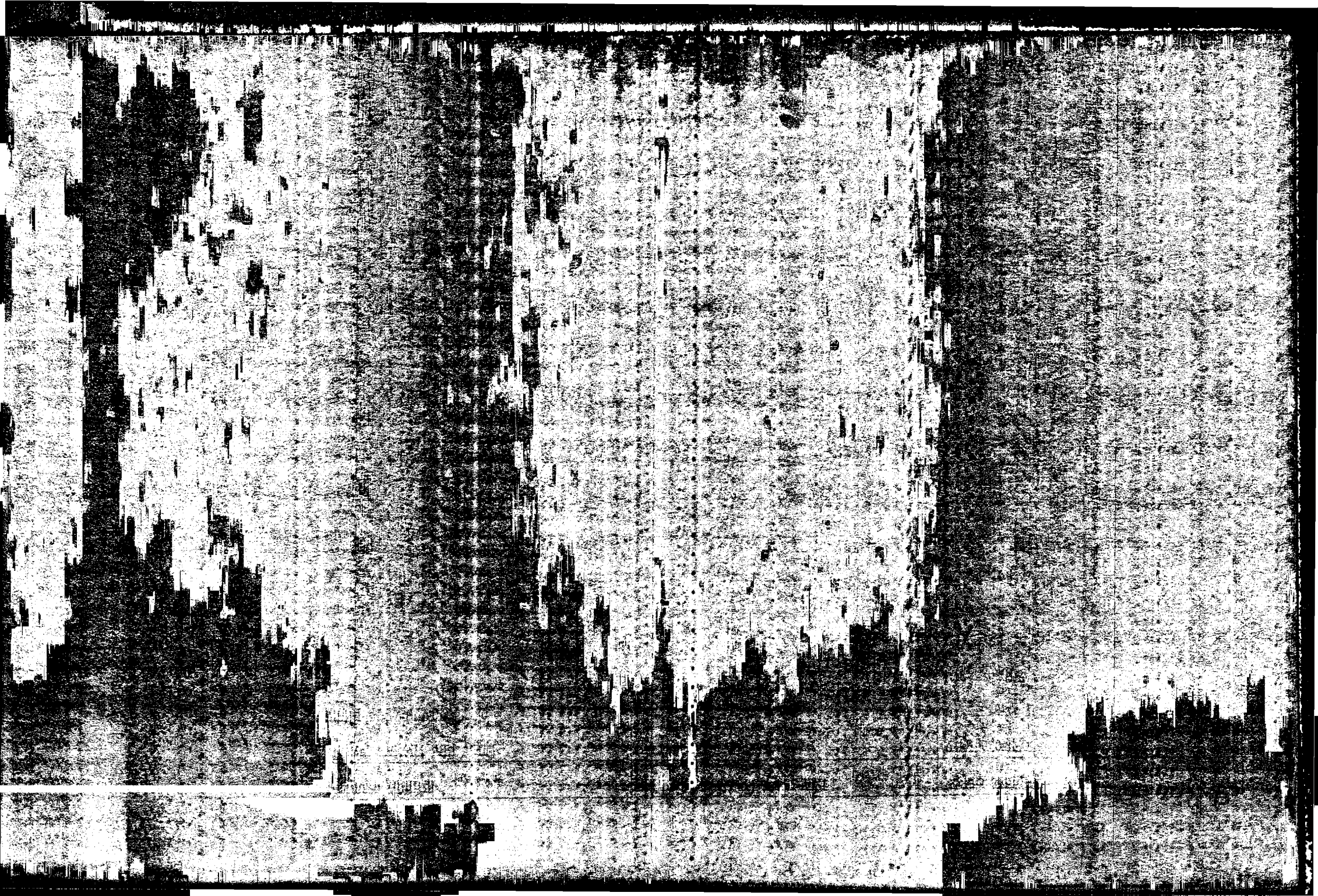

अधिकार एवं दायित्व :

ग्राम शिक्षा समिति निम्नलिखित कार्यो का सम्पादन करेगी :-

(क) बेसिक स्कूलों के विकास प्रसार और सुधर के लिये योजनायें तैयार करना ।

(ख) पंचायत क्षेत्र में बेसिक शिक्षा की अभिवृद्धि और विकास करना ।

(ग) बेसिक स्कूलों उनके भवनों ओर उपकरणों के सुधार के लिए जिला पंचायत को सुझाव देना ।

(घ) ऐसे समस्त आवश्यक कदम उठाना जो बेसिक स्कूलों के अध्यापकों और अन्य कर्मचारियों के सन्तोष पालन और उपस्थिति का सुनिश्चित करने के लिये आवश्यक समझें जायें ।

(ड) पंचायत क्षेत्र की सीमाओं के भीतर स्थित किसी बेसिक स्कूल के किसी अध्यापक या अन्य कर्मचारी पर ऐसी रीति से जैसे निति की जाये लिघु दण्ड देने की सिफारिश करना ।

(छ) बेसिक शिक्षा से सम्बन्धित ऐसे अन्य कृत्यों का करना, जिन्हे राज्य सरकार द्वारा उसे सौंपी जाय ।

बेसिक शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत यह समिति नीति निर्धरण के साथ साथ मुख्य कार्यदायी संस्था के रूप क कार्य करती रही है , हजसमे विद्यालय भवनो का निर्माण, परिषद में सुधार शैक्षिक उपकरण की आपूर्ति आदि सम्मिलित है । ग्राम शिक्षा समिति बेसिक शिक्षा सम्बन्धी कार्यो में जनता की सहभागिता हासिल करने में सफल हुई है । सर्व शिक्षा अभियान के अन्तगत भी ग्राम शिक्षा समिति द्वारा विद्यालय प्रबन्धन एवं शैक्षिक नियोजन सम्बन्धी सारे कृत्यों का सम्पादन किया जायेगा । इस अधिक प्रभावी बनाने एवं सकिया सामुदायिक भगीदारी के साथ-साथ बस्ती /ग्राम स्तर पर शैक्षिक योजना करने और इसके समयबद्ध कियान्वयन करने हेतु इसके सदस्यों का माइक्रोप्लानिंग आदि विधाओं में सक्षम बनाया जायेगा ताकि बुनियादी स्तरी से प्रारम्भिक शिक्षा का लक्षित विकास हो सके । कार्यक्रम में सकिया समुदायिक सहभगिता बढाने तथा उसे प्रणालीगत स्सरूप प्रदान करने के लिए पी0 टी0 ए0, महिला अभिप्ररण समूह भी स्थापित किये जायेगं जो सथानीय स्तर पर प्रभावी योगदान देगें ।

उपयुर्क्त के अतिरिक्त शिक्षा गारंटी योजना केन्द्र / वैकल्पिक शिक्षा केन्द्रो की मांग तथ शिक्षा कि लिये परिवेश का निर्माण एवं अन्य संसाधनों का संकेन्द्रण इसी समिति का अधिकार एवं दायित्व है । शिक्षा मित्रों अनुदेशकों आचार्यो , आंगनवाडी केन्द्रो के स्टाफ के वेतन /मानदेय का भुगतान ग्राम शिक्षा समिति द्वारा किया जायेगा । छात्रवृतियों का वितरण पोषाहार वितरण का नियन्त्रण निःशुल्क पाठय पुस्तको का वितरण ग्राम शिक्षा समिति के पर्यवेक्षण में किया जायेगा । हर बच्चा हो स्कुल में हर स्कुल हो सुन्दर व हर बच्चा सीख रहा हो के उद्देश्य की प्राप्ति के लिये कार्य करेगें । अपने संकल्प से अन्य सुविधाओं के लिये कार्य करेगें ।

न्याय पंचायत संसाधन केन्द्र (एन.पी.आर. सी.):-

इस जनपद में सभी न्याय पंचायत संसाधन केन्द्रों का निर्माण बेसिक शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत कराया जा चुका है । इसे सुसज्जित किये जाने के साथ-साथ संकुल प्रभारियों की नियुक्ति कर प्रशिक्षित किया जा चुका है । इनको प्रशिक्षण के माध्यम से और अधिक सक्रिया एवं क्रियाशील बनाया जायेगा ।

कार्य एवं दायित्व :-

(1) न्याय पंचायत क्षेत्र के विद्यालयों का एकेडमिक अनुश्रवण /शैक्षिक सपोर्ट करना ।

(2) अध्यापकों की मासिक बैठक करना उनकी व्यक्तिगत कठिनाइयों पर विचार विमर्श एवं उसका निराकरण करना ।

(3) ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों का प्रशिक्षित करना ।

(4) ग्राम शिक्षा समितियों के सहयोग से न्याय पंचायत क्षेत्र के विद्यालय मे गुणवत्ता के सुधार वरिवेश निर्माण आदि की योजना तैयार करना ।

(5) न्याय पंचायत स्तरीय शैक्षिक सूचनाओ का संकलन एवं सूक्ष्म नियोजन ।

क्षेत्र पंचायत स्तरीय समिति :-

जिले की भांति ही प्रत्येक स्तर पर एक ब्लाक शिक्षा सलाहाकार समिति गठित है जो सर्व अभियान के अन्तर्गत विकास खण्ड स्तर पर कार्यक्रम निर्धारण अनुश्रवण आदि के लिये उत्तरदायी होगी ।

क्षेत्र पंचायत स्तर पर गठित समिति मे निम्नलिखित पदाधिकारी सम्मिलित है :-

(1) ब्लाक प्रमुख	अध्यक्ष
(2) सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी / प्रति उप विद्यालय निरीक्षक	सदस्य ,सचिव
(3) विकास खण्ड का एक ग्राम प्रधान	सदस्य
(4) विकास खण्ड का एक वरिष्ठतम प्रधानाध्यापक	सदस्य

अधिकार एवं दायित्व :

इस समिति का मुख्य कार्य ब्लाक संसाधन केन्द्र एवं पचायत संसाधन केन्द्रो के कार्यो में समन्वया स्थापित करना । जिला परियोजना समिति के निर्णयों का अनुपालन सुनिश्चित करना तथा क्षेत्र पंचायत के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का प्रभ्क्षावी कियान्वयन एवं अनुश्रवण करना इसका मुख्य दायित्व हौगा । यह समिति ग्राम शिक्षा समितियों एवं जिलए शिक्षा परियोजना समिति के बीच सम्पर्क सूत्र का कार्य करगी । इस समिति की प्रत्येक महीने मे एक बैठक अनवार्य होगी ।

प्रशासनिक संगठन – ब्लाक स्तर –:

प्रत्येक क्षेत्र पंचायत स्तर पर एक सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी /प्रति उप विद्यालय निरीक्षक जो जिला बेसिक शिक्षा अधिकारीके नियत्रण मे परियोजना के कार्यक्रमो का कियान्वित करायेगं तथा नियमित रूप से पर्यवेक्षक वे अनुश्रवण करेगं । सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी /प्रति उप विद्यालय निरीक्षक परियोजना कियान्वयन एवं प्रगति हेतु उत्तदायी होगें । विकास खण्ड के अन्तर्गत ग्राम शिक्षा समितियों ब्लाक संसाध केन्द्र न्याय पंचायत संसाधनों केन्द्रो के मध्य समन्वय स्थापित करना उनका दायित्व होगा और इसके लिये उनहे आवश्यक अधिकार एवं सुविधायं प्रदान की जायेगी । विकास खण्ड के विद्यालय साख्यिकी को समय र एकत्रित करना तथा लिा परियोजना समिति को उपलब्ध कराया जाना एवं सोख्यिकी की शुद्धता को बनाये रखने में विकास खण्ड स्तरीय अधिकारी की विशेष भूमिका एवं उतरदायित्व होगा सहायक बेसिक शिक्षा अधिकार पदेन विकास खण्ड परियोजना अधिकारी होगें । साररूप में विकास खण्ड स्तरीय अधिकार के प्रमुख उतरदायित्व निम्नलिखित होगें :–

(1) सर्व शिक्षा अभियान की नीतियों एव कार्यक्रमों का कियान्वयन
(2) विद्यालय भवनों निर्माण का पर्यवेक्षण करना ।
(3) ग्राम शिक्षा समितियों का प्रभावी बनाना ।
(4) ब्लाक परियोजना समिति की बैठक कराना एवं उसके निर्णयो का पालन सुनिश्चित कराना ।
(5) ब्लाक स्तर पर शैक्षिक आकडे एकत्रित कर संकलित करना ।
(6) सभी प्रकार की छात्रवृतियों का वितरण सुनिश्चित कराना तथा सूचना एकत्र करना ।
(7) खाद्यान्नवितरण तथा उससे सम्बन्धित सूचना संकलित कराना ।

(8) विद्यालयों का निरीक्षण करना तथ गुणवत्ता में सुधार लाना ।

(9) ग्राम शिक्षा समितियो तथा ब्लाक शिक्षा समिति के बीच समन्वय स्थापित करना ।

(10) अध्यापकों के वेतन बिल प्रस्तुत करना तथ वेतन भुगतान सुनिश्चित करना ।

ब्लाक संसाधन केन्द्र (बी.आर.सी)

इस जनपद में बेसिक शिक्षा परियोजनासे संचालित हो चुकी है और सभी विकास खन्डों ब्लाक संसाधन केन्दों के भवनो का निर्माण कराया जा चुका है । यहां समन्वयक भी नियुक्त किये जा चुके है प्रशिक्षण भी प्राप्त कर चुके है । एवं शिक्षा अभियान के अन्तर्ग त कार्यक्रम की व्यापकता तथा उच्च प्राथमिक स्तर तक विस्तार को दृष्टिगत रखतक हुये प्रत्येक ब्लाक संसाधन केन्द्र मे एक समन्वयक का पद सृजित गया है जो सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी के परियोजना कार्यो के पर्यवेक्षण सूचना को एकत्रित संकलन विद्यालय सांख्यिकी के संकलन एव सभी प्रकार की बैठको के आयोजन तथा कार्यक्रमों के अनुश्रवण मे करेगें ।

कार्य एवं दायित्व :-

(1) अध्यापकों को अभिनवीकरण प्रशिक्षण प्रदान करना ।

(2) विद्यालयो का एकेडमिक निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करना कि नवीन विधियो के अनुसार शिक्षण कार्य किया जा रहा है अथवा नहीं ।

(3) विकास खण्डो की एकेडमिक आवश्यकताओं का आंकलन एवं संकलन करना शैक्षिणक आवश्थकताओं का सुक्ष्म नियोजन करना ।

(4) ब्लाक स्तर पर एकेडमिक संसाधन समुह का गठन करना ।

(5) न्याय पंचायत संसाधन केन्द्र तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण के बीच सम्पर्क सूत्र के रूप में कार्य करना ।

(6) ब्लाक स्तर के अधिकारियों एवं अन्य विभाग के अधिकारियों से समन्वय स्थापित करना एवं शिक्षा के हित में उसका नियोजन करना ।

(7) विकास खण्ड के अन्तर्गत स्कूलसे बाहर बच्चों के संबंध में बस्ती बार तथा बच्चो का नामवार कम्प्यूटराइज्ड विवरण तैयार करना ।

(8) ब्लाक के विद्यालय सांख्यिकी का समय समय पर एक एकत्रीकरण व सैम्पल चकिगं का अनुश्रवण करना।

जनपद स्तरीय समिति :-

सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत नीति निर्धरण एवं रणनितियों के निर्धारण के लिये जिला स्तर पर जिला शिक्षा परियोजना समिति बेसिक शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत पूर्व से ही गठित है । जिसमे जनपद के जिलाधिकारी उपाध्यक्ष मुख्य विकास अधिकारी एवं सचिव जिला बेसिक शिक्ष अधिकारी है ।

समिति का गठन निम्नवत है :-

जिलाधिकारी	–	अध्यक्ष
मुख्य विकास अधिकारी	–	उपाध्यक्ष
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी	–	सदस्य /सचिव
प्राचार्य डायट	–	सदस्य
जिला श्रम अधिकारी	–	सदस्य
जिला समाजकल्याण अधिकारी	–	सदस्य
विता एवं लेखाधिकारी (बेसिक शिक्षा)	–	सदस्य
अधिशासी अभियंता (पी.डब्लयू.डी)	–	सदस्य
जिला विद्यालय निरीक्षक	–	सदस्य
दो शिक्षा विद विश्वविद्यालय एव महाविद्यालय	–	सदस्य
दो क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष वर्णमाला कम से एक सबके लिये	–	सदस्य

दो शिक्षक (राष्ट्रीय /राज्य पुरस्कार प्राप्त) – सदस्य

स्वेच्छिक संगठन के दो प्रतिनिधि (जिलाधिकारी द्वारा नामित)– सदस्य

जिला शिक्षा परियोजना समिति के अधिकार एवं दायित्व :

यह समिति जिले की सर्वोच्च नीति नियामक समिति है। जिले स्तर पर बेसिक शिक्षा परियोजना क द्वारा निर्धारित सीमाओं के अन्तर्गत रहते हुये इन सभी निर्णय लेन का अधिकार है। रणनीतिमें परिवर्तन से लेकर निर्माण कार्य, गुणवत्ता में सुधार एवं जनसहभागिता सुनिश्चित करन के संबंध में इनके निर्णय सभी प्रशासनिक एवं शैक्षिक अगों का मानने होंगे।

सभी कार्य इसी समिति द्वारा निर्धारित किये जायेंगे। यह समिति जिले के अन्तर्गत सर्व शिक्षा अभियान के संरचना संचालन एवं निर्देश के लिये जनपद स्तर की सर्वोच्च समिति होगी। जनपद में एस./ए.आई.ई. से सम्बधित प्रस्तावों का अनुमोदन तथा कार्यक्रम के संचालन का पूर्ण दायित्व भी इसी समिति का होगा।

जिला बेसिक शिक्षा समिति :

बेसिक शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत प्रत्येक जिले में ग्रामीण क्षेत्र के लिये जिला बेसिक शिक्षा समिति गठित की गयी है जिसकी सदस्यता निम्न प्रकार है:-

(1) जिलर पंचायत अध्यक्ष	अध्यक्ष
(2) जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी	सदस्य/सचिव
(3) अपर जिला मजिस्ट्रेट (नियोजन)	पदेन सदस्य
(4) जिला समाज कल्याण अधिकारी	पदेन सदस्य
(5) जिला विद्यालय निरीक्षक	पदेन सदस्य
(6) उप बेशिक शिक्षा अधिकारी (महिला) यदि कोई हो और उनकी अनुपस्थिति में विद्यालय उप निरीक्षक	

(7) ऐसे व्यक्ति, जो जिला पंचायत के सदस्यों में से राज्य सरकार द्वारा नाम निर्दिष्ट किये जायेगें । — सदस्य

(8) विद्यालय उप निरीक्षक (पदेन) जो समिति का सहायक सचिव होगा। — सदस्य

जिला बेसिक शिक्षा समिति,परिषद अधीक्षण और निर्देशों के अधीन रहते हुये निम्नलिखित कृत्यों का सम्पादन करेंगे -

(क) जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित बेसिक स्कूलों का प्रशासन करना।

(ख) नये बेसिक स्कूल स्थापि करना।

(ग) ऐसे बेसिक स्कूलों के विकास,प्रसार–सुधार के लिये योजनाय तैयार करना।

प्रशासनिक तन्त्र–जिला परियोजना कार्यालय :

जिला स्तर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जनपदीय परियोजना अधिकारी के रूप मे कार्य करेंगें। राज्य परियोजना समिति तथा जिला परियोजना समिति द्वारा निर्धारित नीति एवं कार्यक्रम कियान्वयन, उसका दायित्व होगा। जिला बेशिक शिक्षा अधिकारी जनपद स्तर पर जिला शिक्षा परियोजना समिति के निर्देशन व मार्ग दर्शन में कार्यकमों का कियान्वयन करेंगे। इन कार्य में जिला बेशिक शि की सहायता हेतु जिला परियोजना कार्यालय की सीपना की जायेगी। जिसमें आवश्यक स्टाफ के पद सृजित कर उनमें तैनात की जायेगी।

जिला परियोजना कार्यालय में निम्नलिखित अधिकारी एवं कर्मचारी होंगे :

	पदेन जिला परियोजना अधिकारी
(1) जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी	1
(2) उप बेसिक शिक्षा अधिकारी (इ.जी.एस. / ए.आई.ई.)	
(3) समन्वयक	4

(4) कम्प्यूटर आपरेटर	1 रू. 8,000/–नियत वेतन प्रति पद।
(5) सहायक लेखा अधिकारी	1
(6) लिपिक / कम्प्यूटर आपरेटर	1
(7) परिचारक	1

उपर्युक्त सभी अधिकारी एवं कर्मचारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी/ जिला परियोजना अधिकारी के नियन्त्रण एवं पर्यवेक्षण में कार्य करेंगे तथा परियोजना कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में उनके प्रति उत्तरदायी होंगें। जनपद के कार्यरत सभी उप बेसिक शिक्षा अधिकारी पदेन उप जिला परियोजना अधिकारी होंगे तथा अपने क्षेत्र से सम्बधित सभी प्रकार के परियोजना कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु उत्तरदायी होंगे।

<u>एजुकेशनल मेनेजमेन्ट इन्फारमेशन सिस्टम :</u>

सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत संचालित कार्यक्रमों के प्रभावी अनुश्रण हेतु जिला परियोजना कार्यक्रम में एम.आई.एस. स्थापित किया जायेगा। बेसिक शिक्षा परियोजना जनपद में पूर्व से ही एम.आई.एस. स्थापित है तथा कम्प्यूटर हार्डवेयर भी उपलब्ध है। आवश्यकतानुसार कम्प्यूटर हार्डवेयर को उच्चीकृत कराने की व्यवस्था की जायेगी। इस कम्प्यूटर को संचालित करने हेतु एक कम्प्यूटर सहायक की नियुक्ति निर्धारित के आधार पर की जायेगी।

<u>प्रशिक्षण :</u> विद्यालय सांख्यिकी सम्बन्धी कार्य हेतु कम्प्यूटर आपरेटर, प्रधानाध्यापक, सकुल प्रभारी, बी.आर.सी. समन्वयक,सहायक बेशिक शिक्षा अधिकारियों का जनपद स्तर पर प्रशिक्षण आयोजित किया जायेगा और उन्हें ई. एम.आई.एस. सम्बधी प्रपत्र तथा उन्हें भरने, संकलन, विश्लेषण आदि की जानकारी दी जायेगी। इसके अतिरिक्त विद्यालय सम्बधी आंकडों के दो प्रतिशत सेम्पल चेकिंग के लिये भी फील्ड स्टाफ का प्रशिक्षण दिया जायेगा। जिससे आंकड़ों की शुद्वता की जांच हो सके।

(1) ई.एम.आई.एस. का प्रशिक्षण – जिला स्तर पर।

(2) ई.एम.आई.एस. का प्रशिक्षण – ब्लाक स्तर पर।

(3) ई.एम.आई.एस. का प्रशिक्षण – न्याय पंचायत स्तर पर।

D.P.O.PAURI (GARHWAL) S.S.A.

आकड़ा का एकत्राकरण तथा शुद्वता की जांच :

प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक स्तर दोनों के लिये नीपा, नई दिल्ली द्वारा तैयार किया गया विद्यालय सांख्यिकी प्रपत्र के अर्न्तगत पूर्व से उपलब्ध है जिस पर प्रतिवर्ष विद्यालय स्तर से 30 सितम्बरी की स्थिति अनुसार आंकड़ों को एकत्रित किया जायेगा एवं कम्पयूटर डाटा एन्ट्री के पश्चात ई.एम.आई.एस. रिपोर्ट तैयार की जायेगी। प्रतिवर्ष विद्यालयों से प्राप्त भरे हुये प्रपत्रों का कम्पयूटर प्रिन्ट–आउट जिला परियोजना कार्यालय द्वारा विद्यालय के प्रधानध्यापक को भेजा जायेगा ताकि प्रधानाध्यापक को यह ज्ञानकारी हो सके कि उनके द्वारा जो सूचना भरकर भेजी गयी थी वह सही है। अप्रत्यक्ष रूप से यह सूचना की पुष्टि स्वरूप होगा और यदि कोई त्रृटि हो गयी हो तो उसे शुद्व करने का अवसर प्राप्त हो सकेगा।

आंकड़ों का उपयोग :

ई.एम.आई.एस. आंकड़ों के विश्लेषण से महत्वपूर्ण इन्डीकेट्र्स जैसे:–जी.ई.आर., ड्राप–आउट दर, छात्र अध्यापक अनुपात, एकल अध्यापकीय आदि विद्यालय प्रतिवर्ष प्राप्त होगें। इन इन्डीकेट्स का उपयोग डिसिजन सपोर्ट सिस्ट्मस में किया जायेगा ताकि बार–बार सूचनाओं के एकत्रीकरण में समय की बचत हो सके और कार्य योजना की संरचना में तदानुसार कार्यक्रमों का समावेश/संशोधन किया जा सके। डायस के अन्तर्गत ई.एम.आई.एस. से प्राप्त आंकड़ों से स्कूल के बाहर के बच्चों की संख्या ज्ञात नहीं हो पाती है और स्कूल में अध्ययनरत तथा स्कूलों के बाहर बच्चों की संख्या विश्लेषण एक ही स्त्रोत सक प्राप्त आकड़ों के आधार पर नहीं हो पाता है। अतः यह व्यवस्था प्रस्तावित है कि माईक्रोप्लानिंग से प्राप्त ग्राम स्तरीय आंकड़ों तथा ई.एम.आई.एस. से प्राप्त आंकड़ों का मिलान व विश्लेषण किया जायेगा तथा तदानुसार कार्य योजना में वांछित कार्यक्रमों का समावेश/संशोधन अभीष्ट होगा। उदाहाण स्वरूप आंकड़ों का उपयोग कातिपय निम्न कार्यों हेतु किया जा सकता है।

(1) नवीन विद्यालयों बस्तियों की पहचान।

(2) शिक्षा गारंटी केन्द्र हेतु बस्तियों की पहचान तथा जनसंख्या के आधार पर बस्तियों की प्राथमिकता का निर्धारण।

(3) छात्र संख्या में वृद्धि के फलस्वरूप अतिरिक्त कक्षा कक्षों की आवश्यकता की पहचान।

(4) एकल अध्यापकीय विद्यालयों का चिन्हीकरण।

(5) छात्र अध्यापक अनुपात के आधार पर शिक्षा मित्रों की नियुक्ति की आवश्यकता वाले विद्यालयों की पहचान।

(6) बालिकाओं के कम नामांकन वाले विद्यालयों न्याय पंचायतों /निकायों का चिन्हीकरण।

(7) निःशुल्क पाठ्पुस्तकों के वितरण हेतु लाभार्थी सममूहों की संख्या का आंकलन।

(8) अवस्थाना सम्बन्धी मांग का आंकलन व निर्धारण।

(9) शिक्षकों का विवरण।

(10) विभिन्न स्तरों पर विद्यालय निरीक्षण का रोस्टस।

(11) विकलांगतावर आंकड़ों के अनुसार उपकरण की उपलब्धता सुनिश्चित कराना।

ई.एम.आई.एस. से प्राप्त महत्वपूर्ण निष्कर्षों एवं सूचनाओं का उपयोग सम्बन्धित विषय/क्षे के अधिकारी द्वारा जनपद स्तर पर अपने से सम्बन्धित कार्यक्रम के आयोजन की प्राथमिकताओं के निर्धारण में किया जिसके लिये उन्हें प्रशिक्षण दिया जायेगा और उत्तरदायी बनाया जायेगा।

<u>जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान :</u>

गुणवत्ता में सुधार के लिये जिला स्तर पर पूर्व से ही जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान है। सर्व शिक्षा अभियान के व्यापक कार्यक्रम को दृष्टिगत रखते हुये **इसको** और अधिक सुदृढ़ किया जायेगा। परियो अन्तर्गत इसके निम्नलिखित कार्य होंगेः–

(1) **विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षणों** के आयोजन हेतु मास्टर ट्रेनर / सन्दर्भ व्यक्तियों को **चयनित कर प्रशिक्षित** कराना।

(2) राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के शिक्षा संस्थान सक सम्पर्क में रहना तथा शिक्षा के अभिनव **प्रवृत्तियों** और अनुसंधानों तथा अल्पकालिक शोध कार्यों के लिये **डायट स्टाफ** की क्षमता का विकास करना। जिस स्तर पर उसका **कियान्वयन** किया जा सके।

(3) ब्लाक स्तर के सन्दर्भ व्यक्तियों को प्रशिक्षित करना तथा परियोजना द्वारा निर्धारित **शैक्षिक कार्यकमों**, शिक्षण विधियों और लक्ष्यों से अवगत **करना** है।

(4) **जिले स्तर की शिक्षा समस्याओं** के निदान एवं उपचार **के** लिये शोध कार्य **करना और उसके परिणामों** का कियान्वयन **करना**।

(5) जिले के **समस्त स्कूलों** का गुणवत्तामूलक निरीक्षण करना, उनके परिणामों **का विश्लेषण करना** तथा आवश्यकतानुसार अध्यापकों को मार्गदर्शन देना।

(6) ब्लाक संसाधन केंन्द्रों के समस्त शैक्षिक किया–कलापों का निर्देशन एवं नियन्त्रण करना।

(7) जिले स्तर पर अन्य विभागों एवं अधिकारियों से समन्वय स्थापित करना तथा शैक्षिक कार्यों में नियोजन करना।

(8) जिले स्तर पर एकेडमिक संसाधन समूह का गठन करना।

(9) न्यूनतम अधिगम स्तर सुनिश्चित करना और इनके लिये बेस लाइन सर्वे कराना।

(10) शिक्षा के लिये नवाचार कार्यक्रम विकसित करना।

(11) शैक्षिक आंकड़ों (ई.एम.आई.एस. के माध्यम से संकलित) का विश्लेषण करना तथा नियोजन में उनका उपयोग करना।

(12) शिक्षकों, समन्वयकों, ई.सी.सी.ई. तथा वैकल्पिक शिक्षा केन्द्रों के अनुदेशकों, ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों, निरीक्षण अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित कराना।

प्रोजेक्ट मेनेजमेंट इन्फारमेशन सिस्टम्स :

एम.आई.एस. के द्वारा जनपद में परियोजना कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की रिपोर्ट प्रतिमाह तैयार कर राज्य परियोजना कार्यालय को भेजी जायेगी और जिन कार्यक्रमों में पगति हैं उनकी ओर जनपद के ससम्बधित अधिकारी का ध्यान आकर्षित किया जायेगा तथा प्रगति को बढ़ाने की प्रभावी कार्यवाही की व्यवस्था की जायेगी।

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत एल.ऐ.सी.आई. के अन्तर्गत कम्पयूराईज्ड वित्तीय प्रबंधन प्रणाली विकसित की जा रही है जिसे सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत उपयोग किया जायेगा। जिसके लिये आई.एस. प्रयोग में लाया जायेगा।

निधि का प्रवाह :

जिले की वार्षिक कार्य योजना एवं बजट के आधार पर राज्य कार्यालय द्वारा धनराशि जिला परियोजना कार्यालय तथा जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान को अवमुक्त की जायेगी। प्रशिक्षण, अकादमिक, ए आदि गुणवत्ता कार्यक्रम हेतु धनराशि जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान द्वारा बी.आर.सी., एन.पी.आर.सी. को उपलब्ध करायी जायेगी। निर्माण, वैकल्पिक शिक्षा आदि अन्य कार्यक्रमों के लिये धनराशि जिला परि कार्यालय द्वारा सम्बधित कार्यदायी संस्था जैसे ग्राम शिक्षा समिति,स्वयंसेवी संस्थाओं, अध्यापकों आदि को सीधे खाते के माध्यम से हस्तान्तरित की जायेगी। परियोजना कार्यक्रमों की अधिकांश धनराशि ग्राम शिक्षा स को भेजी जाती है। जिसके बैंक में खाते पूर्व से ही संचालित हैं। जिला परियोजना कार्यालय तथा जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान द्वारा राज्य परियोजना कार्यालय को प्राप्त एवं व्यय धनराशि का संकलित प्रतिमाह उपलब्ध कराया जायेगा। समान्यतः राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा त्रैमासिक आधार पर धनराशि जिलों को अवमुक्त की जायेगी।

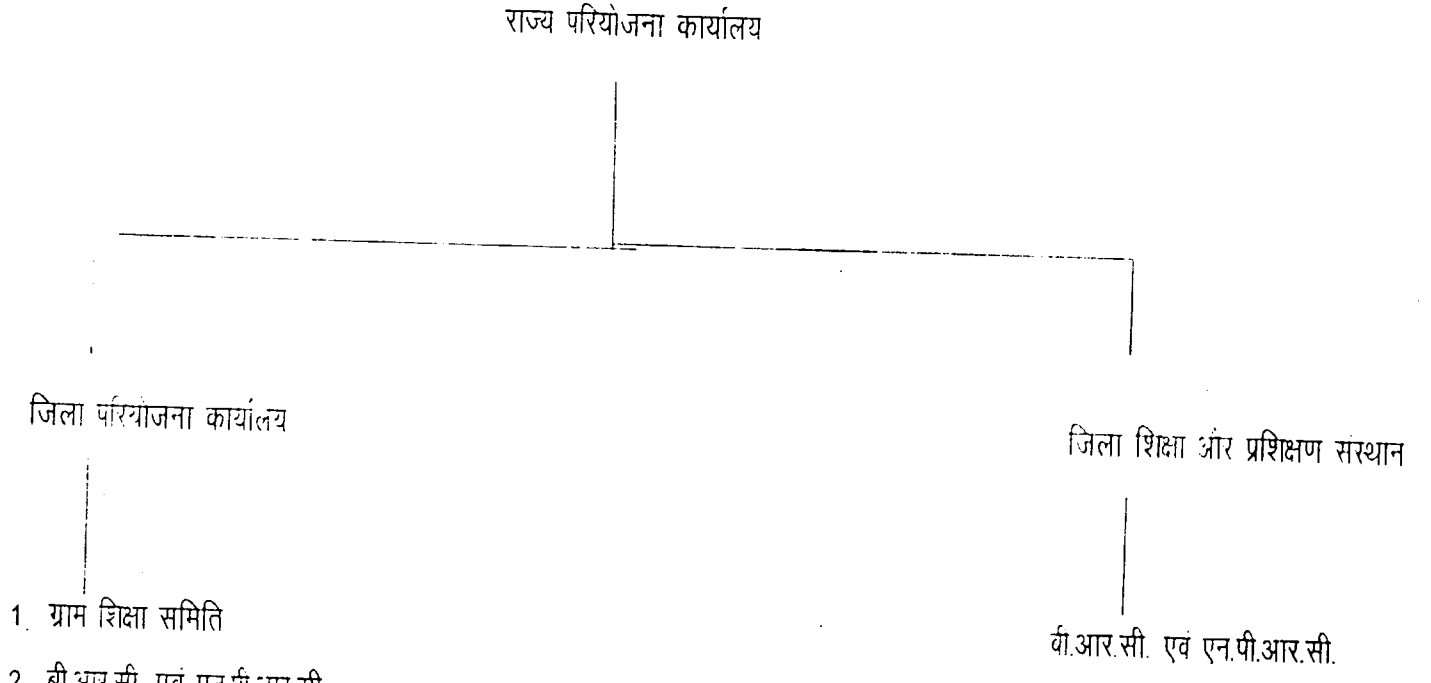

D.P.O.PAURI (GARHWAL) S.S.A.

अध्याय – 8

ठहराव में वृद्धि के कार्यकम

जनपद पौड़ी में सभी शिक्ष वर्ष 1993–2000 तक संचालित रही है जिनके अन्तर्गत परियोजन के द्वारा भौतिक संसाधनों को उपलब्ध करवाने में पर्याप्त कार्यवाही हुई जिनके तहत परियोजना द्वारा निम्न सुविधा उपल करवाई गयी।

1.	बी0 आर0 सी0	15
2.	न्याय पंचायत संसधन केंद्र	12
3.	नवीन विद्यालय	264
4.	नवी0 उ0प्राठीव0	186
5.	प्राथमिक विद्यालयों के भवनों का पुर्ननिर्माण	21
6.	उ0प्राठीव0 के भवनों का पुर्ननिर्माण	171
7.	विद्यालयों में शौचालय निर्माण	1260
8.	विद्यालयों में पानी उपलब्ध	828
9.	अतिकक्षा कक्षों का निर्माण	381

उपरोक्त संसाधनों को उपलब्ध करवाने से जनपद में प्राथमिक शिक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई जिससे शिक्षा के स्तर में गुणात्मक सुधार हुआ और अब सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत जो छूटे हुए विद्यालय इस योजन के तहत अतिरिक्त भौतिक संसाधनों से जोड़ा जा रहा जिससे जो बच्चे बीच में स्कूल छोड़ देते हैं उन्हें पुनः विद्यालय में लाया जा सके तथा विद्यालय में आने वाले बच्चों को गुणात्मक शिक्षा प्रद सके, एवं उनकी उपस्थिति बनी रहें। अभी भी इस जनपद की विषम भौगोलिक स्थिति को देखते हुये जनपद में सर्वशिक्षा अभियान के तहत 10 उ0प्राठीव0 एवं 20 प्रा0वि0 खोलने का प्रस्ताव है।

तालिका 8.1

भौतिक सुविधाओं की मांग एवं कमी

क0 सं0	विकास क्षेत्र का नाम	नवीन विद्यालय			पुर्ननिमाण शौचालय						पेयजल			चारदीवारी			अतिरिक्त कक्ष कक्ष			भवनहीन विद्यालय		
		प्रा.	उ.प्र.	योग	प्रा.	उ.प्र.	योग	प्रा.	उ.प्र.	योग	प्र.	उ.प्र.	योग	प्रा.	उ.प्र.	योग	प्र.	उ.प्र.	योग	प्रा.	उ.प्र.	योग
1	वीरांखाल	-	-	-	10	1	11	26	6	32	25	7	32	44	8	52	-	-	-	-	-	-
2	यमकेश्वर	-	-	-	18	3	21	4	6	10	99	19	113	60	16	76	-	-	-	-	-	-
3	एकेश्वर	-	-	-	18	-	18	9	1	10	45	2	47	45	12	57	1	-	1	1	-	1
4	नैनीडांडा	-	-	-	19	-	19	16	8	24	52	12	71	58	13	71	4	-	4	-	1	1
5	पाबौ	-	3	3	10	-	10	13	4	17	57	22	79	42	12	54	28	4	32	-	-	-
6	रिखणीखाल	-	-	-	8	1	9	15	4	19	58	12	70	50	12	62	8	1	9	-	-	-
7	थलीसैण	-	-	-	15	1	16	46	10	56	47	18	65	63	18	81	6	2	8	-	-	-
8	दुगड्डा	-	-	-	14	1	15	21	2	23	40	15	55	52	14	66	8	4	12	-	-	-
9	कोट	-	-	-	15	1	16	4	2	6	39	13	52	36	15	51	6	1	7	-	-	-
10	पौड़ी	-	-	-	8	1	9	11	-	11	17	4	21	26	12	38	2	-	2	-	-	-
11	पोखड़ा	-	-	-	13	1	14	2	2	4	29	7	36	37	10	47	2	2	4	1	-	1
12	जहरीखाल	1	-	1	10	1	11	16	3	19	25	6	31	46	13	59	3	4	7	-	-	-
13	कल्जीखाल	1	-	1	12	1	13	12	5	17	65	14	79	45	18	58	6	1	7	-	-	-
14	द्वारीखाल	-	-	-	15	2	17	21	5	26	56	27	83	64	18	82	7	1	8	-	-	-
15	खिर्सू	1	-	-	-	1	9	4	3	7	11	4	15	30	8	38	3	3	6	-	-	-
	योग	3	3	6	193	15	208	220	61	281	672	182	854	698	194	892	93	23	116	2	1	3

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

भौतिक सुविधायें मांग एवं कमी वर्षवार नगर क्षेत्र व राजकीय विद्यालय

क0 सं0	विकास क्षेत्र का नाम	नवीन विद्यालय			पुर्ननिमाण			शौचालय			पेयजल			चहदीवारी			अतिरिक्त कक्षा कक्ष			भवनहीन विद्यालय		
		प्रा.	उ.प्र.	योग	प्रा.	उ.प्र.	योग	प्रा.	उ.प्र.	योग	प्रा	उ.प्र.	योग	प्रा.	उ.प्र.	योग	प्रा	उ.प्र.	योग	प्रा.	उ.प्र.	योग
	नगर क्षेत्र पौड़ी	-	-	-	2		2	6	-	6	6	-	6	12	1	13	-	-	-	6	-	6
	नगर क्षेत्र खिर्सू	-	-	-	-	-	-	1	-	1	-	-	-	1	1	2	1	-	1	-	-	-
	नगर क्षेत्र कोट0	-	-	-	4	-	4	2	1	3	6	1	7	5	1	6	2	-	2	-	-	-
	नगर क्षेत्र दुगड्डा	-	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1	-	1	-	-	-
	योग	-	-	-	7	-	7	9	1	10	12	1	13	18	3	21	4	-	4	6	-	6
	राजकीय पाबौ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1	1	-	1	1	-	-	-
	राजकीय पोखड़ा	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1	1	-	1	1	-	-	-
	राजकीय पौड़ी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1	1	-	-	-	-	-	-
	योग	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	3	3	-	2	2	-	-	-
कुल योग	तालिका 8 तथा नगर	3	3	6	310	15	325	229	62	291	684	184	868	716	200	916	97	25	122	8	1	9

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

तालिका 8.2

भौतिक सुविधायें मांग एवं कमी वर्षवार

क्र0 सं0	वर्ष	नवीन विद्यालय			पुर्ननिमाण			शौचालय			पेयजल			चारदीवारी			अतिरिक्त कक्षा कक्ष			भवनहीन विद्यालय		
		प्रा.	उ.प्र.	योग	प्रा.	उ.प्र.	योग	प्रा.	उ. प्र.	योग	प्रा	उ. प्र.	योग	प्रा.	उ.प्र.	योग	प्रा.	उ.प्र.	योग	प्रा.	उ.प्र.	योग
1	2001–2002	-	-	-	20	10	30	-	-	15	-	-	50	30	20	50	10	15	25	-	-	-
2	2002–2003	5	3	8	10	5	15	-	-	100	-	-	50	600	100	700	30	10	40	3	2	5
3	2003–2004	-	-	-	140	-	140	-	-	100	-	-	384	86	80	166	50	-	50	-	-	-
4	2004–2005	-	-	-	140	-	140	-	-	76	-	-	384	-	-	-	7	-	7	-	-	-
5	2005–2006	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	2006–2007	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	योग	5	3	8	310	15	325	-	-	291	-	-	868	716	200	916	97	25	122	3	2	5

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

शिक्षा गारण्टी योजना (ई0जी0एस0)

इस योजना के अन्तर्गत बच्चों को विद्यालय उपलब्ध कराया जाना है, जिस बस्ती में 6–10 वर्ष वर्ग के बच्चों की संख्या 10 से 20 है तथा उस ग्राम या बस्ती से विद्यालय की दूरी 1 कि0मी0 से अधिक है। बस्तियों के लिए ई0जी0एस0 केन्द्रो की स्थापना का प्रावधान किसा गसा है। इन केन्द्रों पर कक्षा 1 तथा कक्षा 3 तक पढ़ाई की जायेगी। इन केन्द्रों के लिए शिक्षक के रूप में आचार्य जी की नियुक्ति की जायेगी।

शिक्षा गारण्टी केन्द्रों का उच्चीकरण–शिक्षा गारण्टी केन्द्र जनपद की ऐसी बस्तियों में प्रस्तावित हैं जिनमें जनसंख्या अधिक है तथा पढने वाले बच्चों की संख्या भविष्य में बढ़ने की सम्भावना है।इन सम्भावनाओं को देखते हुए शि0गा0केन्द्रों का उच्चीकरण करने का प्रस्ताव किया गया है।

वैकल्पिक एवं नवाचार शिक्षा (ए0आई0ई0)

जिन बस्तियों में 6–14 वर्ष के बच्चे है जो काम काजी होने अथवा अन्य किन्हीं कारणों से विद्यालय नही जाते ऐसे बच्चों तक शिक्षा के लिए वैकल्पिक शिक्षा केन्द्रों की स्थपना की की जएगी। जनपद की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए प्राकृतिक बाधाओं के कारण विद्यालय जाने में बच्चों को कठिनाई होती है।इन परिस्थितियों को देखते हुए वैकल्पिक शिक्षा केन्द्रों की स्थापना का प्रस्ताव किया गया है।

तालिका 8.3

ए0आई0ई0 तथा ई0जी0एस0 केन्द्रों के वर्षवार प्रस्ताव

वर्ष	ए0आई0ई0	ई0जी0एस0	योग
2001–2002	.	14	14
2002–2003	240	31	271
2003–2004	.	.	.
योग	240	45	285

तालिका 8.4

ए0आई0ई0 तथा ई0जी0एस0 केन्द्रों के ब्लाकवार प्रस्ताव

क्र0 सं0	विकास क्षेत्र	ए0आई0ई0 केंद्रों की सं0	बच्चों की सं0	क्र0 सं0	विकास क्षेत्र	ई0जी0एस0 केंद्रों की सं0	बच्चों की सं0
1	बीरोंखाल	–	–	1	बीरोंखाल	–	–
2	यमकेश्वर	55	91	2	यमकेश्वर	4	67
3	एकेश्वर	7	18	3	एकेश्वर	5	79
4	नैनीडांड़ा	9	9	4	नैनीडांडा	3	41
5	पाबौ	20	32	5	पाबौ	5	61
6	रिखणीखाल	–	–	6	रिखणीखाल	–	–
7	थलीसैण	80	136	7	थलीसैण	5	95
8	दुगड्डा	40	110	8	दुगड्डा	3	57
9	कोट	5	12	9	कोट	5	54
10	पौड़ी	5	12	10	पौड़ी	–	–
11	पोखड़ा	7	10	11	पोखड़ा	4	58
12	जहरीखाल	3	3	12	जहरीखाल	2	29
13	कल्जीखाल	4	4	13	कल्जीखाल	3	33
14	द्वारीखाल	–	–	14	द्वारीखाल	6	66
15	खिर्सू	5	6	15	खिर्सू	–	–
	योग	240	443		योग	45	640

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

ई0जी0एस0 की सूची विकासखण्ड स्तर पर

क0 सं0	विकास क्षेत्र	कुल बस्तियां	कुल [illegible]	असेवित बस्तियां	ई0जी0[illegible] केन्द्र का नाम	छात्र [illegible]				नजदीक के विद्यालय का नाम व दूरी किमी0 में	ई0जी0एस0 खोलने का कारण
						कक्षा 1	कक्षा 2	कक्षा 3	[illegible]		
1	द्वारीखाल	318	296	22	1.[illegible]	6	2	2	10	1.5 [illegible]	घना जंगल,जंगली [illegible] नाला
					2. सु[illegible]	5	3	2	10	1.5 [illegible]	—"—
					3. तौ[illegible]	4	3	2	9	1.5द्वारी[illegible]	—"—
					4.छतिड	12	6	3	21	2सौड	नाला
					5.जुड	8	4	4	16	2जुयाल[illegible]	—"—
									66		
2	नैनीडांडा	307	294	13	1.पटोलग्रा सागुडी	7	6	8	21	8करासी	भयकर जंगल,नदी नाला जंगली जानवर
					2.देवचल्ली वल्ली	3	4	3	10	5कालिंकाखाल	भयकंर जंगल,नदी नाला विहड रास्ता
					3.पडसोली तल्ला	3	3	4	10	1.5पडसोली	बरसाती नाला विहड रास्ता
					बसनोली	3	3		6	1.5अवलेथ क्यार्की	छोटे बच्चों के लिए विहड रास्ता
									41		
3	एकेश्वर	237	213	24	1. रैसोली तल्ली	4	5	2	11	1.5 चौड्खाल	ग्राम सभा रैसोली विद्यालय विहीन
					2.चमासुगांठ	5	6	3	14	1.5 चमासुधार	जंगल का रास्ता
					3.नन्दोली	4	4	5	13	2.5 चौथी/सैंडाखाल	जंगल का रास्ता
					4.सतपाली	8	7	6	21	2 चमालो	जंगल का रास्ता,अधिक दूरी,वि0विहीन गांव
					5.पांथर	8	7	5	20	1.5 नौगांवखाल	ग्राम सभा अलग जिसमे कोई वि0 नही
									79		
4	कल्जीखाल	303	283	20	1 कोटिराजपुर	5	5	2	12	2 प्रा0गहड	जंगल का रास्ता नाला
					2 पीथा	4	3	3	10	3 ओलना	अधिक दूरी
					3 ज्वाल्पासेरा	4	4	3	11	3.5 कोला	चढाई अधिक दूरी
									30		
5	पाबौ	146	137	9	1उल्दावा	3	4	4	11	1.5 सैंजी	जंगल का रास्ता बाघ का भय
					2भटुण्डा	4	4	4	12	1.5 कोटली	अधिक दूरी
					3 धारकोट	5	4	3	12	1.5 पीपली	अधिक दूरी
					4 देवकोट	5.	4	5	14	2 बुंरासी	अधिक दूरी

					[illegible]	[illegible]	[illegible]	4	12	2 सपलाड़ी	अधिक दूरी
									61		
6	पोखड़ा	185	161	24	1 नौला थापला	4	5	3	12	1.5 दलमाणा सराईखेत	नाला, जंगली रास्ता
					2 सेन्धल	6	5	4	15	1.25 [illegible]	जंगल का रास्ता
					3 गडाली	7	8	5	20	1.5 देव[illegible]खाल	अधिक दूरी
					4 गं[illegible]	4	4	3	11	2 भया[illegible]	अधिक दूरी,चढ़ाई का रास्ता
									58		
7	जयहरीखाल	251	249	2	1 [illegible]	2	9	3	14	2 कुण[illegible]	अधिक दूरी
					2 दु[illegible]	4	5	6	15	2.5 [illegible]	जंगल का रास्ता अधिक दूरी
									29		
8	दुगड्डा	361	359	2	1 सिगड्डी सोत	10	11		21	2.5 कोई नहीं	बस्ती जंगलात क्षेत्र में है
					2 [illegible]	8	5	3	16	2 कला[illegible]	जंगल का रास्ता
					3 [illegible]खाली सोत	10	10		20	2 कोई भी नहीं	
									57		
9	यमकेश्वर	235	222	13	1 मुसराली	6	7	5	18	2.5 कुनाथां	जंगल का रास्ता
					2 गुजराड़ी	5	4	6	15	5. छेडा	जंगल का रास्ता
					3 खरगोस्ता	6	3	5	14	5 भौन	जंगल का रास्ता
					4 धूतिया	8	7	5	20	2.5 लक्ष्मणझूला	जंगल का रास्ता
									67		
10	कोट	268	255	13	1 कुनगणियां	5	2	36	10	1.5 कण्डाला	जंगल का रास्ता,जानवरों का भय
					2 पंचुर द्वितीय	1	5	6	12	2 कमरगढ़	जंगल का रास्ता
					3 जाखणी	7		3	10	2.5 सिराला	चढाई व दुर्गम रास्ता
					4 ढन्पुर	6	1	3	10	2 पलोटा	जंगल का रास्ता दुर्गम रास्ता
					5 बकरोड़ा	4	4	4	12	2 रणकोट	दुर्गम रास्ता
									54		
11	थलीसैण	228	164	64	1 सादरी भैंसवाड़ा	15	12	13	40	1.5 रौली	नाला, दुर्गम रास्ता
					2 लट्ठाड़ी	7	9	5	21	1.5 कुटकण्डई	जंगल का रास्ता,जानवरों का भय
					3 बालसेम	6	12	3	11	1.5 पपडियाणा	नाला
					4 भरीख	2	4	5	11	1.5पल्ली	जंगल का रास्ता,पथरीला मार्ग
					5 विरमोला	5	3	4	12	1.5 बडेथ	रास्ता दुर्गम
									95		

(क) अनुसूचित जाति / अनुसूचित जन जाति

(ख) जिन बस्तियों में बालिकाओं का शिक्षा प्रतिशत कम है।

(ग) आल श्रमिक, घुमन्तू, विकलांग बच्चों की संख्या अधिक हो।

शिक्षा गारण्टी केन्द्रों का संचालन

ई0जी0एस0 केन्द्रों का संचालन का समय प्रातः 10 बजे से 4 बजे तक होगा।

ए0आई0ई0 केन्द्रों का संचालन का समय प्रतिदिन चार घंटे का होगा।

अनुदेशकों / आचार्यों का चयन

ई0जी0एस0 केन्द्रों पर आचार्य जी की नियुक्ति की जायेगी। आचार्य की नियुक्ति ग्राम शि0 समिति द्वारा किया जायेगा। ए0आई0ई0 केन्द्रों के लिए अनुदेशक नियुक्त किये जायेंगे जिनकी नियुक्ति भी ग्रा0शि0समिति द्वारा की जायेगी। अनुदेशकों की नियुक्ति में महिला अभ्यार्थी को वरीयता दी जायेगी। ई0जी0एस0 तथा ए0आई0ई0 अनुदेशक के लिए न्यूनतम योग्यता हाई स्कूल होगी।

नगर क्षेत्र के ई0जी0एस0 के लिए आचार्य जी तथा ए0आई0ई0 के लिए अनुदेशकों का चयन शिक्षा अधीक्षक, उप बेसिक अधिकारी सभासद वरिष्ठ प्राधान द्वारा किया जायेगा।

अनुदेशकों का प्राशिक्षण

अनुदेशकों तथा आचार्य जी का प्राशिक्षण जि0शि0 एवं प्रशि0 संस्थन में सम्पन्न होगा। यह प्राशिक्षण आवासीय होगा। आचार्य जी एवं अनुदेशकों को डायट के प्रवक्ताओं द्वारा प्राशिक्षण दिया जायेगा। प्रा अनुदेशकों तथा आचार्यों को मानदेय के रूप में कोई धनराशि नहीं दी जायेगी।

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

अनुदेशकों / का मानदेय वितरण

आचार्यों / अनुदेशकों का मानदेय बे0शि0अ0 द्वारा अग्रिम रूप से एक हजार रूपये प्रति आचार्य तथा प्रति बच्चा प्रतिवर्ष की दर से ग्राम शि0 समिति के संयुक्त खाते में भेज दिया जायेगा। आचार्य / अनु को पूरे महीने का कार्य करने के पश्चात पहले सप्ताह में उपलब्ध करा दिया जायेगा।

पर्यवेक्षण

ई0जी0एस0 तथा ए0आई0ई0 केन्द्रों का पर्यवेक्षण ए0बी0एस0ए0, एस0डी0आई0, बी0आर0सी0 समन्वयक, एन0पी0आर0सी0 समन्वयकों, द्वारा किया जायेगा। एक बी0आर0सी0 समन्वयक प्रतिमाह इनकी प्रगति ए0बी0एस0ए0 / एस0डी0आई0 को देंगे। बे0शि0अ0 द्वारा समय-समय पर भ्रमण कर इन केन्द्रों पर निगरानी रखी जायेगी। डायट के अधिकारी भी समय-समय पर इन केन्द्रों का अनुश्रवण करेंगे।

निः शुलक शिक्षण सामग्री

ई0जी0एस0 तथा ए0आई0ई0 केन्द्रों के लिए निः शुलक पाठ्य पुस्तकें तथा अन्य शिक्षण सामग्री बे0शि0अ0 द्वारा ग्राम शिक्षा समिति के संयुक्त खाते में धनराशी भेज दी जायेगी। ग्राम शिक्षा समिति बच्चो के पाठ्य पुस्तकें तथा अन्य सामग्री क्रय कर बच्चों को उपलब्ध करायेंगे।

छात्र / छात्राओं का मूल्यांकन

ई0जी0एस0 तथा ए0आई0ई0 में पढ़ने वाले बच्चों का मूल्यांकन प्रतिमाह आचार्य / अनुदेशक द्वारा किया जायेगा। अनुदेशक द्वारा बच्चों का तिमाही, छमाही तथा वार्षिक मूल्यांकन नियमित रूप से किया जा अनुदेशक यह प्रायास करेंगे कि बच्चों को औपचारिक विद्यालयों में मुख्य धारा से जोड़ने योग्य किसी भी समय हो जाय।

आचार्य / अनुदेशकों के शिक्षण कार्य का मूल्यांकन बे0शि0अ0 स0वे0शि0अ0, बी0र0सी0, एन0पी0आर0सी0 समन्यवकों द्वारा किया जायेगा। मूल्यांकन आख्यायें सम्बन्धित विद्यालय के प्र0अ0 के पास सुरक्षित जायेंगी और उच्चअधिकारियों के निरीक्षण के दौरान वह आख्यायें अवलोकनार्थ प्रस्तुत की जायेगी।

जो बच्चे कक्षा 5 का पाठ्यक्रम पूर्ण कर लेंगे उनकी अर्भा परीक्षा औपचारिक विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के साथ ली जायेगी। उत्तीर्ण छात्रों को कक्षा 6 में प्रवेश दिया जायेगा।

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

प्रा0वि0 तथा उ0प्रा0वि0 जिनके भवन जर्जर एवं ध्वस्त हैं ऐसे विद्यालयों के भवनों का पुर्ननिर्माण की व्यवस्था की गयी है ताकि ठहराव प्रभावी हो सके। इस तरह के भावन प्राथमिक स्तर पर 15 भवन हैं।

पेय जल

विद्यालय में पेयजल की व्यवस्था न होने से बच्चों के स्वास्थ्य पर कुप्रभाव पडता है तथा विद्यालय की व्यवस्था पर भी कुप्रभाव पडता है । ये विद्यालयों में पेयजल की व्यवस्था करने से ठहराव में वृद्धि होगी तथ विद्यालय सुव्यवस्थित रूप से चलेगा । इस जनपद स्तर पर प्राथमिक स्तर पर 334 तथा उ0प्रा0 स्तर पर 184विद्यालयों के लिय पेय जल की व्यवस्था प्रस्तावित की गयी है

शौचालय व्यवस्था

शौचालय की व्यवस्थान होने से विद्यालय के बच्चे विशेषताया बालिकाय कठिनाई महसूस करती हैं। बालिकायें इस कठिनाई के कारण धीरे–धीरे विद्यालय भी छोड़ देती हैं। अतः जनपद में प्रा0 स्तर तथा उ0प्र. स्तर पर 291 शौचालयों का प्रस्ताव किया गया है।

चाहरदीवारी

चाहरदीवारी के अभाव में बच्चों की सुरक्षा की कठिनाई होती है। मध्यावकाश के समय बच्चे विद्यालय से बाहर चले जाते हैं जिससे दुर्घटना का भय बना रहता है। चाहरदीवारी होने से बच्चों की सुरक्षा बनी रह है। चाहरदीवारी होने से विद्यालय की बाह्य प्रवेश सुरक्षित रहता हैं तथा पुष्प वाटिका व अन्य वृक्ष आदि सुरक्षित रहते हैं जिससे विद्यालय का सौन्दर्यकरण बढ़ता है एवं इससे बच्चों का स्कूल के प्रति आकर्षण बढ़ता है उन्हें विद्यालय सुन्दर दिखता है। अतः प्राथमिक स्तर तथा उ0प्रा0वि0 के लिए 916 चाहरदीवारी प्रस्तावित की गयी हैं।

अतिरिक्त शिक्षकों की आवश्यकता

वर्तमान में जनपद पौड़ी में स्वीकृत संख्या से छात्र मानक के आधार पर अध्यापकों की अतिरिक्त आवश्यकता नहीं। परन्तु 2006--2007 से विद्यालयों में छात्रों की वृद्धि होने से अतिरिक्त अध्यापकों की आवश्यकत होगी।

तालिका 8.5

प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत वर्तमान अध्यापक संख्या एवं आवश्यकता

क्षेत्र	स्वीकृत पद			छात्र-मानक पर आवश्यकता			कार्यरत अध्यापक			स्वीकृत पद के प्रति रिक्त			छात्र मानक पर रिक्त किन्तु प्रत्येक विद्यालय में दो अध्यापक अनिवार्य होने से		
	प्रधान-ध्यपक	सहायक अध्यपक	योग	प्रधान-ध्यपक	सहायक अध्यपक	योग	प्रधान-ध्यपक	सहायक अध्यपक	योग	प्रधान-ध्यपक	सहायक अध्यपक	योग	प्रधान-ध्यपक	सहायक अध्यपक	योग
ग्रामीण	1538	2575	4113	5128 नवीन-91	1739 नवीन-91	3277 नवीन-91	1383	1634	3017	155	941	1096	91	91	182
				1629	1830	3459									
नगर क्षेत्र	30	129	159	30	68	98	25	68	93	5	61	66	–	-	–
योग	1568	2704	4272	1659	1898	3557	1408	1702	3110	160	1002	1162	91	91	182

श्रोत : जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, कार्यलय पौड़ी गढवाल

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

तालिका 8.6

प्राथमिक / उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों की अनुमानित संख्या वर्ष 2001–2007 तक

वर्ष	प्राथमिक विद्यालय			उच्च प्राथमिक विद्यालय			सम्पूर्ण योग
	कुल कार्यरत अध्यापक	नव–नियुक्त अध्यापक 1:40 के अनुपात	योग	कुल कार्यरत अध्यापक	नव–नियुक्त अध्यापक 1:40 के अनुपात	योग	
2001–2002	3110	182	3292	1642	–	1642	4934
2002–2003	2962	384	3346	1642	268	1910	5256
2003–2004	3346	38	3384	1910	–	1910	5294
2004–2005	3384	29	3413	1910	–	1910	5323
2005–2006	3413	30	3443	1910	–	1910	5353
2006–2007	3443	–	3443	1910	–	1910	5353

श्रोत : जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, कार्यालय पौड़ी गढ़वाल

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

तालिका 8.5

प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत वर्तमान अध्यापक संख्या एवं आवश्यकता

क्षेत्र	स्वीकृत पद			छात्र-मानक पर आवश्यकता			कार्यरत अध्यापक			स्वीकृत पद के प्रति रिक्त			छात्र मानक पर रिक्त किन्तु प्रत्येक विद्यालय में दो अध्यापक अनिवार्य होने से		
	प्रधान-ध्यपक	सहायक अध्यपक	योग	प्रधान-ध्यपक	सहायक अध्यपक	योग	प्रधान-ध्यपक	सहायक अध्यपक	योग	प्रधान-ध्यपक	सहायक अध्यपक	योग	प्रधान-ध्यपक	सहायक अध्यपक	योग
ग्रामीण	1538	2575	4113	5128 नवीन-91	1739 नवीन-91	3277 नवीन-91	1383	1634	3017	155	941	1096	91	91	182
				1629	1830	3459									
नगर क्षेत्र	30	129	159	30	68	98	25	68	93	5	61	66	–	-	–
योग	1568	2704	4272	1659	1898	3557	1408	1702	3110	160	1002	1162	91	91	182

श्रोत : जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, कार्यलय पौड़ी गढवाल

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

तालिका 8.6

प्राथमिक / उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों की अनुमानित संख्या वर्ष 2001–2007 तक

वर्ष	प्राथमिक विद्यालय			उच्च प्राथमिक विद्यालय			सम्पूर्ण योग
	कुल कार्यरत अध्यापक	नव–नियुक्त अध्यापक 1:40 के अनुपात	योग	कुल कार्यरत अध्यापक	नव–नियुक्त अध्यापक 1:40 के अनुपात	योग	
2001–2002	3110	182	3292	1642	–	1642	4934
2002–2003	2962	384	3346	1642	268	1910	5256
2003–2004	3346	38	3384	1910	–	1910	5294
2004–2005	3384	29	3413	1910	–	1910	5323
2005–2006	3413	30	3443	1910	–	1910	5353
2006–2007	3443	–	3443	1910	–	1910	5353

श्रोत : जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, कार्यालय पौड़ी गढ़वाल

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

तालिका 8.5

प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत वर्तमान अध्यापक संख्या एवं आवश्यकता

क्षेत्र	स्वीकृत पद			छात्र–मानक पर आवश्यकता			कार्यरत अध्यपक			स्वीकृत पद के प्रति रिक्त			छात्र मानक पर रिक्त किन्तु प्रत्यक विद्यालय में दो अध्यपक अनिवार्य रूप से		
	प्रधान–ध्यपक	सहायक अध्यपक	योग	प्रधान–ध्यपक	सहायक अध्यपक	योग	प्रधान–ध्यपक	सहायक अध्यपक	योग	प्रधान–ध्यपक	सहायक अध्यपक	योग	प्रधान–ध्यपक	सहायक अध्यपक	योग
ग्रामीण	1538	2575	4113	5128 नवीन–91	1739 नवीन–91	3277 नवीन–91	1383	1634	3017	155	941	1096	91	91	182
				1629	1830	3459									
नगर क्षेत्र	30	129	159	30	68	98	25	68	93	5	61	66	–	-	–
योग	1568	2704	4272	1659	1898	3557	1408	1702	3110	160	1002	1162	91	91	182

श्रोत : जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, कार्यलय पौड़ी गढवाल

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

तालिका 8.6

प्राथमिक / उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों की अनुमानित संख्या वर्ष 2001–2007 तक

वर्ष	प्राथमिक विद्यालय			उच्च प्राथमिक विद्यालय			सम्पूर्ण योग
	कुल कार्यरत अध्यापक	नव–नियुक्त अध्यापक 1:40 के अनुपात	योग	कुल कार्यरत अध्यापक	नव–नियुक्त अध्यापक 1:40 के अनुपात	योग	
2001–2002	3110	182	3292	1642	–	1642	4934
2002–2003	2962	384	3346	1642	268	1910	5256
2003–2004	3346	38	3384	1910	–	1910	5294
2004–2005	3384	29	3413	1910	–	1910	5323
2005–2006	3413	30	3443	1910	–	1910	5353
2006–2007	3443	–	3443	1910	–	1910	5353

श्रोत : जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, कार्यालय पौड़ी गढ़वाल

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

तालिका 8.7

छात्र नामांकन शिक्षकों की स्थिति एवं आवश्यकता (प्राथमिक विद्यालय) वर्ष 2001 से 2002 तक

वर्ष	कुल विद्यालय	नवीन विद्यालय	कुल विद्यालय	छात्र संख्या	स्वीकृत पद				1:40 के आधार पर किन्तु कम से कम 2 अ0			
					प्र0अ0	स0अ0	योग	शि0 मि0	प्र0अ0	स0अ0	योग	शि0 मि0
2001–2002	1568	91	1659	69404	1568	2704	4272	169	1659	1898	3557	116
2002–2003	1659	3	1662	70446	1568	2704	4272	169	1662	1771	2433	119
2003–2004	1662	14	1676	71537	1568	2704	4272	169	1676	1788	3464	133
2004–2005	1676	31	1707	72662	1568	2704	4272	169	1707	1816	3523	164
2005–2006	1707	-	1707	73824	1568	2704	4272	169	1707	1845	3552	164
2006–2007	1707	-	1707	75027	1568	2704	4272	169	1707	1875	3582	164

श्रोत : जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, कार्यलय पौड़ी गढ़वाल

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

(ब)

वर्ष	स्वीकृत के प्रति कार्यरत				स्वीकृत के प्रति रिक्त				अध्यापकों की आवश्यकता				सर्व शिक्षा के अन्तर्गत आवश्यकता			
	प्र0अ0	स0अ0	योग	शि0 मि0	प्र0अ0	स0अ0	योग	शि0 मि0	प्र0अ0	स0अ0	योग	शि0 मि0	प्र0अ0	स0अ0	योग	शि0 मि0
01-02	1408	1702	3110	116	160	1002	11622	53	91	91	182	116	91	91	91	91
02-03	1447	1515	2962	119	121	1189	1310	50	3	3	6	3	3	3	3	3
03-04	1568	1788	3346	133	-	916	916	20	14	14	28	14	14	14	14	14
04-05	1568	1816	3384	164	-	888	888	5	31	31	62	31	31	31	31	31
05-06	1568	1845	3413	164	-	859	859	5	-	-	-	-	-	-	-	-
06-07	1568	1875	3443	164	-	829	829	5	-	-	-	-	-	-	-	-

अध्यापकों की संख्या प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक (टी0एल0एम0 हेतु)

वर्ष	प्राथमिक स्तर				उ0प्रा0 स्तर			उ0प्रा0 राजकीय			उ0 प्रा0 सहायता प्राप्त			हाई0			महायोग		
	प्र0अ0	स0अ0	शि0 मि0	योग	प्र0अ0	स0अ0	योग	प्र0अ0	स0अ0	योग	प्र0अ0	स0अ0	योग	प्र0अ0	स0अ0	योग	प्र0अ0	स0अ0	योग
01-02	1408	1793	116	3317	259	1383	1642	3	12	15	20	80	100	5074	647	5729	3317	2404	5721
02-03	14047	1518	119	3084	411	1638	2049	3	12	15	20	80	100	5248	647	5895	3084	2811	5895
03-04	1568	1802	133	3503	411	1638	2049	3	12	15	20	80	100	5667	647	6314	3503	2811	6314
04-05	1568	1847	164	3579	411	1638	2049	3	12	15	20	80	100	5743	647	6390	3579	2811	6314
05-06	1568	1876	164	3608	411	1638	2049	3	12	15	20	80	100	5772	647	6419	3608	2811	6314
06-07	1568	1906	164	3638	411	1638	2049	3	12	15	20	80	100	5802	647	6449	3638	2811	6314

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

उ0प्रा0विद्यालयों हेतु अध्यापकों की उपलब्धता आवश्यकता

वर्ष	विद्यालयों सं0	स्वीकृत पदों की सख्या			आवश्यकता अध्यापकों			वर्तमान में कार्यरत अध्यापक स्वीकृत के प्रति			रिक्त सृजित पदों पर नियुक्त			नवीन विद्यालयों हेतु रिक्त पदों की आवश्यकता			सर्व शिक्षा अभियान द्वारा नवीन आवश्यकता		
		प्र0अ0	स0अ0	योग	प्र0अ0	स0अ0	योग	प्र0अ0	स0अ0	योग	प्र0अ0	स0अ0	योग	प्र0अ0	स0अ0	योग	प्र0अ0	स0अ0	योग
01-02	408	353	1557	1910	408	1632	2040	259	1383	1642	94	174	268	55	75	130	18	19	20
02-03	411	353	1557	1910	411	1644	2055	353	1557	1910	-	-	-	-	-	-	-	-	-
03-04	411	353	1557	1910	411	1644	2055	353	1557	1910	-	-	-	-	-	-	-	-	-
04-05	411	353	1557	1910	411	1644	2055	353	1557	1910	-	-	-	-	-	-	-	-	-
05-06	411	353	1557	1910	411	1644	2055	353	1557	1910	-	-	-	-	-	-	-	-	-
06-07	411	353	1557	1910	411	1644	2055	353	1557	1910	-	-	-	-	-	-	-	-	-

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

ठहराव में वृद्धि करने के लिए विद्यालयों को आकर्षक बनाने की आवश्यकता है। अतः प्रत्येक प्राथमिक स्तर के विद्यालय 2000.00 तथा उ0प्रा0 को रू0 2000.00 देने का प्रावधान किया गया है। प्रथम वर्ष 2001–2002 में हाई स्कूल एवं इन्टरमीडिएट कॉलेजो को भी विद्यालय अनुदान से जोड़ा गया है जिनमें 6–8 तक के छात्र–छात्रायें अध्ययनरत है आगे के वर्षो में (2002–2003) से मात्र परिषदीय विद्यालयों को ही अनुदान की मांग की गयी है।

अध्यापक अनुदान

छात्रों को गुणवत्तापरक शिक्षा देने के लिए शिक्षण में अधिगम सामग्री की आवश्यकता होती है। आकर्षक शिक्षण सुविधा के साथ–साथ ठहराव में भी वृद्धि होती है। इस हेतु जनपद के प्राथमिक तथा उ0प्रा0 स्तर के सभी अध्यापक अनुदान के रूप में 500 रूपये देने का प्रवधान किया है।

निः शुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण

कक्षा 1 से 8 तक अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति तथा बालिकाओं के लिए निः शुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण का प्रस्ताव किया गया है। इससे निर्धन छात्रों को सहायता मिलेगी तथा ठहराव वृद्धि होगी। विद्यालयों में बुक बैंक की स्थापना निर्धन छात्रों के लिए की जायेगी जिसमें विद्यालय की कुल छात्र सं0 का 30 प्रतिशत या अधिकतम 100 सेट जो भी कम हो रखा जाना प्रस्तावित है।

तालिका 8.9

उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति एवं बालिकाओं को निः शुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण सारणी वर्षवार

वर्ष	छात्रओं की कुल संख्या सामान्य, अनु0 जाति अनु0 जनजाति	अनु0 जाति बालकों की संख्या	अनु0 जनजाति बालकों की संख्या	योग
2001–2002	21076	3878	41	24995
2002–2003	21476	3972	42	25490
2003–2004	21884	4057	43	25994
2004–2005	22299	4164	44	26507
2005–2006	22723	4263	45	27031
2006–2007	23155	4365	46	27566

श्रोत : जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, कार्यलय पौडी गढ़वाल

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S A

स्वस्थ शरीर पर ही स्वस्थ मस्तिष्क निर्भर करता है । यदि बच्चे स्वस्थ हैं तो धारण क्षमता बनी रहती है । इस हेतु जनपद के समस्त प्राथमिक स्तर तथ उच्च प्राथमिक स्तर के बच्चों का स्वास्थ्य पर जायेगा । बस कार्य में स्वास्थ्य विभाग की मदद ली जायेगी । यह कार्य विभिन्न चरणों में सम्पन्न कराया जायेगा ।

बालिका शिक्षा हेतु योजना

बालिका शिक्षा का प्रोत्ससाहित करने के लिए न्याय पंचायत स्तर पर नुक्कड सभाओं, गोष्ठियों, सामुदायिक सहभगिता के द्वारा बालिकाओं का शत प्रतिशत नामांकन की व्यावस्था की जायेगी । अनु. अनुसूचित जनजातिकी बालिकाओं का नामांकित करानले के लिए प्रात्सीन किया जायेगा।

बालिकाओं के लिए सामान्य पाठयकम के साथ जनपद के प्रत्येक विकास खण्ड के दो उ0प्रा0 विद्यालयों में कम्प्यूटर शिक्षा के लिए प्रस्ताव किया गया है।

बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने हेतु रणनीतियाँ

(1) प्रत्येक विद्यालय में बालिकाओं के ठहराव हेतु पेयजल एवं शौचालय की व्यवस्था की जायेगी ।

(2) प्रत्येक प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय में कम से कम 50 प्रतिशत महिला शिक्षिकायें हों । ऐसा प्रयास किया जायेगा ।

(1) महिला प्रेरक समुहों तथ माता शिक्षक संघ गठित किये जायेंगे ।

(1) माता–पिता अपनी बालिकाओं को अधिक दूर विद्यालय में भेजना पसन्द नहीं करते । अतः 1 कि0मी0 की परिधि एवं कम से कम 200 की आबादी पर नवीन विद्यालय की स्थापना तथ 3 कि परिधि तथा 600 की आबादी पर उच प्राथमिक विद्यालय खोले जायेंगे ।

(1) जनपद में बालिका शिक्षा की देख–रेख के लिए प्रतिनियुक्ति पर समन्वयक की व्यवस्था की जायेगी ।

(1) समस्त सेवारत अध्यापकों का बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए कक्षा–कक्ष प्रक्रियाओं, वातावरण आदि पर प्रशिक्षण दिया जायेगा ।

(1) ग्राम शिक्षा समिति का बालिका शिक्षा उन्नयन हेतु प्रशिक्षण दिया जायेगा ।

(1) गोष्ठियों, बैनर ,चार्ट,पोस्टर कला जत्था के माध्यम से अभिभावकों को प्ररित किया जायेगा ।

(1) मॉ–बेटी मेला आयोजित किया जायेगा ।

(1) एम0टी0ए0,पी0टी0ए0,वी0ई0सी0 महिला प्रत्यक समूह ब्लाक तथा एन0पी0आर0सी0 समन्वयकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जायेगा ।

उच्च प्राथमिक स्तर पर बालिकाओं के लिए कार्यकम

जनपद के 30 उ0 प्रा0 विद्यालयों में कम्प्यूटर शिक्षा का प्रस्ताव रखा गया है।

जन जागरण अभियान

बालिकाओं का नामांकन सुनिश्चित करने के लिए जनजागरण अभियान चलाये जायेगें । इसके अन्तर्गत प्रभात फेरियॉ, जुलूस पोस्टर जनसम्पर्क कार्यकम तथा महिला मंगल दलो की बैठकों का आयोजन किया जायेगा

विशेष वर्ग की शिक्षा

समेकित शिक्षा/विकलांग बच्चे को शिक्षा व्यवस्था

वर्तमान में जनपद पौडी में 347 विकलांग बच्चे विभिन्न विद्यालयों में अध्ययनरत है । ये बच्चे विभिन्न विकलांगता से ग्रसित है । इन बच्चों का मेडिकल बोर्ड के आधार पर श्रेणीबद्व किया जायेगा । इन बच्चों लिए समेकित अथवा व्यक्तिगत शिक्षा की व्यवस्था की जायेगी ।

विकलांगता / अक्षमता के प्रकार

1. दृष्टि विकलांगता
2. श्रवण एवं वाणी विकलागंता
3. अस्थि विकार विकलांगता
4. मानसिकता मन्दता
5. अधिगम मन्दता

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

विकासखण्डवार विकलांग छात्रों का वितरण

विकलांग छात्रों की संख्या विकासखण्डवार निम्नवत है ।

क्रम0 संख्या	विकासखण्ड का नाम	छात्र संख्या
1.	बीरोखाल	4
2.	यमकेश्वर	28
3	एकेश्वर	37
4	नैनीडाडा	14
5	पावौ	35
6	रिखणीखाल	26
7	थलीसैण	83
8	दुगडडा	40
9	कोट	29
10	पौड़ी	35
11	पौखड़ा	19
12	जहरीखाल	17
13	कल्जीखाल	35
14	द्वारीखाल	21
15	खिर्सू	21
16	नगर क्षेत्र	07
	योग	451

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

तालिका 8.10

विकासखण्डवार विकलांग छात्रों का विवरण

विकलांग छात्रों की संख्या विकासखण्डवार निम्नवत है ।

क्रम0 संख्या	विकासखण्ड का नाम	छात्र संख्या
1.	बीरोखाल	4
2.	यमकेश्वर	28
3	एकेश्वर	37
4	नैनीडाडा	14
5	पावॉ	35
6	रिखणीखाल	26
7	थलीसैंण	83
8	दुगडडा	40
9	कोट	29
10	पौड़ी	35
11	पौखड़ा	19
12	जहरीखाल	17
13	कल्जीखाल	35
14	द्वारीखाल	21
15	खिर्सू	21
16	नगर क्षेत्र	07
	योग	451

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

उपकरण एवं उपस्कर

डाक्टरी टीम जिसमें विभिन्न विशेषज्ञ डाक्टर हाग के द्वारा इन बच्चो की जॉच करायी जायेगी । जॉचोपरान्त आवश्यकतानुसार इन बच्चों के लिए उपस्करो की आपूर्ति करानी होगी । उपस्कर की आपूर्ति विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से की जाती है । इसके लिए निम्न संस्थाओं से सम्पर्क किया जा सकता है–

1 राष्ट्रीय दृष्टि एवं विकलांग संस्थान, राजपुर रोड़ देहरादून

2 अली यावर गंग राष्ट्रीय श्रवण विकलांग संस्थान बान्द्रा, मुम्बई

3 भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा स्थापित कम्पाजिट फिट मैन सेन्टर

4 राष्ट्रीय मानसिक विकलांग संस्था मनो विकास नजर सिकन्दराबाद

5 मंगलम ए–445 इन्दिरा नगर, लखनउ

6 यू0पी0 विकलांग केन्द्र, 13 लूकर गंज, इलाहाबाद

अधयापकों का सेवारत प्रशिक्षण

अध्यापकों के सेवारत प्रशिक्षण कार्यक्रम में समेकित शिक्षा का विशेष रूप से लिया गया है । इसमें विकलांग बच्चों का शिक्षा देने के लिए विशेष तकनीकी पर बल दिया गया है ।

शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए विकसित प्रशिक्षण मॉडयूल और सामग्रियों में निम्नांकित पाठयक्रम का समावेश

1 विकलांग बच्चों की आवश्यकताओं को समझना ।

2 विकलांग बच्चों के लिए शिक्षण रणनीति विकसित करना

4 इन बच्चों का तथा अभिभावकों तथा समुदाय को परामर्श देना

5 अन्य बच्चों को विकलांग बच्चों के लिए सहानुभूति प्रोत्साहित करना

अन्य बच्चों को विकलांग बच्चों की आवश्यकता की जानकारी देना ।

ग्राम शिक्षा समिति की आवश्यकता

जनपद पौड़ी में 1150 ग्राम शि0 समितियों का गठन किया गया है । पंचायत राज व्यवस्था में प्राथमिक शिक्षा की सम्पूर्ण गतिविधियों में ग्राम पंचायत की महत्वपूर्ण भूमिका है । अतः ग्राम पंचायतों शिक्षा के क्षेत्र में प्रत्येक कार्य से अवगत कराने हेतू प्रशिक्षण देना अति आवश्यकता है । जनपद में समस्त ग्राम शि0 समितियों को प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की गयी है । यह प्रशिक्षण जिला प्रशिक्षण संस्थ निर्देशन में न्याय पंचायत स्तर दिया जाना प्रस्तावित है ।

विद्यालय की स्थिति सुदृढ करने में सामुदायिक भूमिका

विद्यालय की समस्याओं के निराकरण में समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका होगी । स्थानीय समुदाय के सहयोग से नवीन विद्यालयों के लिए भूमि उपलब्ध करायी जायेगी । समुदाय सहयोग से कक्ष नि भवन , मरम्मत, चहारदीवारी , पेयजल की व्यवस्था करायी जायेगी । गरीब बच्चों के लिए समुदाय के लोगों से उनके गणवेश स्लेट पेन्सिल कापी इत्यादि की सामग्री की व्यवस्था के लिए सहयोग लिया जा प्रतिभावान बच्चों का पुरस्कृत करने की व्यवस्था समुदाय के सहयोग से करायी जायेगी ।

विद्यालय पर्यवेक्षण तथा अनुश्रवण मे सहयोग

गॉव के सम्मानित व्यक्ति शिक्षित एवं जागरूक अभिभावकों को प्ररित किया जायेगा ताकि वे अपने विद्यालय का समय –समय पर अनुश्रवण करते रहें तथा विद्यालय में होने वालें विभिन्न कार्यक्रमों भवन निर्माण, शौचालय निर्माण , चाहरदीवारी एवं अध्यापकों की उपस्थिति के सम्बन्ध में पूर्ण रूप से अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी समझ सकें तथा विद्यालय में शिक्षा के गुणत्मक स्वरूप का बनाये रखने में स दे सके ।

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A

अध्यापकों का सेवारत प्रशिक्षण

विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को गुणात्मक शिक्षा देने हेतु एवं शिक्षा की नवीन विधाओं के प्रयोग से शिक्षण कार्य करने हेतु जनपद में कार्यरत सभी अध्यापक / अध्यापिकाओ का 20 दिवसीय सेवारत प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा रही है तथा नवीन नियुक्ति अध्यापक अध्यापको का 30 दिवसीय प्रशिक्षण की व्यवस्था भी सर्वशिक्षा अभियान के अन्तर्गत किया गया है । यह प्रशिक्षण जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्था एवं बी0 आर0 सी0 में विभिन्न समूह बनाकर कराया जायेगा ।

सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी /एस0 डी0 आई0 का प्रशिक्षण

विद्यालय में गुणात्मक शिक्षा दी जा रही या नहीं तथा नवीन विद्याओ से अध्यापन कार्य किया जा रहा है इन पर्यवेक्षण हेतु स0 बे0 शि0 अधिकारियों एवं एस0 डी0आई0 का भी प्रशिक्षण की व्यवस्था की गयी है ।

विकासखण्डवार विकलागों की सूची 03 वर्ष से 18 वर्ष तक

क0 सं0	विकासखण्ड का नाम	क0सं0	छात्र का नाम	पिता का नाम	पता	विद्यालय का नाम	आयु	कक्षा	विकलांगता का प्रकार
1	पोखड़ा	1	कु0 नीरज	श्री हरीश सिंह	पंडियार गांव	–	3 वर्ष	–	मानसिक मन्दता
		2	कु0 प्रियंका	" विनोद बहुखण्डी	पोखड़ा	–	4 ½वर्ष	–	शारीरिक (पैर से)
		3	कु0 सुमन	" लक्ष्मण सिंह	नाली	–	5 वर्ष	–	मानसिक मन्दता
		4	कु0 ऋषिता	" कमलेश्वर	पोखड़ा	–	7 वर्ष	–	शारीरिक (पैर से) बीमारी
		5	कु0 पूजा	" दिनेश सिंह	गुठिण्डा	–	7 वर्ष	–	"
		6	सारथी	" कमलेश	झलपाड़ी	प्रा0 वि0 उल्लमखेत	10 वर्ष	3	कम सुनना (श्रवण दोष)
		7	कु0 गीता	" शशी प्रकाश	गजोड़ी	–	11 वर्ष	4 से ड्राप	शारीरिक मन्दता
		8	कु0 कुसुम	" कमलेश	झलपाड़ी	जू0 हा0 पालीधार	12 वर्ष	6	कम सुनना
		9	महेंन्द्र सिंह	" ज्ञान सिंह	झलपाड़ी	" पालीधार	13 वर्ष	7	श्रवण मन्दता
		10	जितेन्द्र	" जानकी प्रसाद	गवांणी	" किमगडडी	13 वर्ष	7	"
		11	रिंकू	" वेद प्रकाश	पैरोली	" ल्वींठा	15 वर्ष	7	मन्द बुद्धि
		12	उमेश	" तालेश्वर	बडेथ	–	16 वर्ष	7 से ड्राप	शारीरिक (पैर से)
		13	सुमनलता	" गोपी लाल	कोला	–	16 वर्ष	6 से ड्राप	"
		14	कुलदीप कुमार	" ओम प्रकाश	धारकी वीणा	–	16 वर्ष	5 से ड्राप	"
		15	पपी	" ध्यान सिंह	गडरी मली	–	16 वर्ष	8 से ड्राप	"
		16	विक्रम सिंह	" प्रेम सिंह	बैलोडी	प्रा0 वि0 खाल्यूंखेत	17 वर्ष	5	मूक
		17	अनिल कुमार	" सतीश चन्द्र	चलकुदिया	रा0इ0का0 कुणजाखाल	17 वर्ष	9	शारीरिक (पैर से)
		18	गंगा सिंह	" कृत सिंह	देवराडी तल्ली	रा0इ0का0 पोखड़ा	17 वर्ष	9	"
		19	ध्रुवराज	" शक्तिलाल	भदोली	–	17 वर्ष	8 से ड्राप	"

D.P.O. PAURI (GARHWAL) S.S.A.

2	पौड़ी	1	कन्हैया लाल	" दिलीप चन्द्र	केर्वास	प्रा0 वि0 केर्वास	5 वर्ष	1	शारीरिक (आंख बायी)
		2	कु0 रचना	" नरेन्द्र सिंह	"	"	5 वर्ष	1	शारीरिक (पैर)
		3	अजय सिंह	स्व0 " मातवर सिंह	गाडकामहरगांव	प्रा0 वि0 गाडकामरगांव	5 वर्ष	1	"
		4	मनीष	" प्रेम सिंह	थली	प्रा0 वि0 थली	6 वर्ष	1	मानसिक
		5	कु0 ममता	" उत्तम सिंह	जखेड	" जखेड	6 वर्ष	1	शारीरिक (पैर से)
		6	कु0 निषा	" राजपाल सिंह	गहड़	" गहड	6 वर्ष	1	शारीरिक (आंख से)
		7	कु0 दिव्याना	" फांदार सिंह	ननकोट	" ननकोट	7 वर्ष	2	"
		8	कु0 मीनाक्षी	स्व0 " मातवर सिंह	गाडकामहरगाव	प्रा0 वि0 गाडकामरगाव	7 वर्ष	3	शारीरिक (पैर)
		9	रविन्द्र	" राजन्द्र सिंह	पाली	" पाली	7 वर्ष	2	मन्द बुद्धि (मानसिक)
		10	कु0 अनीता	" रघुनन्दन लाल	गगवाड़ा	--	8 वर्ष	.	शारीरिक (पैर से)
		11	रविन्द्र	" त्रिलोक सिंह	गहड	" गहड	8 वर्ष	2	मानसिक
		12	नवीन सिंह	" मनमोहन सिंह	निसनी	" निसनी	9 वर्ष	3	शारीरिक (पैर से)
		13	विकास	" कैलाश पाण्डे	खपरोली	प्रा0 वि0 खपरोली	10 वर्ष	4	बोलने में
		14	वीर सिंह	" अमर सिंह	पावौ	" पावौ	10 वर्ष	4	मानसिक
		15	महेन्द्र सिंह	स्व0 " सुन्दर सिंह	कफलना	" चांदखेत	10 वर्ष	4	"
		16	शंकर लाल	" सुरेश लाल	कफलना	" चांदखेत	10 वर्ष	5	"
		17	वीरेन्द्र सिंह	" भरत सिंह	गाडकामरगांव	" गाडकामरगांव	10 वर्ष	5	शारीरिक (आंख)
		18	राहुल कुमार	" रामलाल	पाली	" पाली	10 वर्ष	5	हकलाना
		19	मकान सिंह	" दिनेश कान्त	पाली	" पाली	10 वर्ष	2	मानसिक मन्दबुद्धि
		20	कु0 ज्योति	" भगवान सिंह	न0 क्षे0 पौडी	न0 क्षे0 न0 1	10 वर्ष	2	मूकबधिर
		21	कु0 कौशल्या	" सरोप सिंह	मल्ली	प्रा0 वि0 मल्ली	वर्ष 11	3	शारीरिक / मानसिक
		22	आशीष	" मोहन सिंह	बहेली	" बहेली	11 वर्ष	5	" पैर से
		23	राजेश कुमार	" चिन्तामणी	मासौ	" मासौ	12 वर्ष	4	शारीरिक / मानसिक
		24	अलका	" सोहन लाल	तमलाग	जू0 हा0 ल्वाली	12 वर्ष	6	शारीरिक (पैर)
		25	शान्ति	" दिनेश चन्द्र	गगवाड़ा	" ल्वाली	12 वर्ष	6	" आंख से

		26	रेशमा	" कुशला लाल	गिरगांव	" गिरगांव	12 वर्ष	6	" पैर से
		27	कु0 ज्योति	" दिनेश लाल	केर्वास	प्रा0 वि0 केर्वास	12 वर्ष	3	" आंख
		28	कपिल देव	" जीत सिंह रावत	मल्ली राई	" न0 पा0 न0 1	12 वर्ष	3	मूकवधिर
		29	साक्षी	" दरवान सिंह	भिताई तल्ली	प्रा0 वि0 अमकोटी	12 वर्ष	4	शारीरिक (बोलने में)
		30	ममता	" प्रकाश	पुण्डारी	जू0 हा0 ल्वाली	13 वर्ष	7	आंख से
		31	कु0 लता	" सुरेन्द्र सिंह	सिण्डी	" सिण्डी	13 वर्ष	8	पैर से
		32	कु0 प्रेमलता	" श्याम लाल	घनक	" घनक	13 वर्ष	3	मानसिक
		33	कल्पना	" जसवन्त सिंह	उरेगी	जू0 हा0 उरेगी	13 वर्ष	8	आख, मूंह
		34	पूजा	" सोहन लाल	तमलाग	" ल्वाली	14 वर्ष	8	गले की हड्डी
		35	भरत सिंह	" शमशेर सिंह	गुमाई	–	15 वर्ष	–	बोलने में
		36	कृष्णा	" हर्ष लाल	बुड़ाकोट	जू0 हा0 छतकोट	15 वर्ष	3	पैर से विकलांग
		37	कु0 विक्की	स्व0 " सुन्दर सिंह	कफलना	" बाडा	15 वर्ष		मूकबधिर
3	कोट	1	विकास	श्री विनोद लाल		प्रा0 वि0 पोखरी		1	मानसिक विकलांग
		2	कु0 पूजा	श्री टेक राम		प्रा0 वि0 कोट		1	मूक हाथ पैर
		3	कु0 शिवानी	श्री धीरेन्द्र लाल		प्रा0 वि0 आनन्दपुर		1	मन्दबुद्धि
		4	कु0 पूनम	श्री मथुरा प्रसाद		प्रा0 वि0 घिण्डवाडा		1	हाथ पैर
		5	सूरज कुमार	श्री गिरीश चन्द्र		प्रा0 वि0 जवाडा		1	मूकवधिर
		6	कु0 नीमा	श्री गुलाब सिंह		प्रा0 वि0 बेलकण्डी		2	हाथ पैर ऑख
		7	विकास	श्री गणेश		प्रा0 वि0 खौलाचौरी		2	मानसिक
		8	तृप्ति	श्री पदमेन्द्र		प्रा0 वि0 खोलाचौरी		2	एक नेत्र
		9	कु0 राखी	श्री राजेन्द्र रावत		प्रा0 वि0 ऐराडी		2	वहरापन मन्दबुद्धि
		10	अमित सिंह	श्री चन्दन सिंह		प्रा0 वि0 दलमी		2	खन्डोस्ट बोलने में
		11	मोहन सिंह	श्री दरवान सिंह		प्रा0 वि0 बेलकण्डी		3	पैरों से
		12	वन्दना	श्री देवेन्द्र सिंह		प्रा0 वि0 चामपाणी		3	बोलने से
		13	अमित कुमार	श्री राजेन्द्र चन्द्र		प्रा0 वि0 ऐराडी		3	एक ऑख दृष्टिहीन

D.P.O. PAURI (GARHWAL) S.S.A.

		14	कीर्ति	श्री ज्ञान सिंह		प्रा0 वि0 वीर खाल		3	मूकवधिर
		15	सुरेन्द्र सिंह	श्री भीम सिंह		प्रा0 वि0 पोखरी		4	बायॉ हाथ पैर से
		16	जीतेन्द्र सिंह	श्री राम सिंह		प्रा0 वि0 रणाकोट		4	पैरो से
		17	बृजेश	श्री रोशन लाल		प्रा0 वि0 सबटरखाल		4	पैरो से
		18	कु0 सुमन	श्री कुन्दन लाल		प्रा0 वि0 ग्वाडउत्तरासू		4	हाथ पैर से
		19	कु0 अरचना	श्री राकेश सिंह		प्रा0 वि0 कण्डाला		4	एक पैर से
		20	कुलदीप सिंह	श्री बैशाख सिंह		प्रा0 वि0 छैतुड		4	मानसिक शारीरिक
		21	आनन्द सिंह	श्री फौदार सिंह		प्रा0 वि0 सिराला		4	हाथ से
		22	कर्ण सिंह	श्री गोपाल सिंह		प्रा0 वि0 खेडा		5	पैरो से
		23	संगीता	श्री कुशला लाल		प्रा0 वि0 बुरासी		5	नेत्रहीन (दृष्टि दोष)
		24	मनीष कुमार	श्री श्रेष्ठ		प्रा0 वि0 केमन		5	हकलाना तुतलाना
		25	सीता	श्री राकेश लाल		पू0 मा0 वि0 कन्डीवट		7	दायॉ पैर
		26	सुरेश चन्द्र	श्री प्रेम लाल		पू0 मा0 वि0 दुगली		7	दृष्टि दोष
		27	राजेश्वरी	श्री दुर्गन लाल		पू0 मा0 वि0 सलडा		7	खण्डोस्ट बोलने से
		28	सुमन सिंह	श्री अर्जुन सिंह		पू0 मा0वि0 मसाणगॉव		8	दृष्टि दोष
		29	सैलेन्द्र दास	श्री बूथा दास	सल्डा	–	17	–	मूकवधिर

4	पाबौ	1	मुकेश	श्री उरमान चन्द्र		प्रा0वि0 काटली	6	1	मूक एवं बधिर
		2	मोहित चन्द्र	श्री दलवीर चन्द्र		प्रा0वि0 चोरड़ी	6	2	दृष्टि दोष
		3	कवीन्द्र सिंह	श्री राजेन्द्र सिंह		प्रा0वि0 काटा	6	1	मूक
		4	कु0 रचना	श्री विजय राम		प्रा0वि0 पनांणा	6	1	मन्दबुद्धि
		5	कु0 पूजा	श्री बिर्जा लाल		प्रा0वि0 पनांणा	6	1	मन्दबुद्धि
		6	महेश लाल	श्री जासपाल		प्रा0वि0 गिडोली	6	1	हाथ व पैर लूला
		7	सुधीर कुमार	श्री जलक राम		प्रा0वि0 चारकण्डी	6	1	दृष्टि दोष
		8	कु0 मीना	श्री राजेन्द्र सिंह		प्रा0वि0 विड़ाली	6	1	मूक
		9	मोहित कुमार	श्री भजन सिंह		प्रा0वि0 काला	6	1	मन्दबुद्धि
		10	कु0 रजनी	श्री ज्ञानपाल सिंह		मा0 प्रा0निशा म0 चो0	6	1	हाथ पैर से विकलांग
		11	कु0 पूनम	श्री भरत सिंह		प्रा0वि0 सिमखेत	7	2	दृष्टि दोष
		12	ताजवर सिंह	श्री सुखदेव सिंह		प्रा0वि0 सुक्र	7	2	दृष्टि दोष
		13	कु0 ज्योति	श्री संजय कुमार		प्रा0वि0 पोखरीखेत	7	1	मानसिक विकलांग
		14	हरीश	श्री जगदीश सिंह		प्रा0वि0 फलद्वाडी	7	2	लूलापन
		15	कु0 पूजा	श्री डब्बल सिंह		प्रा0वि0 कालौ	7	3	मन्दबुद्धि
		16	पुष्पेन्द्र	श्री राम सिंह		प्रा0वि0 सिनखेत	8	3	मूक
		17	मुकेश	श्री मनवर सिंह		प्रा0वि0 बुठाणी	8	2	लूला
		18	कु0 बबली	श्री दीवान सिंह		प्रा0वि0 बनेख	8	3	ऑख दृष्टि दोष
		19	कु0 रश्मि	श्री रणवीर सिंह		प्रा0वि0 चोरकण्डी	9	3	मूक व मन्दबुद्धि
		20	विजय कुमार	श्री द्वारीका प्रसाद		प्रा0वि0 सिमखेत	10	5	एक ऑख बन्द
		21	छत्र बहादुर	श्री वीर बहादुर		प्रा0वि0 सिमखेत	10	4	दृष्टि दोष
		22	महेन्द्रसिंह	श्री भगवान सिंह		प्रा0वि0 चोपडियूं	10	4	पैर टेडा
		23	कु0 मीका	श्री गोविन्द लाल		प्रा0वि0 चोपडियूं	10	3	कूबड
		24	यशवन्तसिंह	श्री डब्बल सिंह रावत		प्रा0वि0 चिपलघाट	10	3	शारीरिक 45 प्रतिशत
		25	दीपक कुमार	श्री भरत लाल		प्रा0वि0 ग्वालखोडा	10	5	कानो से विकलांग

		26	अजय कुमार	श्री मातवर सिंह		प्रा0वि0 सैंजी	10	5	शारीरिक
		27	कु0 पीताम्बरी	श्री रणवीर सिंह		रा0क0पू0म0वि0 पालौ	11	6	हाथ से
		28	कु0 पुष्पा	श्री बालक राम		प्रा0वि0 चारकण्डी	12	2	मूक व मन्दबुद्धि
		29	कु0 अनिता सिंह	श्री यशवंत सिंह		पू0म0 वि0 निसणी	12	7	दृष्टि दोष
		30	कु0 सुनीता	श्री शंकार सिंह		क0 पू0 म0वि0 क्यार्क	13	6	पैर से
		31	कु0 कर्वाना	श्री गुण्डी लाल		क0पू0 म0 वि0 क्यार्क	13	7	पैर से
		32	धनपाल सिंह	श्री नरेन्द्र सिंह		पू0म0वि0 बिसल्ड	13	7	पैर से
		33	कु0 अनिता	श्री भगत सिंह		पू0म0वि0 गिठांली	14	7	पैर से
		34	विजयपाल सिंह	श्री मतदेव सिंह		क0पू0 म0 वि0 क्यार्क	14	7	दृष्टि दोष
		35	अनिल सिंह	श्री राम सिंह		पू0 म0 वि0 उल्ली	14	7	पैर से

5	द्वारीखाल	1	कु0 ज्योति		प्रा0वि0 ओडल	5	1	मुहँ से
		2	कु0 कंचना		प्रा0वि0 ओडल	5	1	मन्द बुद्धि बहरी
		3	विनोद कुमार		प्रा0वि0 बांघाट	5	1	मुहँ से
		4	अंजली		प्रा0वि0 सतपुली	5	1	मानसिक
		5	बीना		प्रा0वि0 डलब्याडी	5	1	मानसिक
		6	सागर		प्रा0वि0 सतपुली मल्ला	5	1	मानसिक
		7	गौरव कुमार		प्रा0वि0 बांघाट	6	2	आँख से
		8	गौरव		प्रा0वि0 सतपुली	6	2	मानसिक
		9	दीप चन्द		प्रा0वि0 ओडल	7	2	पैर से
		10	रचना		प्रा0वि0 सतपुली	7	2	मानसिक
		11	सवनम		प्रा0वि0 बुरांसी	8	3	पालियो ग्रस्त
		12	भीम सिंह		प्रा0वि0 सुमेरूसैण	8	3	मानसिक
		13	रणवीर सिंह		प्रा0वि0 ओडल	9	3	गूगा बहरा
		14	अमित सिंह		प्रा0वि0 खरीक	9	5	मानसिक
		15	वीना		पू0 म0वि0 गूमखाल	10	6	मुहँ कान से
		16	अजय कुमार		पू0 म0वि0 नैरूल	11	7	पॉव से
		17	पृथ्वी पाल		पू0 म0वि0 मजोखी	12	7	पॉव से
		18	सोहन लाल		पू0 म0वि0 उतिण्डा	13	8	शारीरिक
		19	प्रदीप कुमार		पू0 म0वि0 जमरखेत	13	7	शारीरिक

क0 सं0	विकासखण्ड का नाम	क0सं0	छात्र का नाम	पिता का नाम	पता	विद्यालय का नाम	आयु	कक्षा	विकलांगता का प्रकार
6	कल्जीखाल	1	कु0 संतोषी	श्री		प्रा0 वि0 कोडा	7	1	गूंगा (मूक)
		2	शिशुपाल			प्रा0 वि0 कुड़िगॉव	7	1	गूंगा (मूक)
		3	सुषमा		वेडपानी	--	7	–	शारीरिक
		4	ज्ञानचन्द्र			प्रा0 वि0 ओलना	8	4	कम से
		5	अरविन्द कुमार			प्रा0 वि0 दिउर्सी	8	4	ठहरापन
		6	पुरोषत्तम			प्रा0 वि0 पंचाली	8	2	मानसिक मन्दता
		7	दीपक सिहं			प्रा0 वि0 कांडा	8	3	दया हाथ नहीं
		8	सोहन सिहं			प्रा0 वि0 कुड़ीगॉव	9	3	मन्द बुद्धि
		9	प्रिया			प्रा0 वि0 बूंगा (II)	9	1	शाररिक
		10	देवेश्वरी			प्रा0 वि0 रिगंवाड़गॉव	10	4	पॉव खराब से
		11	महेन्द्र सिहं			प्रा0 वि0 सैली	10	3	शारीरिक मानसिक
		12	पिकीं			प्रा0 वि0 पंचाली	10	4	मानसिक
		13	अंकित			प्रा0 वि0 सीरों	10	3	मानसिक
		14	बवीता			प्रा0 वि0 बूंगा	10	5	पोलियो ग्रस्त (दोनो पॉव)
		15	करिश्मा			प्रा0 वि0 किमोली	10	5	पैर से
		16	अमित कुमार			प्रा0 वि0 दिउसी	10	5	बांये हाथ की उगंली टेडी
		17	पिंकी			प्रा0 वि0 मिरचोड़ा	10	5	पैर से
		18	जितेन्द्र प्रसाद			प्रा0 वि0 धारी	11	4	मानसिक
		19	रेखा			प्रा0 वि0 ओलना	12	4	मानसिक
		20	लक्ष्मण सिहं			प्रा0 वि0 रौतेला	12	3	दृष्टि दोष
		21	शाकम्बरी		सैली	--	13	–	मानसिक

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A.

		22	गीता			पू0 मा0 वि0	13	7	दांया पैर
		23	गोपाल			नलाईखाल	13	6	दायीं ऑख
		24	रेनु			पू0 मा0 वि0	13	6	हाथ पैर
		25	मुकेश			नलाईखाल	13	6	हाथ से
		26	कैलाश			पू0 मा0 वि0	13	6	शारीरिक
		27	मंगल सिहं			कल्जीखाल	13	6	शारीरिक
		28	राहुल कुमार,			पू0 मा0 वि0 रौड़खाल	14	7	पैर से
		29	हेमन्ती			पू0 मा0 वि0 धारी	15	8	शारीरिक
		30	वंदना		भटुली	पू0 मा0 वि0 डुंक	15	–	मानसिक
		31	सुमन		सीरौं	पू0 मा0 वि0	18	–	शारीरिक
		32	सुमन		सीरौं	सुतारगॉवं	–	–	शारीरिक मानसिक
						पू0 मा0 वि0 मिरचोड़ा			
						–			
						–			
						–			
7	एकेश्वर	1	हरेन्द्र सिंह	श्री दलवीर गिरि	कोयल गॉव	प्रा0वि0 संगलाकोटी	6	2	शारीरिक
		2	रचना	श्री गोपाल दत्त	धरॉसू	प्रा0वि0 धरासू	6	1	मानसिक
		3	राहुल	श्री कमल किशोर	श्रीकोटखाल	–	6	–	शारीरिक
		4	आलम	श्री दरवान सिंह	नौगॉव कमन्दा	–	7	–	मानसिक
		5	रिकी	श्री उत्तम सिंह	हलूणी	प्रा0वि0 हलूणी	7	3	गूँगी
		6	ऋषव	श्री हरिमोहन	नगरोली	प्रा0वि0 बग्याली	7	1	मानसिक मन्दता
		7	मालती	श्री मातवर सिंह	थापला	–	8	–	–
		8	मनीष	श्री जय सिंह	धौडा	–	9	–	शारीरिक मानसिक
		9	संदीप	श्री पाती राम	डियूल्ड	प्रा0वि0 डियूल्ड	10	4	बोलने मे कठिनाई
		10	रविन्द्र	श्री रूपचन्द	डियूल्ड	प्रा0वि0 डियूल्ड	10	3	मानसिक मन्दता

		11	रश्मि	श्री दर्शन सिंह	बिजोली	प्रा0वि0 बिजोली	10	4	मानसिक मन्दता
		12	सपना	श्री भूपेन्द्र सिंह	बंठोली	प्रा0वि0 बन्ठोली	11	4	मानसिक मन्दता
		13	पकज सिंह	श्री हरेन्द्र सिंह	बिजोली	इ0का0 रीठाखाल	11	6	शारीरिक
		14	सुमन	श्री जय सिंह	कांयलगॉव	जू0ह0 हलूणी	11	6	शारीरिक
		15	निधि	श्री धर्मवीर सिंह	गुराडमल्ला	–	12	–	मानसिक
		16	रुचि	श्री पातीराम	डियूल्ड	प्रा0वि0 डियूल्ड	12	4	बोलने मे कठिनाई
		17	सर्वेन्द्र सिंह	श्री भरत सिंह	नाली	–	12	–	मानसिक मन्दता
		18	सोनू	श्री इन्द्र सिंह	नौगॉव खाल	प्रा0वि0 नौगॉवखाल	12	4	मानसिक मन्दता
		19	शोभा	श्री बलीराम	चमडल	–	12	–	शारीरिक
		20	डौली	श्री रणवीर सिंह	कठुली	क0 जू0 कठुली	12	6	बहरापन
		21	शशांक	श्री परवेश धस्माना	बग्याली	प्रा0वि0 बग्याली	12	3	शारीरिक मानसिक
		22	रेणु	श्री रामकृपाल	मलेथा	जू0हा0 एकेश्वर	13	6	शारीरिक मानसिक
		23	शान्ति	श्री वीरेन्द्र प्रसाद	स्योली	इ0का0 नौगॉवखाल	13	6	मानसिक
		24	अशोक	श्री बुद्धबल्लभ	पालकोट	–	13	–	शारीरिक
		25	नीलम	श्री हर्षपाल	गजेरा	–	13	–	मानसिक
		26	पंकज	श्री मोहन सिंह	दलवौ	–	14	–	शारीरिक
		27	ममता	श्री कपिल	नौगॉव खाल	–	14	–	मानसिक मन्दता
		28	पदमा	श्री सहदेव	चुरिन्डा	–	15	–	शारीरिक
		29	बबीता	श्री पुरूषोतम	कियोलीतल्ला	–	15	–	मानसिक
		30	सुनीता	श्री आलम सिंह	जैतोली तल्ली	जू0हा0 जैतोली	15	7	मूक बधित
		31	कु0 निर्मला	श्री डब्बल सिंह	जैतोली तल्ली	जू0 हा0 एकेश्वर	15	7	शारीरिक
		32	कु0 पुष्पा	श्री मोहन लाल	मरडा	–	16	–	शारीरिक
		33	सीमा	श्री अजय दत्त	घला	जू0 हा0 इन्द्रापुरी	17	7	मानसिक
		34	जितेन्द्र	श्री रमेश चन्द्र	नौगांव कमदा	–	18	–	मानसिक
		35	बृजेश	श्री सर्वेश्वर प्रसाद	कुमराड़ी	–	18	–	मानसिक

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A.

		36	विनीत सिहं	श्री हुकुम सिहं	मासौ	इ0 का0 मासो	18	12	शारीरिक
		37	प्रमोद सिह	राजेश सिह	मैणां	–	18	–	मानसिक
8	जहरीखाल	1	कु0 संगीता			प्रा0 वि0 जदला		1	शारीरिक
		2	कु0 सीमा			प्रा0 वि0 पडरगॉव		1	शारीरिक
		3	शुभम			प्रा0 वि0 जडियाणा		2	शारीरिक
		4	गणेश			प्रा0 वि0 जडियाणा		2	मानसिक
		5	प्रदीप			प्रा0 वि0 जदला		2	मानसिक
		6	सोहन			प्रा0 वि0नग्याणा		2	शारीरिक
		7	सुशील			प्रा0 वि0 गुनियाल		3	दुष्टिदोष
		8	मनोज			प्रा0 वि0 सिद्धपुर		3	दोनो पैर नहीं
		9	बीना			प्रा0 वि0		5	शारीरिक कुवडापन
		10	चन्द्रमोहन			धोलखेतखाल		5	हथेली और पैरो के पंज
		11	बीना			प्रा0 वि0 गजवाड़		6	जले हुये
		12	मोहन			पू0 मा0 बूचारखाल		7	मानसिक
		13	अबल सिंह			पू0 मा0 बूचारखाल		7	मानसिक
		14	मायाराम			पू0 मा0 मठाली		8	बांया पैर पोलियो ग्रस्त
		15	पूनम			पू0 मा0 मठाली		8	घुटने का गतिशील न होना
						पू0 मा0 मठाली			दांयी ऑख न होना
9	बीरोंखाल	1	जगत सिंह	दान सिहं		पू0 मा0 वि0 सीली	13	7	पॉव से विकलॉग
		2	कु0 शान्ति	देवेन्द्र सिहं		पू0 मा0वि0 संकुल	8	4	
		3	रमेश	रामशेर सिहं		कोटा	–	3	
		4	उषा	राकेश		पू0 मा0 वि0 बीरोखाल	–	2	
						पू0 मा0 वि0 ग्वीनखाल			

10	दुगडडा	1	अजय सिंह	श्री वचन सिंह		प्रा0 वि0 मवाकोट	6	2	दाहिना पैर उलटा
		2	मुकेश सिंह	" फते सिंह		प्रा0 वि0 स्यालिगा	6	2	मूक
		3	कुलदीप	" चन्दन सिंह		प्रा0 वि0 स्यालिगा	6	2	मानसिक
		4	सन्तन सिंह	" मोहन सिंह		प्रा0 वि0 ईड़ाग्वीराली	6	2	मूक
		5	कविता	" शिव सिंह		प्रा0 वि0 रामड़ी	6	1	मानसिक
		6	सोहन सिंह	" घनश्याम सिंह		प्रा0 वि0 पुलिण्डा	6	2	कान से श्रवण दोष
		7	दीपा	" राजेन्द्र सिंह		प्रा0 वि0 उर्तिच्छा	6	1	कान से श्रवण दोष
		8	ज्योति	" सोहन सिंह		प्रा0 वि0 कोटडीडांग	6	1	पैर से
		9	प्रदीप	" देवेन्द्र सिंह		प्रा0 वि0 सुखरो देवी	6	1	मानसिक
		10	सानी	" तेजपाल सिंह		प्रा0 वि0 उदयराम पुर	6	2	कुबड़
		11	विक्रम सिंह	" चन्द्र सिंह		प्रा0 वि0 उदयरापुर	6	2	मूकवधिर
		12	राजेन्द्र सिंह	" आनन्द सिंह		प्रा0 वि0 चड़ीचौड़ उ0	6	1	मूकवधिर
		13	गिरीश चन्द्र	" वासुदेव		प्रा0 वि0 सिगडडी	6	1	मूकवधिर
		14	जगत सिंह	" महेन्द्र सिंह		प्रा0 वि0 दलीपपुर	6	1	ऑखो से दृष्टि
		15	सतेन्द्र सिंह	" राजवीर सिंह		प्रा0 वि0 देवराम पुर	6	2	एक हाथ
		16	विकारा	" दयाल सिंह		प्रा0 वि0 सिगडडी	6	2	मूकवधिर
		17	रिंकी	" प्रेम सिंह		प्रा0 वि0 वल्ली	7	3	मूकवधिर
		18	सौरभ	" सुरेन्द्र सिंह		प्रा0 वि0 पुलिण्डा	7	3	हाथ से
		19	आकाशदीप	" पूरण सिंह		प्रा0 वि0 लालपानी	7	1	मानसिक
		20	सुमन	" राजेन्द्र सिंह		प्रा0 वि0 कुम्भीचौड़	7	3	पैर से
		21	पूनम	" भारत सिंह		प्रा0 वि0 देवरामपुर	8	2	शारीरिक
		22	विनय	" जगदीश सिंह		प्रा0 वि0 चरेख	8	3	ऑख
		23	इस्लाम्मुदीन	" मो0 जलील		प्रा0 वि0 मथाणा	8	3	कान
		24	सोहन सिंह	" दिलबर सिंह		प्रा0 वि0 पुलिण्डा	8	3	हाथ से
		25	कु0 अंकिता	" हरेन्द्र सिंह		प्रा0 वि0 लालपानी	8	2	मानसिक

		26	भोपाल सिंह	" सुरेन्द्र सिंह		प्रा0 वि0 लालपानी	8	1	मानसिक
		27	विपुल किशोर	" सुरेन्द्र प्रसाद		प्रा0 वि0 लालपानी	8	3	मानसिक
		28	मनीषा	" ज्ञान सिंह		प्रा0 वि0 सिमलचौड़	8	1	पोलियो ग्रस्त
		29	अनिरुद्ध	" भगवान्द्र सिंह		प्रा0 वि0 सुखरोदेवी	8	3	पैर से
		30	बृजेश कुमार	" नन्तोष कुमार		प्रा0 वि0 सुखरोदेवी	8	2	मानसिक
		31	बीरेन्द्र सिंह	" त्रिलोक सिंह		प्रा0 वि0 हल्दुखाता	8	4	पैर से
		32	रेखा	" प्रेम सिंह		प्रा0 वि0 झण्डीचौड़	8	3	मूकबधिर
		33	कंचन	" हरेन्द्र सिंह		प्रा0 वि0 जम्मरगड्डी	8	3	शरीरिक
		34	धर्मानन्द	" सोहन लाल		प्रा0 वि0 अमोला	9	5	शारीरिक
		35	शोभा	" गणजीत सिंह		प्रा0 वि0 झण्डीचौड़	9	5	मूकबधिर
		36	रचना	" केशवा नन्द		उ0	10	3	मानसिक
		37	अलका	" मदन सिंह		प्रा0 वि0 लालपानी	10	6	पैर से
		38	सुनीता	" दान सिंह		प्रा0 वि0 लोकमर्णापुर	11	7	पैर से
		39	गिरीश चन्द्र	" सुभाष चन्द्र		प्रा0 वि0 लोकमर्णापुर	12	8	शारीरिक
		40	संदीप	" बुद्धि सिंह		प्रा0 वि0 भदालीखाल प्रा0 वि0 हलदुखाता	14	2	देखने मे असमर्थ
11	खिर्सू	1	पंकज कुमार	स्व0 श्री जगत सिंह	जलेथा	--	5	–	शारीरिक
		2	सचिन			प्रा0 वि0 चमराडा	6	2	मानसिक
		3	मनोज कुमार	स्व0 श्री जगत सिंह	जलेथा	प्रा0 वि0 जलेथा	7	1	शारीरिक
		4	दीपक	श्री सुलतान सिंह	गजेली	प्रा0 वि0 सौडगजेली	7	1	बहरापन
		5	किरन	श्री सुरेन्द्र सिंह	भटोली	–	7	–	गूँगापन
		6	सूरज	श्री धीरेन्द्र	जलेथा	--	7	–	मन्दबुद्धि (मानसिक)
		7	महेश्वरी	श्री श्याम लाल	जोगडी	प्रा0 वि0 जोगडी	9	3	शारीरिक
		8	अमित	श्री रूपराय	कफोली	प्रा0 वि0 कफोली	9	2	गूँगा मानसिक
		9	कुलदीप		कडोली	प्रा0 वि0	9	2	शारीरिक

लग्यात्यूबगड

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A.

		10	रश्मि	श्री जगत सिंह	जलेथा	लग्याल्यूबगड	9	4	शारीरिक
		11	मिन्टू	श्री गोविन्द लाल	केवटमोहल्ला	प्रा0 वि0 जलेथा	9	4	शारीरिक
		12	साधना		हरकन्डी	न0पा0 श्रीनगर	10	5	मानसिक मन्दता
		13	ममता		पदालयूँ	प्रा0 वि0 हरकन्डी	10	–	बहरापन
		14	प्रहलाद	श्री मंगल सिंह		–	11	3	मन्दबुद्धि
		15	शांन्ति		सिंगोरी	प्रा0 वि0 गहड	11	4	शारीरिक
		16	सुमन		केवटमोहल्ला	प्रा0 वि0 सिंगोरी	12	5	बहरापन
		17	अचिता	राजेन्द्र सिंह	श्रीकोट	न0 पा0 श्रीनगर	13	–	मन्दबुद्धि
		18	विपिन्न			–	14		
		19	देवेन्द्र	श्री मणिलाल	अम्बेडकरजैखाल		17		मृकबधित
		20	जैकेश	कुन्ती लाल	केवटमोहल्ला	–	18	–	गूँगापन
		21	सुभाष	भोपाल सिंह	गेरू	–	18	–	शारीरिक
						–			
12	थलीसैण	1	आनन्द सिंह			प्रा0वि0 बूँगीधार	6	1	दोनो पॉव से विकलांग
		2	कु0 बबली			प्रा0वि0 नौगॉव	6	1	मानसिक कमजोरी
		3	मुकेश			प्रा0वि0 गडोली	6	1	एक पॉव से अपंग
		4	सविता			प्रा0वि0 रिखोली	6	1	गूँगापन
		5	सरस्वती			प्रा0वि0 कोकली	6	1	पॉव से अपंग
		6	प्रदीप कुमार			प्रा0वि0 कनकोट	6	1	गूँगापन
		7	धीरा सिंह			प्रा0वि0 पापतोली	7	2	दोनो पॉव से विकलांग
		8	कु0 गुडडी			प्रा0वि0 कुठ	7	2	दृष्टि दोष
		9	कु.0 गीता			प्रा0वि0 कोकली	7	2	पॉव से अपंग
		10	वृजेश लाल			प्रा0वि0 पल्ली	7	2	हाथ से अपंग
		11	जसवन्त सिंह			प्रा0वि0 कनाकोट	7	2	गूंगापन
		12	सुन्दरी			प्रा0वि0 पापतोली	8	3	दोनो पांव से

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A.

		13	रूकमणी			प्रा0वि0 मैखोली	8	3	एक पांव से
		14	रघुवीरसिंह			प्रा0वि0 सुनारगॉव	8	3	ऑख से देख न पाना
		15	सुनीलदत्त			प्रा0वि0 आन्दरिखोली	8	3	दोनो हाथ नहीं है
		16	कु0 शान्ति			प्रा0वि0 कोकली	8	3	गूंगा पन
		17	राम सिंह			प्रा0वि0 कुचोली	8	3	बहरापन
		18	दिनेश			प्रा0वि0 बूर्गाधार	8	4	दोनो पांव से विकलाग
		19	गंगा सिंह			प्रा0वि0 पापनाली	9	4	कान खराव
		20	देव सिंह			प्रा0वि0 पापनाली	9	4	एक हाथ से
		21	राम सिंह			प्रा0वि0 ग्वींठगॉव	9	4	बहरा पन
		22	सोहन लाल			प्रा0वि0 ईडा	9	4	पैर से अपंग
		23	मनवर लाल			प्रा0वि0 सलान	9	4	बहरा पन
		24	दीवान सिंह			प्रा0वि0 कुण्डिल	9	4	बहरापन
		25	भरत सिंह			प्रा0वि0 कुचौली	9	4	हाथ से अपंग
		26	सावर सिंह			प्रा0वि0 कुचौली	9	4	बहरा पन
		27	गबर सिंह			प्रा0वि0 कुचौली	9	4	बहरापन
		28	पार्वती			प्रा0वि0 पैलार	9	4	हाथ से अपंग
		29	संजय सिंह			प्रा0वि0 मनसारी	10	5	पीठ पर कुबडा
		30	ठाकुर सिंह			प्रा0वि0 कपरोली	10	5	दोंनो पॉव से अपाहिज
		31	महिपाल सिंह			प्रा0वि0 बगवाडी	10	5	कान ना सुनना
		32	मनीष सिंह			प्रा0वि0 ग्वींठ गॉव	10	5	गूंगापन
		33	सुरेन्द्र सिंह			प्रा0वि0 गडोली	10	5	दृष्टिदोष
		34	मोहन सिंह			प्रा0वि0 गडोली	10	5	पैर से अपंग
		35	रानी			प्रा0वि0 कुठ	10	5	पैर से अपंग
		36	बलवन्त सिंह			प्रा0वि0 कुठ	10	5	पैर से अपंग
		37	सावर सिंह			प्रा0वि0 कोकली	10	5	हाथ खराब

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A.

		38	सते सिंह			प्रा0वि0 कुचौली	10	5	दृष्टिदोष
		39	सुरेन्द्र लाल			प्रा0वि0 पल्ली	10	5	हाथ से अपंग
		40	उत्तम सिंह			जू0हा0 पलाण	11	6	दायां पैर खराब
		41	कु0 ईश्वरी			जू0हा0 बडेथ	11	6	दायां पैर अपंग
		42	गणेश			जू0हा0 बडेथ	11	6	पांव हिस्सा पोलियो ग्रस्त
		43	नरेन्द्र सिंह			जू0हा0 बडेथ	11	6	पीठ पर कूबड़
		44	पूरन सिंह			जू0हा0 रिस्सी	11	6	दृष्टिदोष
		45	चतर सिंह			जू0हा0 देवधार	11	6	हाथ पांव व चेहरा जला है
		46	विशन दत्त			जू0हा0 डांग	12	7	एक हाथ एक पैर से अपंग
		47	राम सिंह			जू0हा0 कठलूडखाल	12	7	एक पांव से अपंग
		48	हर्ष सिंह			जू0हा0 बडेथ	12	7	दाया पैर अपंग
		49	प्रेम सिंह			जू0हा0 बडेथ	12	7	आंख वा हाथ से अपंग
		50	अनिता			जू0हा0 जाथरी	12	7	पांव से अपंग
		51	वीरेन्द्र सिंह			जू0हा0 कठलूडखाल	13	8	एक पांव खराब
		52	रविन्द्र सिंह			जू0हा0 बडेथ	13	8	दोंनो आंखे खराब
		53	सम्पाति			जू0हा0 चौरा	13	8	दोंनो हाथ की अंगुलियां नही
		54	कर्ण सिंह			जू0हा0 चौरा	13	8	है।
									दोंनो आंखें खराब
	यमकेश्वर	1	शिवानी	पुष्कर सिंह	आवई	–	4	–	शारीरिक
		2	मुकेश	खुशीराम	मिलथाणी	–	5	–	बोलना
		3	सुनीता	प्रवीन सिंह	ठांगरआंकरा	ठांगर	6	1	मानसिक
		4	सन्दीप	सुरेश सिंह	घयाल गांव	पोखरी	6	2	बोलना
		5	कुलदीप	गोकुल प्रसाद	जियदमराड़ा	दमराड़ा	9	3	दृष्टि दोष
		6	हरेन्द्र सिंह	सोहन सिंह	बसारी	पु0 मा0 सीला	10	6	दृष्टि दोष
		7	मनीषा	मानचन्द	चीला	–	11	–	शारीरिक मानसिक

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A.

		8	देवेन्द्र	सुरेश सिंह	घयाल गांव	पोखरी	11	4	बोलना
		9	आशुतोष	मनमोहन	ठांगरसंकरा	ठांगर	11	3	शारीरिक
		10	नीरज	मनमोहन	विजयपुर	रा0 हा0 मोहनचटी	11	6	दृष्टि दोष
		11	रामेश्वरी	वीरेन्द्र सिंह	सिलसारी	–	12	–	मानसिक मन्दता
		12	प्रीतम	गोविन्द सिंह	वनास मल्ला	–	12	–	दृष्टि एव श्रवण दोष
		13	शेर सिंह	विशन सिंह	घयाल गांव	तिलधारखाल	12	7	मानसिक
		14	महावीर	गोपाल सिंह	जामली गांव	तिलधारखाल	12	6	शारीरिक
		15	नरेश	प्रेम सिंह	रणचूला	–	12	–	शारीरिक
		16	राजेश सिंह	खुर्शाराम	तिमल्यांणी	–	12	–	श्रवण दोष
		17	धर्मेन्द्र	रूपचन्द	धारी	धारी	12	2	मानसिक मन्दता
		18	राजेश्वरी	दर्शन सिंह	ढकेडा	सिगडी	13	7	पोलियो ग्रस्त
		19	सोनिया	जसवन्त सिंह	चीला	–	14	–	शारीरिक
		20	उदरी	वीर सिंह	रामजीवाला	–	14	–	शारीरिक मानसिक
		21	नवीन सिंह	रणजीत सिंह	हरसोली	सीला	14	8	शारीरिक
		22	राजवीर सिंह	वृजमोहन	सेल्डी	–	14	–	सुनन बोलना
		23	विमला	आनन्द सिंह	वांदणी	–	15	–	मानसिक
		24	रोशनी	जगदीश सिंह	फेंडवा	इ0 का0 भृगुखाल	15	10	दृष्टि दोष
		25	मनवीर	निहाल सिंह	मंजुरा	–	17	–	शारीरिक
		26	हनी	सर्वेश्वर प्रसाद	वनासं मल्ला	–	17	–	दृष्टि/श्रवण
		27	सिकन्दर सिंह	दौलत सिंह	विजनीवडी	–	17	–	शारीरिक
		28	मुन्नी	रिखा सिंह	घयाल गांव	–	18	–	दृष्टि
	रिखणीखाल	1	सोनिया	दिनेशा चन्द्र	नुमेरा	–	5		शारीरिक
		2	गुला	रामलाल	कर्तिया	–	6		मानसिक
		3	प्रीति	जगदीश प्रसाद	जेठी गांव	–	6		शारीरिक मानसिक
		4	पिंकी	मंगल सिंह	जेठी गांव	–	6		–"–

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A.

		5	शशि	अर्जुन सिंह	उनेरी	प्रा0 वि0 उनेरी	7	3	श्रवण दोष
		6	राजेश	प्रकाश चन्द्र	गुठेर्ता	प्रा0 वि0 गुठेर्ता	7	1	बोलना
		7	सुनील कुमार	मक्खन लाल	सुलमोडी	प्रा0 वि0 सुलमोडी	7	2	शारीरिक मान0
		8	अनिल कुमार	सुरपाल	मैन्दर्णा	प्रा0 वि0 मैन्दडी	8	3	हाथ पैर
		9	नरेन्द्र सिंह	महावीर सिंह	चिनना	प्रा0 वि0 अगरोडा खाल	8	1	पैर खराब
		10	प्रवीन	सुरेन्द्र सिंह	किनगांव	प्रा0 वि0 खिन्ना खेत	9	2	शा0
		11	अनुप कुमार	लर्लीता प्रसाद	मंज्याणी	–	10		शा0
		12	दीपक सिंह	मंगत सिंह	घेडी	प्रा0 वि0 घेडी	10	2	पोलियो
		13	रेखा	प्रकाश चन्द्र	गुठेर्ता	पू0 मा0 डाबरी	10	6	मूक बधिर
		14	वीर सिंह	इन्द्र सिंह	वनगढ़	पू0 मा0 वनगढ़	10	4	श्रवण दोष
		15	रश्मि	ओम प्रकाश	घेडी	पू0 मा0 घेडी	11	5	मूक
		16	मुकेश	पुष्कर सिंह	चुरानी	पू0 मा0 चुरानी	11	3	मान0
		17	राकेश	पुष्कर सिंह	चुरानी	पू0 मा0 चुरानी	11	3	मान0
		18	मुकेश	सुरेन्द्र सिंह	किलगांव	पू0 मा0 खिन्ना खेत	11	3	शा0
		19	प्रमोद	चमन सिंह	वनगढ़	पू0 मा0 वनगढ़	11	4	मंद बुद्दि
		20	प्रदीप	रोशन लाल	कोटर्ढ़ी	पू0 मा0 कोटडी	12	4	बिना कान
		21	कली	राम लाल	कर्तिया	–	12		मान0
		22	भूपेन्द्र सिंह	कृपाल सिंह	कांडा	पू0 मा0 कांडा	12	5	शा0
		23	सुनील कुमार	सुरपाल	मैन्दडी	रा0 इ0 का0 डाबरी	13	6	हाथ
		24	धीरज सिंह	चमन सिंह	वनगढ़	रा0 इ0 का0 वनगढ़	13	4	मंद बुद्दि
		25	मोहन सिंह	रामकृपाल	दलमोटा	रा0इ0का0 रिखणीखाल	14	6	गूंगा
		26	सन्तोष	गबरी लाल	सुन्दोली	रा0 इ0का0 किलोरखाल	14	9	दृष्टि

D.P.O.PAURI(GARHWAL)S.S.A.

SUMMARY PORJECT COST
DISTT. PAURI

YEAR	ACCESS	RETENTION	QUALITY	CAP.BUILDING	TOTAL COST
2001-2002 Amount	12204.000	23987.5	21643.06	2325.2	60159.76
As % of Total P.Cost	20.29%	39.87%	35.98%	3.36%	100%
2002-2003 Amount	35841.065	54303.02	21901.54	2661	114706.625
As % of Total P.Cost	31.25%	47.34%	19.09%	2.32%	100%
2003-2004 Amount	34051.565	79093.94	21708.32	2889	137742.825
As % of Total P.Cost	24.72%	57.42%	15.76%	2.10%	100%
2004-2005 Amount	35366.815	68981.7	22328.5	2939	129616.015
As % of Total P.Cost	27.29%	53.22%	17.23%	2.26%	100%
2005-2006 Amount	35028	10503.295	21470.5	2799	69800.795
As % of Total P.Cost	50.18%	15.05%	30.77%	4.00%	100%
2006-2007 Amount	35028	12937.1	17461.65	2799	68225.75
As % of Total P.Cost	51.34%	18.96%	25.60%	4.10%	100%
Grand Total	187519.445	249806.555	126513.57	16412.2	580251.77
As % of Total Cost	32.32%	43.05%	21.80%	2.83%	100%

PROJECT COST
SERVE SHIKSHA ABHIYAN

PAURI

S No	Head / Sub Head Activity	Unit Cost (in thousand)	2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		2005-2006		2006-2007		Total	
			Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin
A2	Intervention for out of School															
1	A.I.E Primary Including all Models	.845 /child/ year			97	81.965	97	81.965	97	81.965						245.895
1A	A.I.E UpperPrimaryLevel	1.2/child/year			143	171.6	143	171.6	143	171.6						514.8
2	E.G.S	1P.M.P Center	14	168	45	540	31	372							90	1080
2A	Upgradation of E.G.S. to primary school	275					14	38.5	31	85.25					45	123.75
A3	Back to Schooi	1.5/Child/year.	1472	2208	443	664.5	200	300							2115	3172.5
A4	Bridge Remedal Course															
	Total A2, A3, A4			2376		1458.1		964.07		338.82						5136.945
	Sub Total A			**12204**		**35841**		**34052**		**35367**		**35028**		**35028**		**187519.4**

PROJECT COST
SERVE SHIKSHA ABHIYAN
PAURI

S No.	Head / Sub Head Activity	Unit Cost (in thousand)	2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		2005-2006		2006-2007		Total	
			Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin
R	**Retention**															
1	Additional Class Room PS	70	10	700	30	2100	50	2500	7	490					97	6790
	UPS	70	15	1050	10	700									25	1750
R1	Toilet PS+UPS	15	15	225	100	1500	100	1500	76	1140					291	4365
2	Ree Constraction Old UPS	275	20	5500	10	2750	140	38500	140	38500					310	85250
3	Ree Constraction Of UPS	400	10	4000	5	2000									15	6000
R2	Drinking Water PS+UPS	20	50	1000	50	1000	384	7680	384	7680					868	17360
R3	Repair & Maintinance PS+UPS	5	50	250	150	750	600	3000	648	3240					1448	7240
	Boundary Wall PS	40	30	1200	600	24000	86	3440							716	28640
	Boundary Wall UPS	50	20	1000	100	5000	80	4000							200	10000
	Total R+R1+R2+R3			**14925**		**39800**		**61620**		**48300**						**167395**

PROJECT COST
SERVE SHIKSHA ABHIYAN
PAURI

S. No.	Head / Sub Head Activity	Unit Cost (in ~~thousand~~)	2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		2005-2006		2006-2007		Total	
			Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin
R4	School Improvement Grant PS	2	1659	3318	1662	3324	1676	3352	1707	3414	1707	3414	1707	3414		20236
	UPS	2			638	1276	638	1276	638	1276	638	1276	638	1276		6380
R5	Innovative Programme															
1	SUPW for Girls Promoting Girls Edu	25			60	1500			60	1500			60	1500		4500
	Summer Camp															
R6	MCDA including Gender Senligation															
R7	SUPW for Girls (Computer)	170			8	1360	7	1190								2550
R8	Opening of ECCE Centre Non ICDS Block															
1	Stenthing of ICDS Centre															
2	Development & Distibution ECCE Material	100 per distt.			1	100										100
3	Civil Work One Additional Room															
4	TLM	5			182	910	182	910	182	910	182	910	182	910		4550
5	Add. Horoarium	(250+125)=. 375			182	819	182	819	182	819	182	819	182	819		4095
6	Contengency Req Grant	1.5/center			182	273	182	273	182	273	182	273	182	273		1365
7	Trainig of ECCE Instractor at (BRC)				182	63.7	182	63.7	182	63.7	182	63.7	182	63.7		318.5
	Induction															
	Recuring															
	TOTAL					2165.7		2065.7		2065.7		2065.7		2065.7		10428.5

PROJECT COST
SERVE SHIKSHA ABHIYAN
PAURI

S No	Head / Sub Head Activity	Unit Cost (in thousand)	2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		2005-2006		2006-2007		Total	
			Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin
R9	Community Mobilisation															
1	MTA/PTA Training	0.1	6400	128	6896	137.92	112	2.24	248	49.6						317.76
2	Kala Jatha (VEC) Block Lavle & Disst Level	8 /BRC	118	944	2	16									120	960
3	Development of awarencess Material	5 / Block			15	75									15	75
4	Ball Mela at NPRC	5 / Block		118	590	2	10								120	600
5	Production of Audio Tap	10	1	10			1	10	1	10						30
6	Production of Vedio Tap	10	1	10			1	10	1	10						30
7	Asst to NGOS for community Mobilisation	50					1	50								50
	Total			1092		818.92		82.24		69.6						2062.76

PROJECT COST
SERVE SHIKSHA ABHIYAN
PAURI

S. No.	Head / Sub Head Activity	Unit Cost (in thousand)	2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		2005-2006		2006-2007		Total	
			Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin
R 10	Award of VEC	25st,15nd	2	40	2	40	2	40	2	40	2	40	2	40		240
R 11	Award of Best Shiksha Mitra	5	15	75	15	75	15	75	15	75	15	75	-			450
R 12	Remedial Teaching SC/ST Childern	0.705/child	500	352.5			5000	3525	5000	3525	179	126.195				7528.7
R 13	Assitance of NGOS for SC/ST Education															
R 14	Provision for Disbled Childern	1.20/child	451	541.2	451	541.2	451	541.2	451	541.2	451	541.2	451	541.2		3247.2
R 15	Assitance of NGOS for Intigrated Inosive															
R 16	Computer Education for UPS	100					15	1500	15	1500						3000
1	School Heath Checkup PS/UPS	.500/School	500	250			810	405	810	405			2120	1060		2120
2	Book Bank and School Library PS+UPS	5.0 / School	100	500	100	500	100	500	111	555					411	2055
	Total R16			**750**		**500**		**2405**		**2460**				**1060**		7175

PROJECT COST
SERVE SHIKSHA ABHIYAN
PAURI

Head / Sub Head Activity	Unit Cost (in thousand)	2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		2005-2006		2006-2007		Total	
		Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin
R E M S.															
R E M S (Research Evaluation Monitoring Supervision	Total No. Of School*.1400	2067	2893.8	2073	2902.2	2087	2921.8	2118	2965.2	2118	2965.2	2118	2965.2		17613.4

PROJECT COST
SERVE SHIKSHA ABHIYAN
PAURI

S No	Head / Sub Head Activity	Unit Cost (in thousand)	2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		2005-2006		2006-2007		Total	
			Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin
Q	Quality improvment															
Q1	Training Programme															
1	Indection Training for Siksha Mitra including Trainers (30 Days)	.07/Person/day	118	247.8	3	6.3	14	29.4	31	65.1						348.6
2	Indection Traninig Asst Teacher PS 30 days															
3	Indection Training of Head Teacher PS 20 Days															
4	Indection Trainig of Head Teacher UPS 20 Days															
5	In Service Teacher Traning PS/UPS 10 Days	.07/Person/day	6495	4546.5	6515	4560.5	6543	4580.1	6605	4623.5	6605	4623.5				22934.1
6	In Service Traning Siksha Mitra 10 Days	.07/Person/day			119	83.3	133	93.1	164	114.8	164	114.8	164	114.8		520.8
7	In Service Traning EGS/AIE Worker 3 Days	.07/Person/day					285	59.85	285	59.85	285	59.85	285	59.85		239.4
8	Refresh Course Siksha Mitra 3 Days															-
9	Refresh Course EGS/AI Workers 15 Days	.07/Person/day					285	299.25	285	299.25	285	299.25				897.75
10	Training BRC Cordinator 10 Days	.07/Person/day	30	21												21
11	Traning for NPRC /Cordinator 10 Days	.07/Person/day	118	82.6	2	1.4										84
12	Refresh Training for BRC Cordinator 5 Days	.07/Person/day			30	10.5	30	10.5	30	10.5	30	10.5	30	10.5		52.5
13	Refresh Training for NPRC Cordinator 5 Days	.07/Person/day			120	42	120	42	120	42	120	42	120	42		210

PROJECT COST
SERVE SHIKSHA ABHIYAN
PAURI

S. No.	Head / Sub Head Activity	Unit Cost (in thousand)	2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		2005-2006		2006-2007		Total	
			Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin
14	Training for Resources at DIET 20 Days	.07/Person/day	75	105	75	105	75	105	75	105	75	105	75	105		**630**
15	Staff Development Training of Diet 7 days	.300PM/day	20	42			20	42			20	42	20	42		**168**
16	BRC/NPRC Cordinator Management by SIEMAT 5 days	.300PM/day			150	225										**225**
17	ABSA/S D.I Training 5 Days	.07/Person/day	31	10.85	31	10.85			31	10.85			31	10.85		**43.4**
18	Computer Training of Teacher UPS at DIET 20 Days	1.5/Person/day			30	900										
19	Oritation of VEC 2 days	.03/Person/day	4600	276	4600	276										**552**
20	Teachers Oritation in IED 5 Days	.07/Person/day	300	105			300	105			300	105				**315**
21	AWPB Review and Training Cor Planning Team by Siemat 7 days	.500/Person/day			7	24.5	7	24.5	7	24.5	7	24.5	7	24.5		**122.5**
22	Teachers ABSA/SDI BRC NPRC Staff Training Gender sentation	.07/Person/day	186	39.06	1659	348.39	1802	378.42								**765.87**
	Total Q 1			**5475.81**		**6593.74**		**5769.12**		**5355.35**		**5426.4**		**409.5**		**29029.9**

PROJECT COST
SERVE SHIKSHA ABHIYAN
PAURI

S. No.	Head / Sub Head Activity	Unit Cost (in	2001-2002		2002 2003		2003-2004		2004-2005		2005-2006		2006-2007		Total	
			Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin
Q 2	Teaching Learning Material															
1(i)	Teacher Grants PS	0.5	3201	1600.5	2965	1482.5	3370	1685	3415	1707.5	3444	1722	3474	1737		9934.5
1(ii)	Siksha Mitra	0.5	116	58	119	59.5	133	66.5	164	82	164	82	164	82		430
2	Teacher Grant UPS & high school/Inter college	0.5	2404	1202	2811	1405.5	2811	1405.5	2811	1405.5	2811	1405.5	2811	1405.5		8229.5
3.1	free taxt book to sc/st children & girls PS	PS .150/Child /Year	44900	6735	45532	6829.8	46194	6929.1	46884	7032.6	47603	7140.45	48355	7253.25		41920.2
2	free taxt book to sc/st children & girls UPS	UPS .150/Child /Year	24995	3749.25	25490	3823.5	25994	3899.1	26507	3976.05	27031	4054.65	27566	4134.9		23637.5
3	supplymentry reading meterial PS	0.5	1659	829.5	1662	831	1676	838	1707	853.5	1707	853.5	1707	853.5		5059
4	supplymentry reading meterial UPS	0.5	408	408	411	411	411	411	411	411	411	411	411	411		2463
5	printing of distribution of sylabus PS/UPS	80	1	80	1	80										160
6	printing of distribution of training modules PS/UPS	160	1	160			1	160	1	160						480
7	printing of distribution of training Guides	160	1	160			1	160	1	160						480
8	development printing & distribution of As training modules	10	1	10	1	10	1	10	1	10						40
9	children Learning evalation PS 3 Times in 10 years	400	1	400					1	400			1	400		1200
10	children Learning evalation UPS 3 Times /10 years	400	1	400					1	400			1	400		1200
11	school award	25	15	375	15	375	15	375	15	375	15	375	15	375		2250
	Total Q-2			**16167.3**		**15307.8**		**15939.2**		**16973.2**		**16044.1**		**17052.2**		**97483.7**
	Sub Total Q			**21643.1**		**21901.5**		**21708.3**		**22328.5**		**21470.5**		**17461.7**		**126514**

PROJECT COST
SERVE SHIKSHA ABHIYAN
PAURI

S. No.	Head / Sub Head Activity	Unit Cost (in	2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		2005-2006		2006-2007		Total	
			Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin		
C 1	D.I.E.T															
1	Add. Room															
2	Furniture	50			1	50			1	50					2	100
3	Equipment Including	200			1	200										200
4	Hiring Vehicle	5	1	5	1	5	1	5	1	5	1	5	1	5		30
5	POL	30	1	30	1	30	1	30	1	30	1	30	1	30		180
6	Drinking Water Facility															
7	Educational Support &															
8	Reasrch/Action Reasrch															
9	Faculty Development															
10	Exposare Visits	50	1	50	1	50	1	50	1	50	1	50	1	50		300
11	Library	25	1	25	1	25	1	25	1	25	1	25	1	25		150
12	Salery Of Compuetr															
13	Salery of Driver															
14	Fax/Telephone	30	1	30	1	30	1	30	1	30	1	30	1	30		180
15	Computer															
16	Consumable Computer	10			1	10	1	10	1	10	1	10	1	10		50
17	Women Hostel															
	Total C 1			**140**		**400**		**150**		**200**		**150**		**150**		1190

PROJECT COST
SERVE SHIKSHA ABHIYAN
PAURI

S. No.	Head / Sub Head Activity	Unit Cost (in	2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		2005-2006		2006-2007		Total	
			Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin		
C2	BRC															
1	Salery of Cordinator															
2	Salery of Asst Cordinator															
3	Chowkidar															
4	Equipment/Furiniture															
5	Travellong Allowence	0.5/Mont	15	90	15	90	15	90	15	90	15	90	15	90		**540**
6	Ment of Equipment															
7	Ment of Building															
8	Books	10	15	150	15	150	15	150	15	150	15	150	15	150		**900**
9	Monitoring and															
10	Consumable															
11	Contingency	12.5	15	18	15	18	15	18	15	18	15	18	15	18		**108**
12	computer															
13	Monnthly Review	.30 /Mee	180	54	180	54	180	54	180	54	180	54	180	54		**324**
14	Repair and Maintence of															
	Total (c 2)			**312**		**312**		**312**		**312**		**312**		**312**		**1872**

PROJECT COST
SERVE SHIKSHA ABHIYAN
PAURI

S. No.	Head / Sub Head Activity	Unit Cost (in thousand)	2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		2005-2006		2006-2007		Total	
			Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin
C 3	N.P.R.C.															
1	URC	200	2	400											2	400
2	Cordinator	12/Month			2	192 For 8	2	288	2	288	2	288	2	288		1344
3	Furniture	10			2	20										20
4	Books For Library	5			2	10										10
5	Contingency	2.5	118	295	120	300	120	300	120	300	120	300	120	300		1795
6	Meeting at NPRC	.2/mee/Mo.	118	288.2	120	288	120	288	120	288	120	288	120	288		1723.2
7	Supervision															
8	Maintence NRPC															
	Total (C 3)			978.2		810		876		876		876		870		5292.2

PROJECT COST
SERVE SHIKSHA ABHIYAN
PAURI

S . No.	Head / Sub Head Activity	Unit Cost (in	2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		2005-2006		2006-2007		Total	
			Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin		
C4	D.P.O															
1	Staffing Cordinators	14*12			4(8month	448	4	672	4	672	4	672	4	672		3136
2	Consultants-2	10*2			2	20	2	20	2	20	2	20	2	20		100
3	Equipment	50	1	50												50
4	Furniture & Fixture	50	1	50												50
5	Books	10	1	10												10
6	Prepartion For	20	1	20	1	20	1	20	1	20	1	20	1	20		120
7	Travellig Allowence	20	1	20	1	20	1	20	1	20	1	20	1	20		120
8	Consumable	25	1	25	1	25	1	25	1	25	1	25	1	25		150
9	Telephone /Fax	30	1	30	1	30	1	30	1	30	1	30	1	30		180
10	Vehicle Maintenance	20	1	20	1	20	1	20	1	20	1	20	1	20		120
11	Honoration of AE/JE	6/Block	15	19	15	19	15	19	15	19						360
12	Maintenance	10	1	10	1	10	1	10	1	10	1	10	1	10		60
13	Hiring of Vehicle	5	1	5	1	5	1	5	1	5	1	5	1	5		30
14	Supervision and															
15	Contingency	10	1	10	1	10	1	10	1	10	1	10	1	10		60
16	Salary of Assit.Acc.	14			1(8M0.)	112	1	168	1	168	1	168	1	168		784
17	Salary of Acc.	10			1(8M0.)	80	1	120	1	120	1	120	1	120		560
18	Salary of clerk	6			1(8M0.)	48	1	72	1	72	1	72	1	72		336
19	Salary of computer	8			1(8M0.)	64	1	96	1	96	1	96	1	96		448
20	Salary of peon	4.5			2(8M0.)	72	2	108	2	108	2	108	2	108		504
	TOTAL C4			340		1074		1486		1486		1396		1396		7178